{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 12 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 349
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,781.76
निफ्टी	-	23,398.10
सोना	-	1,63,292
चांदी	-	2,45,000
डॉलर	-	95.54

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भारत-रूस की दोस्ती का नया चैप्टर

रेलवे से लेकर डिजिटल करेंसी तक 100 अरब डॉलर का होगा कारोबार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में द्विपक्षीय बैठक की। यह बैठक ब्रिक्स 2026 से एक दिन पहले हुई। बैठक में भारत और रूस के बीच आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करने पर खास जोर रहा। दोनों देशों के बीच 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य सबसे अहम मुद्दों में रहा। इसके अलावा औद्योगिक सहयोग, परमाणु ऊर्जा, कुशल भारतीय कामगार, क्रिटिकल मिनरल्स और खाद की सप्लाई जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

भारत और रूस के बीच इस समय करीब 60 अरब डॉलर का सालाना कारोबार है। इसमें रूस से भारत को होने वाला कच्चे तेल का आयात बड़ी भूमिका निभाता है। अब दोनों देश अगले चार साल में व्यापार को 40 अरब डॉलर और बढ़ाकर 2030 तक 100 अरब डॉलर तक ले जाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 10 सितंबर को कहा था कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों के कारोबार को लगातार दोहरे अंकों की सालाना वृद्धि की जरूरत होगी। इसके लिए भारत और रूस नए कारोबारी क्षेत्रों की पहचान करने, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और भारतीय उत्पादों की रूस में बिक्री बढ़ाने पर काम कर सकते हैं।

रेलवे से स्टील तक बढ़ेगा व्यापार

भारत और रूस के बीच औद्योगिक सहयोग बढ़ाना भी बैठक का अहम मुद्दा रहा। नई दिल्ली में शुरू हुए ट्रेड फेयर को दोनों देशों की कंपनियों के बीच नई साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर देखा जा रहा है। रेलवे, टनल निर्माण और स्टील सेक्टर की पूरी वैल्यू चेन में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर है। इसके साथ ही दोनों देशों की कंपनियों के बीच सीधे बिजनेस अवसर बढ़ाने और रूस के बाजार में भारतीय सामान की पहुंच आसान बनाने पर चर्चा हुई।

न्यूक्लियर एनर्जी में बढ़ेगा सहयोग

दोनों देश सिविल न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में भी सहयोग मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें परमाणु ईंधन से लेकर न्यूक्लियर प्रोजेक्ट्स को लंबे समय तक तकनीकी और दूसरी तरह का सपोर्ट देने तक सहयोग शामिल हो सकता है।

कार डिप्लोमेसी, मोदी-पुतिन फिर कार में बैठे12 दिनों में दूसरी बार; 2014 से मोदी 11 वर्ल्ड लीडर्स के साथ गाड़ी में बैठ चुके

दिल्ली में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद एक तस्वीर ने फिर ध्यान खींचा। दोनों नेता द्विपक्षीय बैठक के बाद कार में सवार होकर इनोप्रोम प्रदर्शनी तक साथ गए। ये कार पुतिन की बख्तरबंद ओरस सीनेट है। इससे पहले दोनों नेता 12 दिन पहले 31 अगस्त को किर्गिस्तान के बिश्केक में साथ यात्रा की थी। मोदी के पीएम बनने के बाद यह भी पहली बार नहीं है, जब वह किसी विदेशी नेता के साथ कार में बैठे हों। 2014 के बाद वह ओबामा, मैक्रों समेत कई विश्व नेताओं के साथ 11 बार कार राइड कर चुके हैं।

महिला आरक्षण बिल पास कराने की तैयारी में जुटी मोदी सरकार

नवरात्रि में होगा संसद का विशेष सत्र!

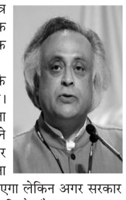

नई दिल्ली। सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाने का विकल्प फिलहाल खुला रखा है। संसद के मॉनसून सत्र का सत्रावसान नहीं किया गया। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार विशेष सत्र बुला सकती है लेकिन अब तक सरकार की तरफ से विशेष सत्र को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सूत्रों की मानें तो सरकार ब्रिक्स समिट के बाद विशेष सत्र को लेकर फैसला कर सकती है। ब्रिक्स के बाद सरकार यह तय करेगी कि महिला आरक्षण और परिसीमन बिल को पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए या नहीं। अगर सरकार तय करती है कि विशेष सत्र नहीं बुलाना है तो मॉनसून सत्र का सत्रावसान कर दिया जाएगा लेकिन अगर सरकार विशेष सत्र बुलाने का फैसला करती है तो नवरात्रि के दौरान सत्र बुलाया जा सकता है।

जयराम रमेश ने उठाए सवाल

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इस पर सवाल भी उठाए हैं। उनका कहना है कि मॉनसून सत्र को खत्म हुए 29 दिन हो चुके हैं लेकिन सत्रावसान नहीं किया गया। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। उन्होंने इसे बेवकूफी बताते हुए कहा है कि सरकार सोच रही है कि इससे विपक्ष घबरा जाएगा लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है। संसद के मॉनसून सत्र में दोनों सदनों के कामकाज हंगामे के चलते भेंट चढ़ गया। संसद में अगर रोजाना छह घंटे की संसदीय कार्यवाही मानी जाए, तो 15 दिनों में 90 घंटे का काम होना चाहिए था। हालांकि, लोकसभा में इस सत्र में केवल 15 घंटे 36 मिनट ही काम हो सका है जबकि राज्यसभा में 15 दिनों में 24 घंटे 21 मिनट काम हुआ, जिसमें हर बिल को पास करने में औसतन लगभग एक घंटा लगा। इसके बाद से ही विशेष सत्र बुलाए जाने को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी।

खास खबर

कठुआ में पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षा बलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसे हिरानगर सेक्टर के बोबिया इलाके में सीमा पर लगी फेंसिंग के पास पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र करीब 65 साल है। सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीमा पार करने की परिस्थितियों और इलाके में उसकी मौजूदगी के मकसद की जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, उसकी पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी और मामले की आगे की जानकारी अभी सामने आना बाकी है।

आईएएस रिंकू दुग्गा की नौकरी बहाली पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अफसर रिंकू दुग्गा की नौकरी में फिर से बहाली पर रोक लगा दी है। सुबह-सुबह अपना कुत्ता टहलाने के लिए दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम को खाली करवाने के आरोपों की वजह से भारत सरकार ने उन्हें कंपलसरी रिटायरमेंट दे दी थी। आईएएस रिंकू दुग्गा को सरकार ने नौकरी से जबरन रिटायर कर दिया था। उनपर अपने आईएएस पति के साथ अपना कुत्ता टहलाने के लिए दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम को खाली करवाने का आरोप लगाया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारत सरकार के फैसले को खारिज कर दिया था। जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने अब रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को केंद्र सरकार की ओर से दी गई चुनौती पर रिंकू दुग्गा को नोटिस भी जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने 7 सितंबर को यह आदेश जारी किया है।

पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के नियम बदले

हिसार। केंद्र और हरियाणा सरकार ने भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं के नियम बदल दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आए पाक जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा केस के बाद यह फैसला लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और वहां के प्राइवेट टूर ऑपरेटर धार्मिक यात्रा के नाम पर भारतीय नागरिकों को स्पॉन्सर करते हैं, ताकि उनसे जासूसी करा सकें। इसे देखते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से चलने वाले सभी प्रकार के प्राइवेट स्पॉन्सर्ड टूर पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। अब व्यक्तिगत या प्राइवेट एजेंसियों के जरिए पाकिस्तान जाना मुमकिन नहीं होगा।

डीयू चुनाव : एबीवीपी ने जारी किया केंद्रीय पैनल, यश डबास अध्यक्ष पद के उम्मीदवार

छात्रों की सुरक्षा और रहने की सुविधा प्रमुख मुद्दे

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (डीयूएसयू) के आगामी चुनावों के लिए अपने केंद्रीय पैनल की घोषणा की है, जिससे परिसर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। संगठन ने अपने प्रमुख उम्मीदवारों के नामों का खुलासा किया। यश को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि इशु मौर्य उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में हैं। रिया छावड़ी सचिव पद और लक्ष्यराज सिंह संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। इस घोषणा के साथ ही, ये चारों नाम चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले ही चर्चा में आ गए हैं और उम्मीद है कि ये उम्मीदवार दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में छात्रों से सीधे संपर्क करने वाले है। डीयूएसयू चुनाव देश के सबसे महत्वपूर्ण छात्र चुनावों में से एक माने जाते हैं, जिन पर विश्वविद्यालय परिसर के बाहर भी राजनीतिक गलियारों की नज़र रहती है। हालांकि, एबीवीपी ने इन चारों नहित सात संभावित उम्मीदवारों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

बच्चों को हिरासत में रख यातना देने पर पुलिस अधिकारियों पर करो एफआईआर

-मानवाधिकार आयोग ने महाराष्ट्र डीजीपी को दिए निर्देश

मुंबई। महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने बच्चों को वाहन के बोनट से बांधकर उन्हें घुमाने, अवैध रूप से हिरासत में लेने, उन्हें यातना देने के मामले में पुणे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की सिफारिश की है। आयोग ने मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का हवाला देते हुए महाराष्ट्र के डीजीपी को उसकी तथ्य-न्वेषण रिपोर्ट को प्राथमिकी के रूप में दर्ज करने का निर्देश दिया है। आयोग की पूर्ण पीठ में अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए एम बादर और सदस्य संजय कुमार और स्वप्ना जोशी शामिल थे।

आदेश में कहा गया है कि हम सिफारिश करते हैं कि चूंकि आरोप वर्तमान पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के खिलाफ भी हैं, जो एडीजीपी स्तर के अधिकारी हैं, इसलिए पुलिस महानिदेशक को यह तय करना चाहिए कि जांच का जिम्मा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारी को सौंपा जाए। यह आदेश विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रय कराले, एसपी विश्वास पांधरे और एमएसएचआरसी के रजिस्ट्रार विजय केदार की तीन सदस्यीय समिति द्वारा की गई प्रारंभिक तथ्यान्वेषण के बाद आया है।

समिति की दो हिस्सों वाली रिपोर्ट में पुलिस की बर्बरता और व्यवस्थित मानसिक उत्पीड़न के गंभीर विवरण सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल 21 जुलाई को भारती विद्यापीठ थाने के कर्मचारियों ने हत्या के एक मामले में हिरासत में लिए गए तीन नाबालिगों को रस्सियों से पुलिस वाहन के बोनट पर बांध दिया था। जांच में सामने आया कि नाबालिगों को हिरासत में हिंसा का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया कि उन्हें 20 जुलाई एवं 24 जुलाई के बीच तय कानूनी सीमा से ज्यादा समय तक अवैध रूप से पुलिस लॉकअप में रखा गया, जिसके बाद उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया।

निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

वेल्लोर। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटपाडी के निकट मंडी कृष्णापुरम में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निर्माणाधीन भवन की छत का हिस्सा गुरुवार को उस समय ढह गया, जब मजदूर छत पर कंक्रीट डालने का काम कर रहे थे। अधिकारी ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की अरक्कोणम टीम ने जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर निर्माण स्थल पर फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान चलाया। वेल्लोर की जिलाधिकारी पी एस लीला एलेक्स ने कहा कि कम से कम आठ मजदूरों की हालत स्थिर है।

जीएसटी पंजीकरण में आधार बायोमैट्रिक सत्यापन अनिवार्य- फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने फर्जी कंपनियों के माध्यम से होने वाली बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी और नागरिकों के पहचान दस्तावेजों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब देश भर में जीएसटी पंजीकरण के लिए आधार आधारित बायोमैट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य फर्जी पहचान के आधार पर फर्मे और कंपनियां खोलने वाले गिरोहों पर शिकंजा कसना और निर्दोष लोगों के पैन तथा आधार विवरण के दुरुपयोग पर रोकना है।

इस व्यवस्था को लागू करने के पीछे दिल्ली हाई कोर्ट का मामला भी प्रमुख वजह बना, जहां एक गृहिणी ने शिकायत की थी कि उनके पैन का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल कर फर्जी जीएसटी पंजीकरण हुआ और उन्हें बकाया टैक्स का नोटिस मिला। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति शैल जैन की पीठ ने सुनवाई के दौरान इस तरह के फर्जीवाड़े के व्यापक स्वरूप पर गहरी चिंता जाहिर की थी। अदालत के सामने यह तथ्य आया कि धोखेबाज गिरोह आम नागरिकों के चोरी किए गए या गलत तरीके से हासिल किए गए पैन और आधार विवरण का उपयोग कर फर्जी फर्मे स्थापित कर रहे हैं, जिसके बाद जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया में पहचान सत्यापन को और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई।

अदालत ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों का उल्लेख किया, जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में 2,800 फर्जी जीएसटी पंजीकरण पकड़े गए, जिसमें करीब 15,085 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का खुलासा हुआ। इसी प्रकार, वित्त वर्ष 2024-25 में 1,654 धोखाधड़ी वाले पंजीकरणों का पता चला, जिससे करीब 13,109 करोड़ के राजस्व नुकसान का अनुमान है। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि फर्जी पंजीकरणों के माध्यम से सरकार को दो वित्तीय वर्षों में 28,000 करोड़ रुपये से अधिक का भारी राजस्व नुकसान हुआ है, साथ ही उन निर्दोष नागरिकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है जिनके दस्तावेजों का दुरुपयोग किया जाता है।

नई आधार आधारित बायोमैट्रिक सत्यापन प्रणाली का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी पंजीकरण कराने वाला व्यक्ति वास्तव में वहीं है जिसके पहचान दस्तावेजों का उपयोग हो रहा है। इससे केवल पैन या आधार की जानकारी हासिल कर किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर फर्जी पंजीकरण कराने की संभावना लगभग समाप्त होगी। मोदी सरकार का यह कदम जीएसटी व्यवस्था में वास्तविक कारोबारियों की पहचान को मजबूत करेगा, फर्जी फर्मों के जरिए होने वाली टैक्स चोरी पर अंकुश लगाएगा और आम नागरिकों के पहचान दस्तावेजों के दुरुपयोग से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम करेगा।

कांग्रेस ने मानसून सत्र के सत्रावसान नहीं होने पर मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र का अब तक सत्रावसान ना होने पर और परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक न बुलाने को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार इन महत्वपूर्ण विषयों पर गोपनीयता और रहस्य बनाए हुए है, जबकि देश को व्यापक सहमति की जरूरत है।

कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि सभी विपक्षी दल मार्च से ही परिसीमन संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि भारतीय गणराज्य की बुनियाद से जुड़े इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर इतनी गोपनीयता क्यों बरती जा रही है।

संसद के मानसून सत्र के सत्रावसान में हो रही देरी पर कांग्रेस ने सवाल उठाए। रमेश ने कहा कि सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने और उसके सत्रावसान के बीच का अंतर अब 29 दिन पहुंच गया है, जो सामान्य रूप से तीन-चार दिन का होता है। उन्होंने आशंका जाहिर की है कि मोदी सरकार शायद विपक्ष को परेशान करने के लिए माइंड गेम और मनोवैज्ञानिक अभियान के रूप में इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 17 अप्रैल को लोकसभा में अपने अहंकार के कारण मिली हार से आहत हैं। उनका दावा है कि मोदी सरकार अब संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रही है।

ट्रक-बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 की मौत, 3 घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है वहीं हादसे की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस क्या चाहती है, कश्मीरियों को जेल में डाल दिया जाए

-सीएम उमर ने कहा- वंदे मातरम को लेकर सरकार को पालन करना होगा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वंदे मातरम के सभी छह पैरा को लेकर जो प्रावधान लागू है, उसका सरकार को पालन करना होगा। वंदे मातरम में खड़े न होने के कानूनी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने पूछा, कांग्रेस क्या चाहती है, कि कश्मीरियों को इस कारण जेल में डाल दिया जाए। उमर ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में लागू नियमों और प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है। ये नियम सिर्फ जम्मू-कश्मीर नहीं, बल्कि पूरे देश में सरकारी कार्यक्रमों पर लागू होते हैं। बता दें सोमवार को श्रीनगर में सीएम उमर और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण हुआ था। इस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो शेयर करते नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपील की थी कि वह कांग्रेस के साथ खड़ी रहे और वंदे मातरम के 2 पैरा गाने के पक्ष में अपना रुख कायम रखे। इस पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी वंदे मातरम को पार्टी के तौर पर नहीं अपनाया है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेगी। यह पार्टी की विचारधारा और राजनीतिक फैसले का विषय है। उमर ने कहा कि पार्टी के फैसले और सरकार की कानूनी जिम्मेदारी को अलग-अलग समझना चाहिए। कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने ऐलान किया था कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ दो पैरा गाएगी। यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर हुए विवाद के बाद आया था।

गोटमार मेले में 1321 घायल, सिर फूटे, हड्डियां टूटीं

पांढुर्णा में झंडे पर कब्जे के लिए भिड़े खिलाड़ी, कांग्रेस विधायक ने भी मारे पत्थर

पांढुर्णा। पांढुर्णा में गोटमार मेले के दौरान जाम नदी में जमकर पत्थरबाजी हुई। झंडे पर कब्जे के लिए पांढुर्णा और सावरगांव पक्ष के खिलाड़ी आमने-सामने रहे। पत्थर लगने से 1321 लोग घायल हुए हैं। इनमें कई लोगों के सिर फूट गए। 88इनमें 8 की हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया। शाम को पांढुर्णा पक्ष के युवक ने कुल्हाड़ी से जाम नदी के बीच लगा पलाश का झंडा काट दिया। झंडा चंडी माता मंदिर पहुंचने के साथ ही खेल का समापन हो गया। झंडा काटने के दौरान 3 युवक टिन के नीचे दब गए। उन पर भी पत्थर बरसाए गए। इसका वीडियो सामने आया है। एक अन्य वीडियो में युवक गमछे से गोफन बनाकर पत्थर मारता नजर आया। वहीं, पांढुर्णा से कांग्रेस विधायक निलेश उईके ने भी पत्थरबाजी की। सावरगांव निवासी

33 वर्षीय नितिन भादे का पैर टूट गया। 48 वर्षीय प्रह्लाद साहू के कंधे की हड्डी टूट गई। पांढुर्णा निवासी 39 वर्षीय सचिन हाटेकर का पैर टूट गया। सावरगांव निवासी 30 वर्षीय संजय धारपुरे के सिर और पैर में गंभीर चोट आई है। संजय और सचिन समेत 8 लोगों को नागपुर रेफर किया गया है।

घायलों के इलाज के लिए मेला क्षेत्र में 7 अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 44 डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई है और 22 एंबुलेंस तैनात की गई हैं। घायलों को जरूरत के मुताबिक प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया। गोटमार मेले में पत्थर लगने से 5 साल के बालक योगेश मरावी का सिर फूट गया। योगेश महाराष्ट्र के मोवाड निवासी हैं। अपने पिता दीपक के साथ परिवार समेत गोटमार देखने आए थे। पिता दीपक ने बताया कि वे परिवार के साथ मेले को देख रहे थे, तभी अचानक एक पत्थर योगेश के सिर में लग गया। सिर से खून निकलने के बाद पिता बच्चे को हाथों में उठाकर अस्पताल ले जाते नजर आए। इस दौरान पिता रोते हुए दिखाई दिए। पांढुर्णा जिला प्रशासन की सख्ती के बावजूद मेले में गोफन भी चलती रही और पत्थरबाजी जारी रही।

700 पुलिसकर्मी, ड्रोन-सीसीटीवी से निगरानी

सदियों पुरानी इस परंपरा के दौरान सुरक्षा के लिए 700 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। मेला क्षेत्र और आसपास 10 सीसीटीवी कैमरों और 3 ड्रोन से निगरानी की जा रही है। गोटमार में 1955 से 2025 तक पत्थरबाजी के दौरान 13 लोगों की मौत हो चुकी है।

कुछ ना कहना

सप्ताह में 5 दिन काम, 2 दिन आराम

जिले के 125 बैंकों में लटके रहे ताले, अधिकारियों कर्मचारियों ने की सामुहिक हड़ताल : 5 दिवसीय वर्किंग डे की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियो ने भरी हुंकार

पदाधिकारी बोले मांग पूरी ना होने पर करेंगे देशव्यापी अनिश्चितकालीन हताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार 11 सितंबर को 5 दिवसीय वर्किंग डे की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियो के संगठनों ने एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। जहां सप्ताह में 5 दिन काम और 2 दिन आराम की प्रमुख मांग को लेकर यूएफबीयू के बैनर तले, बैंक कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न संगठनों द्वारा नगर के एसबीआई बैंक में एकत्र होकर जमकर नारेबाजी की गई।बैंक अधिकारियों कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों द्वारा सामुहिक रुप से की गई इस एकदिवसीय सामुहिक हड़ताल के चलते जिले के करीब 125 बैंको में ताले लटके रहे, वही 1000 से अधिक अधिकारी कर्मचारी कार्य से विरत रहकर हड़ताल पर रहे।जिससे जहा एक ओर बैंकों का कार्य पूरी तरह से ढप रहा।तो वही लगातार 3दिनों तक बैंक बंद रहने से उपभोक्ताओं को भी भारी परेशानियों का भी सामना करना प ?गा।

5 वर्किंग डेज वीक लागू करने की प्रमुख मांग को लेकर हड़ताल

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले हड़ताल का यह आवाहन किया गया। दरअसल यूनियन 5 वर्किंग डेज वीक लागू करने की मांग कर रहे हैं। लंबे वक्त से चल रही मांगों के बीच 11 सितंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की गई। साथ ही संगठन द्वारा चेतावनी भी दी गई है यदि सरकार ने उचित कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जिसमें संगठन द्वारा 28 से 30 सितंबर तक 3 दिवसीय हड़ताल करने, और उसपर भी मांग पूरी ना होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन राष्ट्रव्यापी आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

04 दिनो से ठप रहेगा बैंको का कामकाज

बैंक कर्मचारी यूनियन की वैसे तो हड़ताल एक दिन 11 सितंबर की रही, लेकिन कामकाज 04दिनों तक प्रभावित रहेगा।हड़ताल के बाद लगातार 04 दिनों की बैंकों की छुट्टियों के चलते रविवार को मिलाकर 04 दिनो तक बैंकों में काम ठप रहेगा। दरअसल 11 सितंबर को 1 दिवसीय हड़ताल,12 सितंबर को दूसरा शनिवार के चलते देशभर में बैंक बंद रहेंगे।वही 13 सितंबर रविवार है,। 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी की छुट्टी यानी बैंक सीधे 15 सितंबर को खुलेंगे।

प्रत्येक शनिवार रविवार को मिले अवकाश

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक्स यूनियन (यूएफबीयू) के आव्हान पर 11 सितंबर को बैंक कर्मचारी और अधिकारियो ने एक दिवसीय हड़ताल की। यह निर्णय 5 दिवसीय बैंकिंग की लंबित मांग को लेकर लिया गया। बताया गया कि मार्च 2024 में आईबीए (आईबीए) और यूएफबीयू के बीच हुए वेतन संशोधन समझौते में सभी शनिवारों को छुट्टी घोषित करने की प्रतिबद्धता जताई गई थी।लेकिन यह नियम बैंक कर्मचारियों पर अब तक लागू नही किया गया है।बैंक कर्मचारियों की मांग है कि 5 वर्किंग डे का नियम लागू हो, क्यो की उन्हें महीने में सिर्फ 2 शनिवार को छुट्टी मिलती है।उनकी मांग है कि इसे बढ़ाकर 2 दिन का साप्ताहिक अवकाश किया जाए।बताया गया कि आरबीआई, एलआईसी, जीआईसी,केंद्र व राज्य सरकार के कार्यालय, मुद्रा बाजार, शेयर, बाजार और नाबार्ड सहित अन्य संस्थानों में सप्ताह में 5 दिन काम हो रहे हैं।केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालय भी शनिवार को बंद रहते हैं। ऐसे में उनकी मांग है कि उनके लिए भी 5 वर्किंग डे का नियम लागू हो।इसी प्रमुख मांग के लिए 11 सितंबर को यूएफबीयू के आव्हान पर एक दिवसीय सामुहिक हड़ताल की गई है।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

हड़ताली कर्मचारियों ने बैंकों में क्लेरिकल एवं सब-स्टाफ की पर्याप्त भर्ती करने, एनपीएस को पुरानी पेंशन (ओपीएस)में परिवर्तित करने,बैंकों द्वारा एनपीएस में किए जाने वाले अतिरिक्त 4 प्रतिशत योगदान को आयकर से मुक्त करने,ग्रेच्युटी अधिनियम के अंतर्गत ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि किए जाने,पेंशन का अपडेशन करने,पेंशन पर समान डीएआई देने, नवंबर 2022 से पहले के पेंशनरों के लिए एक्स-ग्रेशिया में संशोधन करने,सभी निजी बैंकों में एक्स-ग्रेशिया देने,बैंकों में वर्कमैन एवं ऑफिसर डायरेक्टर के रिक्त पदों को तत्काल भरने, लीव बैंक की शुरुआत करने,सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी का प्रीमियम बैंकों द्वारा वहन किया जाने सहित अन्य मांगो को पूरी किए जाने की गुहार लगाई गई।जिसमे ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन,नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉइज, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन, बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया,इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस और इंडियन नेशनल बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ने हड़ताल को समर्थन दिया और इस ह ?ताल में कर्मचारी शामिल हुए।

हड़ताली बोले-अब आश्वासनो ने नही चलेगा काम

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए सप्ताह में पांच दिन कार्यप्रणाली लागू करने सहित लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है।यूएफबीयू के आह्वान पर 11 सितंबर 2026 को आंदोलन, 28, 29 एवं 30 सितंबर को आंदोलनात्मक कार्यक्रम तथा मांगों का समाधान नहीं होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन बैंक हड़ताल की चेतावनी दी गई है।बताया गया कीबैंक यूनियनों की प्रमुख मांग सभी शनिवारों को अवकाश घोषित कर 5-दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की है।

यूनियनों के अनुसार मार्च 2024 के समझौते में शेष शनिवारों को अवकाश देने पर सहमति बनी थी। इसके बदले सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य करने पर भी सहमति दी गई थी। यह प्रस्ताव वित्त मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया, लेकिन लंबे समय से लंबित है।

सुलह बैठक भी बेनतीजा

बताया गया कि हड़ताल के पूर्व 8, 9 एवं 10 सितंबर को मुख्य श्रम आयुक्त एवं उप मुख्य श्रम आयुक्त की मौजूदगी में एआईआरआरबीईए और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के बीच सुलह बैठक हुई, लेकिन पांच-दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलने से आंदोलन टालने पर सहमति नहीं बन सकी।

कार्य-जीवन संतुलन का तर्क

यूनियनों का कहना है कि केंद्र व राज्य सरकारों सहित आरबीआई एलआईसी जीआईसी, नाबार्ड और कई निजी संस्थानों में पांच-दिवसीय कार्यप्रणाली लागू है। बैंक कर्मचारी भी लंबे समय से अतिरिक्त कार्यभार और तनाव के बीच सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में शेष शनिवारों को अवकाश देकर 5-दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका

उधर एक दिवसीय हड़ताल व छुट्टियों को मिलाकर 4 दिनों तक बैंको का काम काज ढप्प रहेगा।तो वही संघटन द्वारा 26 अक्टूबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल होने पर बैंक शाखाओं के बंद रहने से नकद लेन-देन, चेक क्लीयरेंस सहित अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

तो करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल-

लीलाधर सुलाखे

सामूहिक हड़ताल को लेकर की गई चर्चा के दौरान मप्र ग्रामीण बैंक एसोसिएशन महासचिव लीलाधर सुलाखे ने बताया कि 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक्स यूनियन (यूएफबीयू) के बैनर तले आज समस्त बैंको के विभिन्न अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा सामूहिक हड़ताल की गई है, इसके पूर्व भी कई बार हमें 5ड़े वर्किंग का आश्वासन दिया जा चुका है लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर आज सांकेतिक तौर पर हड़ताल की गई है।जिससे बैंको का कामकाज पूर्ण रूप से ठप है। उन्होंने बताया हमें सप्ताह में मात्र एक दिन रविवार को अवकाश दिया जा रहा है, जबकि दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश मिलता है, जो पर्याप्त नही है। हम रोजाना ओवर टाइम 7 से 8 बजे रात्रि तक ड्यूटी करते रहते हैं,हम मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक जाते हैं इसी वजह से बैंक कर्मचारियों का व्यवहार चिड़चिड़ा रहता है और उन्हें छुट्टी की आवश्यकता है, इसीलिए यह हड़ताल की गई है। मानसिक तनाव के चलते अब तक 500 से अधिक कर्मचारियों ने आत्महत्या की है वहीं सरकार ने आश्वासन भी 5 दिनों के वर्किंग डे को लेकर दिया था लेकिन आज तक इसे लागू नहीं किया गया है इसीलिए पूरे देश में यह हड़ताल की जा रही है इस पर भी मांग पूरी नहीं होती तो 28 से लेकर 30 सितंबर तक तीन दिनों के लिए बैंक बंद कर हड़ताल की जाएगी। उसपर भी मांग पूरी न होने पर 26 अक्टूबर से सभी बैंकों में ताले जड़कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

मारबत के बहाने फिर गूंजी आवाज, बूढ़ी शराब दुकान को ले जाएं बाहर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बूढ़ी शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किए जाने की मांग को लेकर शहर के वार्ड क्रमांक 12 और 13 की महिलाओं का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार जारी है। कई दिनों से आंदोलनरत महिलाएं अब अपने विरोध को शहर की स्थानीय परंपराओं और त्योहारों से भी जोड़कर आवाज बुलंद कर रही हैं। कभी रैली निकालकर तो कभी अखंड रामायण पाठ के माध्यम से विरोध दर्ज कराने वाली महिलाओं ने 11 सितंबर को मारबत पर्व के अवसर पर भी धरना स्थल से शराब दुकान हटाने की मांग को जोरदार तरीके से उठाया।

मारबत पर्व पर सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाएं धरना स्थल पर एकत्रित हुईं और पर्व मनाने के साथ बूढ़ी शराब दुकान को वार्ड से हटाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। महिलाओं ने बूढ़ी शराब दुकान को ले जाएं ओं नारबोद के नारों के बीच अपना विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि मारबत पर्व पर शहर से बुराई और नकारात्मक शक्तियों को बाहर करने की परंपरा है। इसी प्रतीक के साथ वे भी चाहती हैं कि वार्ड में स्थित शराब दुकान को यहां से हटाकर किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। महिलाओं का कहना है कि शराब दुकान की मौजूदगी से वार्ड के माहौल पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और लंबे समय से वे इसके स्थान परिवर्तन की मांग उठा रही हैं। उनका आरोप है कि उनकी मांग को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा, जिसके कारण उन्हें लगातार धरने पर बैठकर विरोध करना पड़ रहा है। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी एक दिन या किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं है, बल्कि मांग पूरी होने तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। मारबत पर्व के दौरान महिलाओं ने जिस तरह अपनी मांग को परंपरा से जोड़ते हुए प्रदर्शन किया, उसने आंदोलन को एक अलग स्वरूप दे दिया। महिलाओं का कहना था कि जिस तरह मारबत के माध्यम से बुराइयों और नकारात्मकता को शहर से बाहर करने का संदेश दिया जाता है, उसी भावना के साथ वे बूढ़ी शराब दुकान को भी वार्ड से बाहर देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि पर्व के दिन भी वे अपनी मांग को नहीं भूलीं और आगे भी हर स्तर पर आवाज उठाती रहेंगी। महिलाओं ने साफ कर दिया कि जब तक बूढ़ी शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया जाता, तब तक उनका विरोध समाप्त नहीं होगा। उनका कहना है कि त्योहार आते-जाते रहेंगे, लेकिन उनकी समस्या जस की तस बनी रही तो आंदोलन भी इसी तरह जारी रहेगा। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि लगातार चल रहे इस अनिश्चितकालीन धरने के बाद प्रशासन और संबंधित विभाग महिलाओं की मांग पर क्या निर्णय लेते हैं।

नशे के खिलाफ रूपझर पुलिस ने लगाई चौपाल

वार्ड 9 और 10 में ग्रामीणों को किया जागरूक : अवैध शराब निर्माण व बिक्री की सूचना देने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों को रोकने और ग्रामीण क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से रूपझर थाना पुलिस द्वारा वार्ड क्रमांक 9 और 10 में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। चौपाल में थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने ग्रामीणों से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी।

थाना प्रभारी ने शराब पीने से हुई मौत के एक मामले का हवाला देते हुए ग्रामीणों को समझाया कि शराब का अत्यधिक सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ पूरे परिवार को प्रभावित करता है। उन्होंने शराब के सेवन से होने वाली विभिन्न बीमारियों और इसके कारण परिवार में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

अवैध शराब पर कार्रवाई में सहयोग की अपील

चौपाल के दौरान पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि गांव में यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से शराब बनाता या बेचता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर कार्रवाई के लिए ग्रामीणों का सहयोग बेहद जरूरी है। ग्रामीणों से कहा गया कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाएं ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

नशा मुक्ति संगठन और ग्राम सुरक्षा समिति बनाने की सलाह

थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को नशा मुक्ति संगठन के साथ ग्राम सुरक्षा समिति गठित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ ग्रामीण भी सक्रिय रूप से जुड़ें और अपने गांव को नशामुक्त बनाने में भूमिका निभाएं। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे युवाओं को नशे से दूर रखने तथा गांव में असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सामूहिक प्रयास करें।

रात्रि में शराब पीकर उत्पात करने वालों की दें सूचना

पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि यदि रात के समय कोई व्यक्ति शराब के नशे में उत्पात मचाता है या शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए। सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा रात्रि गश्त और पेट्रोलिंग कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि ग्रामीणों की सूचना से असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है।

लूट, डकैती और चोरी से भी किया जागरूक

चौपाल में केवल नशे की समस्या ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। पुलिस ने लूट, डकैती, चोरी सहित अन्य अपराधों से बचाव के उपाय बताए। इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों को लेकर भी ग्रामीणों को सावधान किया गया। अनजान व्यक्ति के फोन, लिंक या लालच में आकर अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी गई।

ग्रामीणों से सामूहिक प्रयास का आह्वान

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गांव को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने के लिए पुलिस के साथ ग्रामीणों की सहभागिता आवश्यक है। यदि ग्रामीण किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी समय पर पुलिस को देते हैं तो अपराधों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सकता है।चौपाल के दौरान पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों को बुलाकर शराब के सेवन से होने वाली बीमारियों और नशे के दुष्परिणामों के बारे में समझाया गया। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार तथा गांव के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। रूपझर पुलिस की इस पहल को ग्रामीणों ने जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कायदी को नशा मुक्त करने पुलिस का अभियान तेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम कायदी में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने और गांव को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। पिछले तीन दिनों से गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। दिन से लेकर देर रात तक पुलिसकर्मी गांव की गलियों और मोहल्लों में गश्त कर रहे हैं तथा अवैध रूप से शराब बेचने वालों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर नजर रखी जा रही है।

ज्ञात हो कि मंगलवार को ग्राम कायदी के बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट होकर जनसुनवाई में पहुंचे थे और उन्होंने गांव में कथित रूप से चल रही अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने तथा कायदी को नशा मुक्त करने की मांग उठाई थी। ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस ने गांव में निगरानी और कार्रवाई शुरू की है।

तीन दिनों से पुलिस की लगातार मौजूदगी

नशा मुक्ति अभियान के तहत पिछले तीन दिनों से ग्राम कायदी में पुलिस बल लगातार तैनात है। पुलिस द्वारा गांव में दिन और रात गश्त की जा रही है। पुलिस की सक्रियता के चलते अवैध शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही अवैध शराब के ठिकानों की जानकारी जुटा रही है।

बंसीलाल नगरगड़े के यहां कार्रवाई- शराब जप्त

10 सितंबर की रात ग्रामीणों और पुलिस की मौजूदगी में ग्राम कायदी निवासी बंसीलाल नगरगड़े के कथित अवैध शराब अड्डे पर छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान हाथ भट्टी की कच्ची शराब बरामद कर जप्त की गई। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद गांव में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस की भनक लगते ही खेतों में बहाई शराब

11 सितंबर की सुबह जब पुलिस बल गांव की गलियों में गश्त के लिए निकला तो पुलिस की मौजूदगी की भनक लगते ही कथित रूप से हाथ भट्टी महुआ शराब बेचने वालों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने घरों में बिक्री के लिए रखी कच्ची शराब को पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए खेतों और बंधियों में बहा दिया। पुलिस द्वारा ऐसे लोगों की पहचान और उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस कैंप से बढ़ी निगरानी

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर ग्राम कायदी में पुलिस कैंप लगाया गया है। पुलिस बल गांव में लगातार मौजूद रहकर अवैध शराब विक्रेताओं पर निगरानी रख रहा है। इस अभियान में ग्रामीणों और नशा मुक्ति समिति का भी विशेष सहयोग मिल रहा है। ग्रामीणों द्वारा पुलिस को अवैध शराब बिक्री से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

बनियाटोला, छोटाटोला और जोड़ापाट में भी निगरानी

कायदी पंचायत क्षेत्र में आने वाले ग्राम बनियाटोला, छोटाटोला और जोड़ापाट में भी शराब बिक्री को लेकर पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है। पुलिस द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य केवल अवैध शराब पकड़ना ही नहीं बल्कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकना भी है।

युवा पीढ़ी को नशे से दूर करने की पहल

ग्राम को नशा मुक्त करने के इस अभियान में पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की भूमिका भी महत्वपूर्ण बताई जा रही है। सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र उर्फ जीतू नगरगड़े पुलिस बल के साथ गांव में घूमकर अभियान में सहयोग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अवैध शराब की बिक्री के कारण युवा पीढ़ी पर नशे का प्रभाव पड़ रहा है।जिसे रोकना पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

जब तक गांव नशा मुक्त नहीं होगा अभियान चलता रहेगा

सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र उर्फ जीतू नगरगड़े ने कहा कि गांव को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से पुलिस बल लगाया गया है और ग्रामीण भी पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 सितंबर की रात बंसीलाल नगरगड़े के यहां हाथ भट्टी की कच्ची शराब बनाने की सूचना पर कार्रवाई की गई और शराब पकड़ी गई। वहीं 11 सितंबर को भी एक घर में बोतलों में रखी शराब मिलने की बात सामने आई जिसे पुलिस की भनक लगते ही खेतों में बहा दिया गया।उन्होंने कहा कि ग्राम कायदी को पूरी तरह नशा मुक्त करने तक यह अभियान जारी रहेगा। ग्रामीणों का सहयोग मिलता रहा तो अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जा सकती है और गांव की युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बाहर लाने में मदद मिलेगी।

जनहित में अभियान को बताया महत्वपूर्ण

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पुलिस की लगातार मौजूदगी से अवैध शराब बेचने वालों पर दबाव बना है। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि अभियान को कुछ दिनों तक चलाने के बजाय तब तक जारी रखा जाए, जब तक अवैध शराब बिक्री पर पूरी तरह अंकुश न लग जाए। ग्रामीणों के अनुसार गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस, पंचायत, नशा मुक्ति समिति और आम नागरिकों का सामूहिक प्रयास जरूरी है।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास
भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

अस्पताल में भर्ती छात्र को अकेला छोड़ गए छात्रावास कर्मचारी, विधायक ने जताई नाराजगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे के सामने अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के छात्रावास प्रबंधन की ऐसी लापरवाही सामने आई, जिसने बीमार आदिवासी बच्चों की देखभाल और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अस्पताल में भर्ती एक छात्र की देखरेख के लिए छात्रावास

की ओर से कोई अटेंडर तक मौजूद नहीं था। जानकारी सामने आते ही विधायक ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित छात्रावास कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने की बात कही। बताया गया कि मोती गार्डन के सामने स्थित जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास से संबंधित यह छात्र बैहर क्षेत्र के मदनटोला गांव का निवासी है और कक्षा नौवीं में अध्ययनरत है। छात्र डाइट में पढ़ाई कर रहा है। वर्तमान में उसकी तबीयत खराब होने के कारण उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि छात्र को सिकल सेल से संबंधित परेशानी है। ऐसे में अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी नियमित देखभाल और निगरानी बेहद जरूरी थी, लेकिन छात्रावास प्रबंधन की ओर से उसे बिना किसी अटेंडर के अस्पताल में छोड़ दिए जाने की बात सामने आई। विधायक अनुभा मुंजारे ने इस स्थिति को गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती किसी बच्चे को इस तरह अकेला छोड़ना उचित नहीं है। खासकर तब, जब बच्चा आदिवासी क्षेत्र से संबंधित हो और बीमारी के कारण अस्पताल में उपचाररत हो। उन्होंने कहा कि बीमार बच्चे को दवा, उपचार और चिकित्सकीय निगरानी के साथ एक जिम्मेदार व्यक्ति की देखरेख की भी आवश्यकता होती है। ऐसे में छात्रावास प्रबंधन द्वारा बच्चे की जिम्मेदारी से इस तरह पीछे हटना गंभीर विषय है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने संबंधित छात्र की पूरी जानकारी जुटाने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्र का नाम, स्कूल, छात्रावास और उससे जुड़े अन्य विवरण सामने लाने के साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षक को तलब किए जाने की बात कही। विधायक ने संकेत दिया कि मामले में केवल जानकारी लेकर छोड़ने के बजाय यह भी देखा जाएगा कि आखिर अस्पताल में भर्ती बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी किसकी थी और उसे बिना अटेंडर के किस परिस्थिति में छोड़ दिया गया।

पीएम आवास कॉलोनी में पानी के लिए हाहाकार

पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम पहले से तय, फिर भी चार दिन तक टैंकर नहीं पहुंचा, फायर ब्रिगेड से पानी मंगाने को मजबूर हुए रहवासी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फिल्टर प्लांट क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा विकसित पीएम आवास कॉलोनी में इन दिनों पानी को लेकर हालात गंभीर हो गए हैं। नगर पालिका ने पहले ही सार्वजनिक सूचना जारी कर फिल्टर प्लांट में पाइपलाइन शिफ्टिंग कार्य के चलते 7 से 11 सितंबर तक पानी की सप्लाई प्रभावित रहने की जानकारी दी थी। इसके बावजूद प्रभावित कॉलोनी के रहवासियों के लिए वैकल्पिक जल व्यवस्था करने में नगर पालिका की तैयारी पूरी तरह नाकाम नजर आई। पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम शुरू होने के बाद 7 से 10 सितंबर तक कॉलोनी में पानी के टैंकर तक नहीं पहुंचाए गए। घरों की टंकियों में पहले से जमा पानी खत्म होते ही रहवासियों के सामने पीने के पानी से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक का संकट खड़ा हो गया।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब नगर पालिका को पहले से मालूम था कि पाइपलाइन शिफ्टिंग के कारण नियमित जलापूर्ति बाधित होगी, तो फिर प्रभावित क्षेत्र के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई ? चार दिन तक लोगों को पानी के लिए परेशान होने देना और इसके बाद टैंकर भेजने की बात करना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पानी जैसी बुनियादी जरूरत को लेकर पहले से तैयारी नहीं होना बताता है कि जल संकट से निपटने को लेकर नगर पालिका की व्यवस्था कितनी गंभीर है। कॉलोनी के रहवासियों की परेशानी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ लोगों ने अपनी समस्या खुलकर सामने रखने में भी असमर्थता जताई। उनका कहना है कि वे नगर पालिका की कॉलोनी में निवास करते हैं, इसलिए मीडिया के सामने अपनी परेशानी बताने में भी संकोच रहता है। लेकिन जब घरों की टंकियां पूरी तरह खाली हो गईं और पानी की जरूरत बढ़ती गई तो मजबूरी ने लोगों को वैकल्पिक साधन तलाशने पर मजबूर कर दिया। 10 सितंबर की रात स्थिति इतनी बिगड़ गई कि कुछ रहवासियों ने फायर ब्रिगेड से पानी मंगवाकर घरों की पानी की टंकियां भरने का प्रयास किया। जिस पानी का इस्तेमाल सामान्य तौर पर आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए किया जाना चाहिए, उसी फायर ब्रिगेड को रहवासी अपने घरों की पानी की जरूरत पूरी करने के लिए बुलाने को मजबूर हुए। यह स्थिति केवल जल संकट नहीं बल्कि नगर पालिका की वैकल्पिक व्यवस्था की पोल खोलने वाली तस्वीर के रूप में सामने आई है। 11 सितंबर को कॉलोनी में संकट और गहरा गया। घरों में पीने के पानी के साथ दैनिक उपयोग के लिए भी पानी उपलब्ध नहीं रहा। पानी की कमी का असर सीधे परिवारों की दिनचर्या पर पड़ा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को पानी की व्यवस्था के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि यदि पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम पहले से निर्धारित था तो नगर पालिका ने प्रभावित परिवारों की परेशानी का अनुमान लगाकर पर्याप्त टैंकरों की व्यवस्था क्यों नहीं की ?, इस पूरे मामले को लेकर नगर पालिका में जलापूर्ति का काम देख रहे शिव से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि फिल्टर प्लांट में पाइपलाइन शिफ्टिंग का कार्य अब 14 सितंबर तक चल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां आवश्यकता होगी, वहां पानी का टैंकर भेजा जाएगा। लेकिन यहां भी सवाल यह है कि टैंकर की व्यवस्था जरूरत पड़ने के बाद क्यों की जा रही है ? जब 7 सितंबर से पानी की सप्लाई बाधित होने की जानकारी नगर पालिका को पहले से थी, तो उसी दिन से कॉलोनी में टैंकर क्यों नहीं भेजे गए ?, नगर पालिका की ओर से जारी सूचना में पानी की सप्लाई प्रभावित होने की जानकारी तो दे दी गई, लेकिन इस सूचना के साथ प्रभावित इलाकों के लिए वैकल्पिक जलापूर्ति की ठोस व्यवस्था कितनी की गई, इसका जवाब अब व्यवस्था को देना होगा। केवल सूचना जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेना पर्याप्त नहीं है। जब शहर के लोगों को पानी नहीं मिल रहा हो तो उनकी प्यास बुझाने की जिम्मेदारी भी उसी व्यवस्था की है जो जलापूर्ति संभाल रही है। इधर शहर के अन्य वार्डों से भी पानी को लेकर परेशानी सामने आने की जानकारी मिल रही है। चिंता की बात यह है कि सितंबर में बारिश का दौर जारी रहने के बावजूद शहरवासियों को पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। जब बरसात के मौसम में ही जलापूर्ति व्यवस्था लोगों की जरूरत पूरी नहीं कर पा रही है तो गर्मी के दिनों में स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। पीएम आवास कॉलोनी की घटना ने नगर पालिका की जल प्रबंधन व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम तकनीकी आवश्यकता हो सकता है, लेकिन उसके कारण नागरिकों को पानी के लिए तरसाना किसी भी स्थिति में सामान्य नहीं माना जा सकता। पहले से घोषित जलापूर्ति बाधित होने के बावजूद चार दिनों तक टैंकर नहीं पहुंचना और अंतत: फायर ब्रिगेड से पानी मंगाने की नौबत आना बताता है कि नगर पालिका ने समस्या आने से पहले उसकी तैयारी करने के बजाय समस्या पैदा होने के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति अपनाई।

मांगों पर नहीं बनी बात तो भूख हड़ताल पर उतरा मछुआ ढीमर समाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वंशानुगत मछुआ ढीमर समाज की विभिन्न मांगों को लेकर जनपद पंचायत के सामने चल रहा आंदोलन अब निर्णायक दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। कई दिनों से धरना देकर अपनी मांगों के निराकरण की आवाज उठा रहे समाज के सदस्यों ने 11 सितंबर से आंदोलन को क्रमिक भूख हड़ताल में बदल दिया है। समाज का कहना है कि लगातार मांग उठाने और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद ठोस पहल नहीं होने के कारण अब आंदोलन को अगले चरण में ले जाना पड़ा है।

धरना स्थल पर 11 सितंबर को करीब 16 समाजजनों ने बारी-बारी से भूख हड़ताल शुरू की। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर शासन-प्रशासन की ओर से ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक क्रमिक अनशन जारी रहेगा। समाज के सदस्यों का कहना है कि अब वे केवल धरने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि प्रशासन से अपनी मांगों और उनके समाधान को लेकर सीधे सवाल-जवाब करेंगे। समाज के आंदोलनकारी शेखर जायसवाल ने कहा कि उनकी मांगों को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से समाज में नाराजगी है। अब प्रशासन के सामने अपनी बात मजबूती से रखने के लिए क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि मांगों के निराकरण तक आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ी तो इसे आगे और व्यापक रूप दिया जाएगा। क्रमिक भूख हड़ताल में लिकेश उके, तिलक, धनीराम उके, अनुपचंद, फूलचंद महाले, परदेशी, रामलाल बागड़े, मंगल प्रसाद, अरविंद कोल्हे, सोहनलाल, बिहारी नारबोदे, प्रकाश कोल्हे, विदेश उके, रामप्रसाद मेश्राम, प्रताप नारबोदे और सोम्मारु नारबोदे सहित करीब 16 सदस्य शामिल रहे। समाज के सदस्यों ने कहा कि उनकी मांगों को अब और लंबित रखना स्वीकार नहीं किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने प्रशासन को संकेत दिया है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जनपद पंचायत के सामने शुरू हुआ धरना अब क्रमिक भूख हड़ताल तक पहुंच चुका है, जिससे आने वाले दिनों में प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच टकराव बढ़ने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

आज कु.आर्ना बोथरा 31 का पच्च्ख्यान लेगी

बालाघाट मे एक नया इतिहास मात्र 13 वर्ष की नन्ही बालिका

पदमेश न्यूज। बालाघाट। समरथ गच्छाधिपति परम पुज्य गुरूदेव 1008 श्री उत्तमचंदजी म.सा.एवं मालेगांव मे विराजित गुरूणी मैय्या श्री विमलकंवरजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी आनंदम सोसायटी निर्वाणा भवन में

विराजमान परमपुज्या श्री मुमुक्षाजी म.सा.ठाणा 4 की महती कृपा से सोसायटी मे तपस्याओ का ठाठ लगा हूआ है,अनेक छोटी बडी तपस्याये संपन्न हो चुकी है,छै मासक्षमण (अर्थात 1 महिने का) अभी तक हो चुके है,और आज सांतवा मासक्षमण का पच्चख्यान होगा। आज जो पच्चख्यान होने जा रहा है वो छोटी सी नन्ही सी गुडिया है नाम है कु. आर्ना सुपुत्री सुशील- प्रियंका बोथरा,की है उम्र मात्र 13 वर्ष एक महिने की कमाल कर दिया,,बालाघाट मे आज एक रिकार्ड ,एक इतिहास बनने जा रहा है,,जो ऐसी छोटी उम्र मे करना आसान नही है,आर्ना ने गजब की इच्छा शक्ति,एवं हिम्मत दिखाते हूये,एक साहसिक कार्य किया है, जैसे कि जानकारी मे यह जैन तपस्या केवल हल्का गर्म जल से किया जाता है, इसके पहले 2024 के चातुर्मास में परम पुज्या श्री वैभव श्रीजी म.सा. ठाणा 3 मे कु.मनन्या बाघरेचा ने 13 साल 8 महिने की उम्र मे मासक्षमण किया था। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष सतीश बाघरेचा एवं पूरी उनकी टीम एवं निर्वाणा संघ के सभी संस्थाओ ने इस साहसिक कार्य की अनुमोदना की,एवं कु.आर्ना के लिये दिर्घायु होने की मंगल कामना की उक्ताशय की जानकारी चातुर्मास समिति के सचिव सुशील बोथरा ने दी।

वन कर्मचारियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री को सौंपा ज्ञापन

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। पूर्व वन मंत्री एवं वर्तमान आदिम जाति कल्याण विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह के बालाघाट प्रवास के दौरान वन कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सर्किट हाउस में उनसे मुलाकात की। इस दौरान मध्य प्रदेश वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष श्रीराम घरते के नेतृत्व में कर्मचारियों ने मंत्री का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने बताया कि वन विभाग में वन राजस्व हानि की वसूली से जुड़ी व्यवस्था का असर वनरक्षक, वनपाल और उपवन क्षेत्रपाल की पदोन्नति पर पड़ रहा है। मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के उप नियम 10(2) में एक साल की प्रभावशीलता अवधि और नियम 11(6.2) के कारण कर्मचारियों की पदोन्नति प्रभावित हो रही है।संघ ने मंत्री से मांग की कि पदोन्नति नियम में दी गई एक वर्ष की प्रभावशीलता अवधि को समाप्त किया जाए, ताकि पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सके।बताया गया कि मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए 16 सितंबर को भोपाल में संघ के प्रदेश स्तर के कर्मचारी नेताओं के साथ बैठक करने और समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।इस अवसर पर कर्मचारी नेता सुनील मेश्राम, संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष सजल मस्की, संभागीय अध्यक्ष रोशन लाल पड़वार, जिला उपाध्यक्ष पवन पटले, जिला महासचिव नारायण सिंह टेकाम, जिला कोषाध्यक्ष संतोष मस्करे सहित वन संगठन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अनियमितताओं पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पांच मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित

शेड्यूल एवं नारकोटिक औषधियों के रिकॉर्ड में गड़बड़ी, एक्सपायरी दवाओं के पृथक संधारण और कोल्ड स्टोरेज में लापरवाही मिली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में दवा दुकानों के संचालन में नियमों की अनदेखी करने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों के विरुद्ध खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कार्रवाई की है। औषधि विक्रय संस्थानों के औचक निरीक्षण के दौरान सामने आई अनियमितताओं के आधार पर जिले की पांच मेडिकल दुकानों के औषधि लाइसेंस निर्धारित अवधि के लिए निलंबित किए गए हैं। वहीं एक मेडिकल स्टोर की नारकोटिक श्रेणी की औषधियों के क्रय-विक्रय की अनुमति भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है।

नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश भोपाल एवं कलेक्टर बालाघाट के निर्देशानुसार तथा पदेन उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में औषधि विक्रय संस्थानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में औषधि निरीक्षक द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में विभिन्न दुकानों पर औषधियों के क्रय-विक्रय एवं भंडारण से संबंधित अनियमितताएं सामने आईं।

रिकॉर्ड संधारण में मिली गड़बड़ी

निरीक्षण के दौरान शेड्यूल औषधियों तथा दुरुपयोग की संभावना वाली औषधियों के क्रय-विक्रय संबंधी दस्तावेजों का उचित मिलान एवं संधारण नहीं पाया गया। इसके अलावा अवसान तिथि समाप्त हो चुकी औषधियों का नियमानुसार पृथक संधारण नहीं किया जा रहा था। शीत-श्रृंखला (कोल्ड स्टोरेज) में रखी जाने वाली औषधियों का निर्धारित तापमान पर उचित तरीके से भंडारण नहीं किया जाना भी पाया गया। ऐसी औषधियों को मौके पर ही नियमानुसार नष्ट करवाया गया।

अनियमितताओं के संबंध में संबंधित फर्म संचालकों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर स्पष्टीकरण एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। संबंधित फर्मों द्वारा प्रस्तुत जवाब एवं दस्तावेज संतोषजनक नहीं पाए जाने पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी, जिला बालाघाट द्वारा नियमानुसार लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की गई।

इन पांच मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित

वैभव मेडिकल, लिंगा — 10 दिवस
हेल्थ केयर फार्मेसी, नवेगांव — 7 दिवस
उमा मेडिकल, गौली मोहल्ला, बालाघाट — 7 दिवस
नीलम एजेंसीज, बालाघाट — 5 दिवस
हरिओम फार्मेसी, लालबर्रा — 3 दिवस

इसके साथ ही उमा मेडिकल, गौली मोहल्ला बालाघाट को नारकोटिक श्रेणी की औषधियों के क्रय-विक्रय की अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है।

निलंबन अवधि में दवा बिक्री पूर्णतः अवैधानिक

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निलंबन आदेश प्रभावी होने के बाद संबंधित दुकानों द्वारा औषधियों का क्रय-विक्रय किया जाना पूर्णत: अवैधानिक माना जाएगा। ऐसा पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध प्रशासनिक एवं न्यायालयीन कार्रवाई की जा सकती है।

विभाग ने जिले के सभी दवा व्यापारियों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों का पालन करते हुए ही दुकान का संचालन करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

राणी सती दादी के मंगलपाठ में उमड़ा आस्था का सैलाब

अग्रसेन भवन में सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने की सामूहिक आराधना, भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भक्तिमय हुआ माहौल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के अग्रसेन भवन परिसर में राणी सती दादी का भव्य मंगलपाठ श्रद्धा, भक्ति और आस्था के साथ आयोजित किया गया। धार्मिक आयोजन में मारवाड़ी समाज की सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सामूहिक मंगलपाठ, भजन और धार्मिक गीतों के बीच महिलाओं ने राणी सती दादी की आराधना कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की।आयोजन स्थल पर सुबह से ही महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पारंपरिक परिधान में पहुंचीं महिलाओं की सहभागिता से अग्रसेन भवन परिसर में पूरे समय भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंगलपाठ के दौरान धार्मिक गीतों के साथ महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिसने आयोजन को और आकर्षक बना दिया।

भक्ति के साथ परंपरा और संस्कृति का संदेश

मंगलपाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से धार्मिक पाठ कर राणी सती दादी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।समाजजनों ने कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ समाज की परंपराओं और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी माध्यम हैं। सामूहिक आयोजन सामाजिक एकजुटता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संदेश भी देता है।

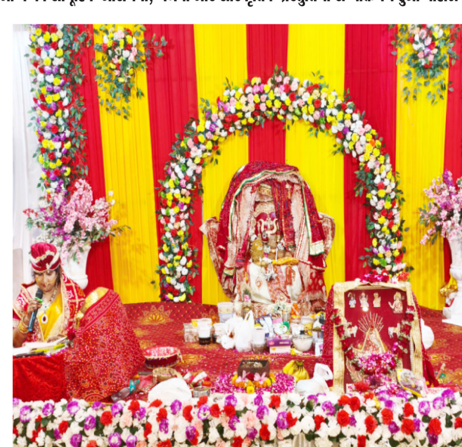

महाभारत काल से जुड़ी है परम्परा

बताया गया कि मारवाड़ी समाज में राणी सती दादी को विशेष श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। उन्हें नारायणी देवी दादी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, राणी सती दादी का संबंध महाभारत काल से जोड़ा जाता है। इसी आस्था और परंपरा के चलते देशभर में विभिन्न स्थानों पर उनके सम्मान में मंगलपाठ सहित धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन- हरिओम अग्रवाल

मंगलपाठ के समापन के बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। अग्रवाल समाज के प्रतिनिधि हरिओम अग्रवाल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज को धार्मिक परंपराओं से जोड़ना और राणी सती दादी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करना है। उन्होंने बताया कि मंगलपाठ के बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी। दिन विशेष पर सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए है।

आस-पास की खबरें

रटेगांव में 10 हजार ईनामी एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता 18 को

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के रानी दुर्गावती चौक में राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह बलिदान दिवस के अवसर पर आगामी 18 सितंबर को राजाशाह एवं रघुनाथ शाह मड़ावी बलिदान दिवस समारोह एवं 10 हजार रूपये ईनामी एक

दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 18 सितंबर को रटेगांव के रानी दुर्गावती चौक में राजा शंकरशाह एवं रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर पर एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 10,001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 6500 रूपये, तृतीय पुरस्कार 3100 रूपये, प्रवेश शुल्क 401 रूपये निर्धारित किया गया है। इस खेल आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल भावना से जोड़ना और अमर शहीदों के बलिदान को याद करना है। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सरपंच (ग्राम पंचायत रटेगांव) बालकृष्ण बिसेन, विशेष अतिथि के रूप में वर्तमान सरपंच श्रीमती वंदना बिसेन के अलावा उपसरपंच कुलदीप मर्सकोले, डेमनसिंह मर्सकोले, जैनसिंह उइके, झनक सलामे, श्रीचंद मरकाम, नरेन्द्र मर्सकोले, गोबनसिंह वाड़िवा, शिवाजी परते, चन्दन सलामे, धनराज सलामे, और अन्तलाल वरकड़े की उपस्थिति रहेगी। इस बलिदान दिवस एवं एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिलेभर के कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील लेखराम मर्सकोले, कुंदन मर्सकोले, रामसिंह मर्सकोले, शिवप्रसाद मर्सकोले, राजसिंह उइके, मनीराम भलावी, बाडूलाल परते, राजकुमार पन्द्रे, रविन्द्र धुर्वे, अनुपचंद उइके, तेजराज धुर्वे, मुकेश मड़ावी, रतेसिंह कोरचे, सुरेश मर्सकोले, सुन्दर मड़ावी, रमेश वट्टी, श्यामलाल पुसाम, ज्ञानसिंह परते, जयसिंह परते, उमेद परते, बस्ताराम तेकाम, मोहरलाल तेकाम, फागुलाल तेकाम, ईश्वरी परते, अमर परते, रूपचंद उइके, रवि मर्सकोले, रामचंद इनवाती, श्रीचंद इनवाती, सुरेन्द्र भलावी, उमेद भलावी, शुशांत भलावी, दशरथ मर्सकोले, ज्ञानसिंह धुर्वे, शिवप्रसाद सलामे, सुरेश उइके, सुकचरण उइके, रंजित मर्सकोले, तिलकचंद मर्सकोले, लिम्बाजी मर्सकोले, ज्ञानसिंह मर्सकोले सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

विधायक अनुभा मुंजारे का प्रयास रंग लाया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मिली एम्बुलेंस वाहन और बॉडी फ्रीजर की सौगात

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

बालाघाट-लालबर्रा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में शुक्रवार को आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अनुशंसा पर मॉयल भरवेली द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा को 24 घंटे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस वाहन के साथ ही एक बॉडी फ्रीजर प्रदान किया गया है। जिसका विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, सीएचएमओं डॉ. दाहिया, वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग समिति सभापति श्रीमती पूजा चौधरी, बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूजा अर्चना एवं रिबिन काटकर व हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस एवं बॉडी फ्रीजर की सेवा प्रारंभ की गई। वहीं अस्पताल में एम्बुलेंस नही होने पर पूर्व में इमरजेंसी में मरीजों को लाने, जिला चिकित्सालय छोड़ने में परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन विधायक श्रीमती मुंजारे के प्रयासों से मॉयल भरवेली के द्वारा एम्बुलेंस एवं बॉडी फ्रीजर प्रदान की गई है। लालबर्रा अस्पताल सहित क्षेत्र के लिए 4 बॉडी फ्रीजर की सौगात मिली है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लालबर्रा मनीराम भोयर, ब्लॉक कांग्रेस खमरिया अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले, विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि ,किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेंद्रसिंह पटले, शैलेश केकती, सुमित स्वामी, वरिष्ठ कांग्रेसी पदाधिकारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक एम्बुलेंस एवं अन्य संसाधनों से क्षेत्रीयजनों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं - अनुभा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होना सबसे बड़ी आवश्यकता है। दूरस्थ गांवों के मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में यह एम्बुलेंस अत्यंत उपयोगी सिध्द होगी तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य, दुर्घटना एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को त्वरित उपचार का लाभ मिलेगा। साथ ही मॉयल भरवेली का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित के ऐसे कार्य समाज और उद्योग के बीच सकारात्मक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। आगे कहा कि विधानसभा क्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत एक एम्बुलेंस वाहन तथा चार डेड बॉडी फ्रीजर लालबर्रा, पाथरी, मोहगांव (ध.) एवं हीरापुर ग्रामों को उपलब्ध करवाये गये है। इन संसाधनों से क्षेत्र के नागरिकों को सम्मानजनक एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। विशेष रूप से कंजई, जाम, छिंदलई, खमरिया, लालबर्रा, मोहगांव सहित आसपास के आदिवासी, ग्रामीण एवं दूरदराज के गांवों में रहने वाले हजारों लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही नई एम्बुलेंस के माध्यम से गंभीर मरीजों को शीघ्रता से जिला अस्पताल एवं आवश्यकता अनुसार उच्च चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाया जा सकेगा एवं यह लालबर्रा विकासखंड की स्वास्थ सुविधाएं के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे दूरस्थ अंचल के ग्रामों के लोग स्वास्थ सुविधाएं का लाभ उठा सकेंगे तथा जनहित को ध्यान में रखते हुए 4 बॉडी फ्रीजर भी उपलब्ध करवाये जायेगे। श्रीमती मुंजारे ने चिकित्सकों से भी कहा कि क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाये और चिकित्सकों की कमी पूरे प्रदेश में बनी हुई है यह गंभीर समस्या है। लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 8 पद चिकित्सकों के है लेकिन 4 चिकित्सक पदस्थ है, हमारे द्वारा पूरा प्रयास किया जा रहा है कि शेष चिकित्सक की नियुक्ति जल्द करे सरकार ताकि सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किया जायेगा - डॉ. दाहिया

वहीं मॉयल भरवेली के प्रतिनिधि श्री बनर्जी ने कहा कि कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों के लिए निरंतर प्रतिबध्द है तथा भविष्य में भी क्षेत्र के विकास में सहयोग जारी रहेगा। सीएचएमओं डॉ. दाहिया ने कहा किविधायक महोदया के द्वारा लालबर्रा में स्वास्थ्य को लेकर अच्छा कार्य किया गया है, इसी तरह समय-समय पर विधायक महोदय का सहयोग हमें मिलता रहे जिससे हम स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर कर सके यही हम अपेक्षा करते हैं। आगे कहा कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण कार्य जारी है। अन्य स्थान पर अस्थाई रूप से अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में जिस व्यवस्था के तहत कार्य किया जा रहा है, उसमें यदि कोई छोटी-मोटी कमियां रह जाती हैं, तो उन्हें विधायक महोदया एवं विभागीय स्तर से प्रयास कर जल्द पूरा किया जायेगा और क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किया जायेगा।

क्षेत्रभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मारबत का पर्व

गांव के सरहदी सीमा के बाहर मारबत (पूतना राक्षसी) के पुतले का किया गया दहन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में 11 सितंबर को मारबत (नारबोद) का पर्व अपार उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही ग्रामीण अंचलों में 'घेऊन जा री नारबोद, खासी-खोखला ले जा नारबोद' के जयघोष गूंजते रहे। युवाओं ने गांव की सरहदी सीमाओं के बाहर नारबोद (पूतना राक्षसी) के पुतलों का दहन कर ईश्वर से मानव जीवन में सुख-शांति और समृध्दि की प्रार्थना की। वहीं किसानों के द्वारा अपनी फसलों को कीट-बीमारी आदि से बचाने के लिए गड़ाड़ी नामक पौधे की टहनियां फसलों में गड़ाकर अच्छी फसल होने की कामना की गई। साथ ही छोटे-छोटे बच्चों में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। बच्चों ने घर-घर जाकर घेऊन जा रही नारबोद सहित पारंपरिक नारे लगाते हुए गराड़ी की टहनियां घरों में लगाकर उपहार के रूप में (बोजारा) रूपये मांगे। जिसके बदले में ग्रामीणों ने उन्हे रूपये देकर नारबोद पर्व की शुभकामनाएं दी। इसी तरह ग्राम पंचायत बबरिया के बबरियाटोला, घोटी में शुक्रवार की सुबह ग्रामीणजन एवं ग्राम के युवा ढोल-नगाड़े के साथ नारबोद के पुतले की शोभायात्रा निकालकर वैनगंगा नदी घाट में अपने-अपने घरों में बनाई बेड़ी को लेकर एकत्र हुए जहां धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ पूतना राक्षसी (मारबत) के पुतले का दहन किया गया।

बुराइयों और बीमारियों को भगाने की है प्राचीन परंपरा

आपकों बता दे कि होली, दशहरा और पोला पर्व किसान भाईयों का आकर्षित पर्व है चूंकि यह त्यौहार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ पर्व है। जिसमें किसान को कृषि क्षेत्र में कृषि करने के लिए बैलों की आवश्यकता होती है इसलिए पोला किसानों का मुख्य त्यौहार माना जाता है यानि की पोला और मारबत का पर्व सीधे तौर पर कृषि संस्कृति से जुड़ा हुआ है। पोला पर्व पर कृषि के मुख्य आधार बैलों का पूजन किया जाता है, जिसके ठीक दूसरे दिन नारबोद मनाने की परंपरा है। वहीं पोला पर्व के दूसरे दिन नारबोद मनाई गई। इस अवसर पर लोग गांव की सीमा सरहद के बाहर निकालकर नारबोद को जलाकर मानव जीवन के लिए सुख शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। ग्रामीणों की मान्यता है कि इस दिन गेड़ी और नारबोद को गांव की सीमा से बाहर ले जाकर जलाने से क्षेत्र की समस्त समस्याएं, नकारात्मकता, बीमारियां और बुराइयां गांव से बाहर चली जाती हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और युवा उपस्थित रहे।

बकोड़ा में धूमधाम से मनाया गया पोला-पाटन पर्व

सरपंच प्रतिनिधि, समाजसेवी श्रीराम नागेश्वर ने किसानों का गमछा भेंटकर किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बकोड़ा में पोला-पाटन का पर्व गुरूवार को पारम्परिक श्रध्दा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बसंत मसखरे के निवास से आरती निकालकर की गई। जिसके पश्चात् सभी किसान अपने-अपने बैलों को आकर्षक ढंग से सजाकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर पूजा स्थल पहुंचे। वहीं कृषि मंडी प्रांगण स्थित पूजा स्थल पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारम्परिक रूप से आम के पत्तों का तोरण बांधकर विशेष पूजा-अर्चना की गई।

इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि एवं समाजसेवी श्रीराम नागेश्वर ने उपस्थित सभी किसानों का तिलक-वंदन कर और उन्हें गमछा भेंटकर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया। तत्पश्चात् पारम्परिक रूप से झड़ती बोलकर बैलों को दौड़ाया गया। इस दौरान लोगों के द्वारा बैलों की पूजा कर पकवान का भोग लगाया गया। जिसके बाद एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर पोला पर्व की बधाई दी गई। इस अवसर पर केशव देशमुख, श्रीनिवास देशमुख, कन्हैया देशमुख,सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर, उपसरपंच श्रीनिवास कावरे, जोगलाल ठाकरे, धनीराम खैरवार, नरेन्द्र नागेश्वर, श्री बाहेश्वर, गिरजाशंकर मसखरे, हेमंत मसखरे, पूर्व उपसरपंच आशाराम पंचेश्वर, कांशीराम पंचेश्वर, राजकुमार बाहेश्वर, विनोद देशमुख, रजलाल बाहेश्वर, लक्ष्मीचंद पंचेश्वर, परदेशी दांदरे, रमेश नागेश्वर, जोगलाल कारसर्प, लिक्खन अटरे, हीरालाल ठाकरे, राजेन्द्र कावरे, अक्षय बाहेश्वर, पूनाराम बरले, मेहतर गोंदुड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रकृति और पशुधन के प्रति आभार का पर्व है पोला- श्रीराम

समाजसेवी, सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने पोला पर्व का महत्व बताते हुए बताया कि पोला का यह त्यौहार केवल बैलों की पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, कृषि संस्कृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। मनुष्य का जीवन पूरी तरह से पशुधन और प्रकृति पर निर्भर है। यह परंपरा ग्रामीण जीवन में श्रम, सहयोग और सामूहिकता का संदेश देती है। आगे बताया कि खेती-किसानी के भारी कार्यों से निवृत्त (कार्यों) से मुक्त होने के बाद किसान अपने बैलों को नहला-धुलाकर सजाता है, उनकी पूजा करता है और उन्हें घर में बने स्वादिष्ट पकवान खिलाता है। हमारी संस्कृति में बैलों को भगवान के तुल्य माना गया है और पोला का यह त्यौहार विशेष रूप से उनके योगदान का आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। श्री नागेश्वर ने बताया कि इस अवसर पर ग्राम के सभी वरिष्ठजन एवं ग्रामीणजन बसंत मसखरे के निवास पर एकत्रित हुए, जहां से आरती की थाल लेकर सभी मंडी प्रांगण पहुंचे। जहां बैलों की विशेष पूजा अर्चना कर झड़तियां बोलकर उन्हे दौड़ाया गया। साथ ही उपस्थित किसानों को गमछा भेंट कर सम्मान किया गया और सभी के जीवन में सुख, समृध्दि और खुशहाली बनाये रखने की कामना की।

बेलगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत बेलगांव के मंडई चौक में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रामीण कृषकों के द्वारा गुरूवार को पूर्व से चली आ रही परंपरानुसार पोला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कृषकों ने अपनी बैलजोड़ियों को विभिन्न रंगों से सजाया एवं मुख्य चौक में बैलजोड़ियों को एकत्रित किया गया, तोरन बांधी गई। इस दौरान ग्राम सरपंच अरविंद पंचेश्वर के द्वारा किसानों का तिलकवंदन कर पशुपालकों को गमछा भेंट किया गया। जिसके बाद बैलों के सिर पर कपारी बांधा तत्पश्चात झड़तियां बोली गई जिस पर कृषकों व उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा तालियां बजाते हुए अभिनंदन किया गया एवं बैलजोड़ियों को विपरीत दिशा में दौड़ाया गया। वहीं पोला-पाटन पर्व के दुसरे दिन शुक्रवार को नारबोद (मारबत) का पर्व मनाया गया। चर्चा में सरपंच अरविंद पंचेश्वर ने बताया कि यह पोला पर्व विशेष रूप से किसानों व उनके पशुओं का पर्व है, जो कृषि कार्य होने के बाद मनाया जाता है। साथ ही यह भी बताया कि पोला पर्व पर किसानों के द्वारा बैलों को सजाकर व्यंजन बनाकर उनकी पूजा अर्चना की जाती है क्योंकि बैलों की मदद से ही किसान अपने सभी तरह के कृषि कार्य करता है। इसलिए बैल के प्रति अपना प्रेम व सम्मान प्रकट करने एवं उनका आभार व्यक्त करने के लिए पोला का पर्व किसानों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाकर खुशियां मनाई जाती है। साथ ही पोला पाटन पर्व के अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर सरपंच अरविन्द पंचेश्वर, मोहनदास माने, मोतीलाल माने, यदुराम पंचेश्वर, गोकुल बाहेश्वर, बेनीराम माने, खेमन माने, तिलक सिंघई, बिसतेराम बाहेश्वर, नेमन लांझेवार, कुंजीलाल दाने, गोविन्दराम कोसरे, बाबूलाल, गिरधारी आमाडारे, उमेश ठाकरे, जोसीराम, कृष्णा सिंघई, मेहतर नेवारे, पंडा बाबा हुकूमचंद गाड़ेश्वर, अनिल सिंघई, अशोक पांचे, बंटी बाहेश्वर, अरविन्द बोरकर, देवदास बोरकर, इसनाजी शेंडे, ढीमर सिंघई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

आलेझरी में धूमधाम से मनाया पोला पर्व,किसानो का तिलक व दुपट्टा पहनाकर हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम आलेझरी में किसानों का प्रमुख पारंपरिक पर्व पोला त्यौहार बड़े ही उत्साह ,उमंग और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव के किसान

अपनी अपनी सजी धजी बैलों की जोड़ियों के साथ हाईस्कूल मैदान में पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। पोला पर्व की परंपरा के अनुसार देवाजी बागड़े के घर से विधि विधान एवं आरती के साथ बैलों की जोडियां निकाली गईं जो कार्यक्रम स्थल हाईस्कूल मैदान पहुंचीं। यहां ग्रामीणों और किसानों ने पारंपरिक तरीके से बैलों की पूजा अर्चना की तथा कृषि कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पशुधन के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान सरपंच सीमा जीतू राजपूत की ओर से जनपद सदस्य जीतू राजपूत द्वारा सभी किसानों का आत्मीय स्वागत किया गया। किसानों को दुपट्टा पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आयोजन में शामिल सभी किसानों को उत्साहवर्धन एवं सम्मान के प्रतीक के रूप में पुरस्कार स्वरूप हॉटपाट प्रदान किए गए। जनपद सदस्य जितू राजपुत ने बताया कि पोला पर्व ग्रामीण जीवन और कृषि संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन किसान अपने बैलों को विशेष रूप से सजाते हैं और उनकी पूजा करते हुए कृषि कार्यों में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हैं। ग्राम आलेझरी में भी इस पारंपरिक पर्व के दौरान ग्रामीण संस्कृति और आपसी भाईचारे की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ नागरिक, किसान, युवा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। हाईस्कूल मैदान में किसानों और उनकी सजी हुई बैलों की जोडियों की मौजूदगी से पूरे माहौल में उत्सव का रंग दिखाई दिया। ग्रामीणों ने एक दूसरे को पोला पर्व की शुभकामनाएं दीं और परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पोला पर्व की शाम विवाद में अधेड़ की मौत

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव बैजू में पोला पर्व की शाम आपसी विवाद के दौरान एक अधेड़ व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान करीब 50 वर्षीय ओमप्रकाश बनोटे के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने 27 वर्षीय अंकित मेश्राम को मुख्य आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103,1 और 296 बी के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका और विवाद के वास्तविक कारणों की भी जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश बनोटे खेती किसानी का काम करते थे। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले कन्हैया विसर्जन के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। इसके बाद एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया गया था। इसी पुराने मामले में परिवार के कुछ सदस्यों के नाम रिपोर्ट में आने को लेकर 10 सितंबर की शाम करीब 7.30 बजे ओमप्रकाश बनोटे गांव के विठ्ठल रुक्माई चौक के पास पहुंचे थे। इसी दौरान अंकित मेश्राम से बातचीत के दौरान विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अंकित ने गाली गलौज करते हुए वाहन से लोहे की वस्तु निकाली और ओमप्रकाश के सिर व छाती पर हमला कर दिया। शाम करीब 7.44 बजे अंकित मेश्राम ने ओमप्रकाश के बेटे को फोन कर बताया कि उसकी और उसके पिता की लड़ाई हो गई है तथा वह अपने पिता को समझा ले। इसके करीब 15 मिनट बाद ओमप्रकाश घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को चौक के पास अंकित मेश्राम के साथ हुए विवाद और कथित मारपीट की जानकारी दी। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। उनके माथे से खून निकल रहा था और वह बार बार अपना सीना दबा रहे थे। परिजनों ने तत्काल 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और ओमप्रकाश को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल खैरलांजी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरोपी भी शिकायत लेकर पहुंचा थाने

घटना के बाद अंकित मेश्राम अपने परिजनों के साथ खैरलांजी थाना पहुंचा। वहां मृतक पक्ष के द्वारा कथित रूप से गाली गलौज किए जाने की शिकायत करने। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि विवाद में घायल हुए ओमप्रकाश बनोटे की अस्पताल में मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने अंकित मेश्राम सहित कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103,1और 296 बी के तहत अंकित पिता राजेश मेश्राम उम्र करीब 27 वर्ष निवासी मोहगांव बैजू को गिरफ्तार किया गया। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के फ्रीजर में रखवाया। शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मेरे पिता और अंकित मेश्राम का विवाद हुआ था-मुकुल बनोटे

मुकुल बनोटे ने बताया कि मृतक मेरे पिता है पोले में जोड़ी लेकर गया था पीछे पिताजी आए फिर कार्यक्रम होने पर हम घर आ गए। मवेशियों को मैं बांध रहा था तभी अंकित का फोन आया कि तेरे पिता के साथ मेरी मारपीट हो गई मैं थाने जा रहा हूं तो मैंने उसे समझौते की बात कही। फोन काटते ही घर पर मेरे पिताजी आए तो उन्होंने बताया कि करीब तीन लोग थे उसमें अंकित मेश्राम का नाम बताते हुए कहा कि मुझे बहुत मारा उनके सर और सीने में मारा था।

खैरलांजी पुलिस सही कार्यवाही नही करती है-दिनेश दमाहे

दिनेश दमाहे ने बताया कि मृतक मेरा बहनोई है मेरे को 7.30 बजे बहन का फोन आया कि अंकित मेश्राम के साथ मेरे बहनोई की मारपीट हो गई है वह थाने जाने बोल रहे हैं। हमने कहा आते हैं देखते हैं और फिर 10 मिनट में फोन आया कि बहनोई बेहोश हो गया है अस्पताल लेकर गए। वहां डेढ़ घंटे तक कोई डॉक्टर देखने नहीं आया सांस चल रही थी जान बच सकती थी डॉक्टर पाल ने आकर देखा मृत घोषित कर दिया। ड्यूटी पर चौरे डॉक्टर था हमारी मांग है कि आरोपी और डॉक्टर सभी पर कार्यवाही हो। थाने में जब रिपोर्ट के लिए गए थे मेजर कहता है फोटो डालो हम नहीं आ सकते फिर बाद में हम वापस आकर भांजे को भेज तो उसे भगा दिया और फिर एफआईआर किया है।

इनका कहना है

मोहगांव बैजू में कुछ पुरानी रंजिश के चलते विवाद हुआ था। विवाद के दौरान लोहे की वस्तु से हमला किए जाने से एक व्यक्ति की मौत होने की बात सामने आई है। फिलहाल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और मामले की विवेचना जारी है। विवेचना पूरी होने के बाद ही मामले के वास्तविक कारणों के संबंध में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा।

शंशाक राणा
थाना प्रभारी खैरलांजी

महकेपार में विधायक गौरव सिंह पारधी ने बैलों की पूजा कर बढ़ाया किसानों का उत्साह

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । कृषि प्रधान ग्रामीण अंचलों में किसानों और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने

वाला पारंपरिक पोला पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कटंगी क्षेत्र के ग्राम महकेपार में भी ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ पोला पर्व मनाया। कार्यक्रम में कटंगी खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी उपस्थित रहे और ग्रामीणों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। पोला पर्व के अवसर पर ग्रामीणों ने अपने बैलों को स्नान कराकर आकर्षक ढंग से सजाया तथा विधि विधान से पूजा अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कृषि कार्यों में बैलों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए यह पर्व किसानों और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की ग्रामीण परंपरा को दर्शाता है। पूजा अर्चना के बाद सजे धजे बैलों की पारंपरिक दौड़ आयोजित की गई। बैलों की दौड़ देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। दौड़ के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। ब'चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने पारंपरिक आयोजन का आनंद लिया। ढोल नगाड़ों और उत्सवी माहौल के बीच पूरा गांव पोला पर्व के रंग में रंगा नजर आया।

विधायक गौरव सिंह पारधी ने किसानों और बच्चों को दिए उपहार

पोला पर्व के अवसर पर ग्राम महकेपार पहुंचे विधायक गौरव सिंह पारधी ने परंपरागत रीति रिवाज के साथ बैलों का तिलक वंदन कर पूजा.अर्चना की। उन्होंने कृषकों का तिलक लगाकर पोला पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा कि किसानों और पशुधन के सम्मान से जुड़ी यह परंपरा हमारी ग्रामीण संस्कृति की पहचान है। इस अवसर पर विधायक ने ग्राम के कृषकों एवं बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साह बढ़ाया। विधायक के इस आत्मीय सहभागिता से ग्रामीणों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने ग्रामीणों को पोला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर योगेश सोनवाने,प्रकाश सोनवाने,युवचंद सोनवाने, अनिल पंवार,महेश धुर्वे,धनपाल पांचभाई, विनोद पंचभाई,मोरेश्वर वाघमारे,खेलचंद सोनवाने सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गाँधी चौक में मनाया गया तान्हा पोला, 150 नौनिहालों ने की शिरकत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर 10 स्थित गांधी चौक में शुक्रवार को तान्हा पोला का आयोजन किया गया। जिसमें वारासिवनी नगर के इतिहास में पांचवी बार प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए तान्हा पोला का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों बच्चो ने अपने लकड़ी के बने नंदी के साथ उपस्थिति दर्ज कराई। जहां नौनिहालों की नदी के साथ भीड़ लगी रही इस दौरान विभिन्न आकृति और रंगों में बने नंदी को देखने के लिए लोगों की भी उपस्थिति रही । वहीं कुछ नौनीहालों के द्वारा किसानो एवं भगवान कृष्ण की वेशभूषा भी धारण कर उपस्थिति दर्ज कराई गई जहां हर्षउल्लास के साथ तान्हा पोला पर्व मनाया गया। इस अवसर पर गांधी चौक मित्र मंडल सहित बड़ी संख्या में नगर वासी मौजूद रहे।

बच्चों में दिखा उत्साह

नगर के विभिन्न स्थानों से नन्हे मुन्ने बच्चे गांधी चौक में एकत्रित हुए जहां पर नगर वासियों के द्वारा बच्चे एवं उनके नंदी को तिलक लगाकर भेंट स्वरूप चॉकलेट, कुरकुरे, पेन पेंसिल, गमछा, टोपी व अन्य चीजों का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर वासियों ने उपस्थिति दर्ज करवाकर कार्यक्रम को सफल बनाया और उक्त कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया। बच्चो के द्वारा तरह तरह के वेशभूषा में अपने नंदी देव को सजा कर वह अन्य साज सज्जा कर लेकर उपस्थित हुये। जिसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान कर तोरण तोडकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

नंदी रहे आकर्षण का केंद्र

इस प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र नन्हे मुन्ने नौनिहालों के द्वारा लाये गए छोटे बड़े नंदी को विभिन्न रंगों व वस्तुओं से आकर्षक रूप से सजाया गया था। जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर ध्यान खींच रहे थे जो प्रमुख रूप से आकर्षण का केंद्र है। वहीं नन्हे मुन्ने बच्चे भी धोती कुर्ता पैजामा सहित किसानो की वेशभूषा के रूप में कंधे पर गमछा डालें काफी सुंदर प्रतीत हो रहे थे। जहां कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के द्वारा सभी की जमकर सराहना की गई।

तान्हा पोला की परम्परा को जिन्दा रखने का प्रयास किया जा रहा है- संदीप मिश्रा

पार्षद संदीप मिश्रा ने बताया कि नगर में बच्चों के उत्साह को देखते हुए पांचवीं बार तान्हा पोला का आयोजन किया गया है। जिसमें बहुत अधिक बच्चों ने अपने लकड़ी के नंदी को सॉज सज्जा कर लाया है। जिनकी उपस्थित जनों के द्वारा पूजा अर्चना कर स्वेच्छा अनुरूप पुरस्कार का वितरण किया गया। सभी लकड़ी के नदियों की पूजा अर्चन की गई। यह हमारी बहुत पुरानी परंपरा है जो कहीं गुम हो गई थी जिसे पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। यह मुख्यत: महाराष्ट्र की संस्कृति है और निश्चित ही आने वाले वर्ष में भव्य रूप से इसका आयोजन किया जायेगा। तान्हा पोला कार्यकम को आगामी समय में और अधिक भव्यता प्रदान की जायेगी।

मंगेझरी के कालागोटा में 3 वर्ष बाद भी आंगनवाड़ी भवन अधूरा ग्रामीण परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी का कालागोटा टोला इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। यहाँ के नौनिहाल बुनियादी प्रारंभिक शिक्षा और पोषण लाभ से पूरी तरह वंचित नजर आ रहे हैं। इसका मुख्य कारण गांव में आंगनबाड़ी भवन का निर्माण बीते तीन वर्षों से अधूरा पड़ा होना है। जिन्हें 3 किलोमीटर की दूरी तय कर जयराम टोला जाना पड़ रहा है जहां बारिश के कारण मार्ग की स्थिति बहुत 'यादा खराब है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा जल्द निर्माण पूर्ण करने की मांग की जा रही है।

जयराम टोला रास्ते में नहर और जंगल हैं परेशानी

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालागोटा में पहले किराये के मकान में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होता था जिसे विभाग द्वारा 3 किलोमीटर दूर जयराम टोला स्थानांतरित कर दिया गया। वर्तमान में कालागोटा के बच्चों का नाम कागजों में तो आंगनबाड़ी में दर्ज है,लेकिन रास्ते में उफनती नहर और जंगल होने के कारण ग्रामीण अपने छोटे.छोटे मासूमों को अकेले भेजने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। हालांकि अभी बारिश का मौसम होने से स्थिति और 'यादा खराब हो गई है। जिससे नौनिहालों को अपने घरों में ही रहना पड़ रहा है। कालागोटा में लगभग आधा सैकड़ा परिवार निवास करते हैं जो मुख्य रूप से मजदूर वर्ग से आते हैं। प्रतिदिन मजदूरी पर जाने के कारण अभिभावक बच्चों को रोज 3 किमी दूर आंगनबाड़ी लाने.ले जाने में असमर्थ हैं। ग्रामीण महीने में केवल एक या दो बार अपनी दिहाड़ी मजदूरी छोड़कर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य जांच या टीकाकरण के लिए जयराम टोला ले जा पाते हैं। कालागोटा के लिए अलग आंगनबाड़ी भवन की स्वीकृति दी गई थी और निर्माण कार्य शुरू भी हुआ । लेकिन पिछले तीन वर्षों से काम चालू हैं भवन में खिड़की, दरवाजे सहित कई महत्वपूर्ण कार्य अधूरे हैं। स्थिति यह है कि कई परिजनों ने ब'चों की उम्र 3 वर्ष होते ही उनका दाखिला सीधे प्राथमिक स्कूलों में करा दिया है। आंगनबाड़ी का निर्माण पूर्ण नही होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा शासन प्रशासन से अधूरे पड़े आंगनबाड़ी भवन का

निर्माण अति शीघ्र पूर्ण करने मांग की जा रही हैं ताकि गांव में नियमित शिक्षा और पोषण आहार मिल सके।

आंगनवाड़ी नही बनने से नौनिहाल हो रहे परेशान- इंद्रकला भरने

ग्रामीण इंद्रकला भरने ने बताया कि हमारे घर के पास ही आंगनवाड़ी का निर्माण कार्य हो रहा है जहां अभी आंगनबाड़ी पूरी तरह बनी नहीं है। यहां के सभी बच्चे जयराम टोला वाली आंगनवाड़ी में दर्ज है जिसकी दूरी हमारे यहां से 3 किलोमीटर होती है। वहीं पर सभी बच्चों को जाना होता है यह जो आंगनवाड़ी का निर्माण चल रहा है वह 3 वर्ष से हो रहा है परंतु अभी भी पूरा नहीं हुआ है। जयराम टोला जाने के लिए नहर का रास्ता है किनारे जाना होता है रोड खराब है डर लगा रहता है यदि हमारे यहां आंगनबाड़ी चालू हो जाएगी तो सभी को सुविधा होगी।

तीन वर्षो से बन रही आंगनवाडी अभी तक पूर्ण नही हुई है-हरिलाल उइके

ग्रामीण हरिलाल उइके ने बताया कि करीब 3 वर्षों से हमारे यहां आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण हो रहा है जो अभी भी अधूरा पड़ा हुआ है। बच्चों को आंगनबाड़ी लाने और ले जाने में सबसे बड़ी समस्या रास्ते की है नहर किनारे जाना होता है जंगल रास्ते में है बहुत दिक्कत आने जाने में जाती है। अभी बारिश है तो बच्चे घर पर ही रहते हैं यह जयराम टोले में अभी दर्ज है वह बहुत दूर पड़ता है अकेले भेजने में हमें डर लगता है साथ जा नहीं सकते क्योंकि सभी मजदूर है। यदि हमारे यहां आंगनबाड़ी बन जाती है तो यह दिक्कत खत्म होगी। इसके लिए ग्राम के लोगों के द्वारा कई बार अधिकारियों को बोला गया है पर आज तक कोई निराकरण नहीं हुआ जबकि इस विषय पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

पर्युषण आत्मशुद्धि और अनासक्ति की साधना का पर्व

पर्युषण जैन धर्म का ऐसा आध्यात्मिक पर्व है, जो मनुष्य को बाहरी आडम्बर से हटाकर अपने भीतर झांकने की प्रेरणा देता है। यह पर्व केवल पूजा, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिरीक्षण, संयम, त्याग, तप, क्षमा और मन की शुद्धि का अवसर है। पर्युषण के दिनों में व्यक्ति अपने जीवन को निकट से देखता है और यह समझने का प्रयास करता है कि उसके भीतर क्रोध, मान, माया, लोभ, आसक्ति और अहंकार जैसी कौन-कौन सी विकृतियां जड़ जमा चुकी हैं। आत्मा की ओर लौटने की यही प्रक्रिया पर्युषण की वास्तविक साधना है। पर्युषण की आराधना में जीवन को हल्का, सरल, शांत और पवित्र बनाने का संदेश मिलता है। संसार में रहते हुए संसार के प्रति आसक्ति कम करना इसका मूल भाव है। मनुष्य परिवार, धन, पद और सुविधाओं के बीच रहते हुए भी यदि इनके प्रति ममता और मेरा-पन को सीमित कर सके तो जीवन का भार कम हो सकता है। संसार छोड़ना ही त्याग नहीं है, बल्कि संसार की वस्तुओं के बीच रहते हुए उनके प्रति अनावश्यक आसक्ति छोड़ देना भी त्याग की महत्वपूर्ण साधना है। जिस वस्तु के साथ हमारा ममत्व नहीं जुड़ा, वह वस्तु हमारे मन पर भार नहीं बन सकती। इसी भाव को लघुता कहा गया है। जीवन की यात्रा में सामान जितना कम होगा, यात्रा उतनी ही सहज होगी। यही बात मन पर भी लागू होती है। ममता, चिंता, इच्छाओं और अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ मनुष्य को भीतर से भारी बना देता है। मन जितना भारमुक्त होगा, आत्मिक यात्रा उतनी ही सरल होगी। संसार में रहकर भी अनासक्त रहने का भाव हमें यह सिखाता है कि वस्तुओं का उपयोग करें, लेकिन वस्तुओं को अपने मन का स्वामी न बनने दें। भरत चक्रवर्ती का उदाहरण इसी अनासक्ति की प्रेरणा देता है कि अपार वैभव के बीच रहते हुए भी मन योगी की तरह निर्लिप्त रह सकता है। पर्युषण का एक महत्वपूर्ण संदेश विरति अर्थात् त्याग है। व्रत और प्रत्याख्यान इसी त्याग भावना को मजबूत करते हैं। त्याग केवल किसी वस्तु का बाहरी रूप से परित्याग कर देना नहीं है। वास्तविक त्याग तब है, जब उस वस्तु के प्रति मन की लालसा और आसक्ति भी कम हो जाए। यदि वस्तु सामने न होने पर भी मन उसी के लिए बेचैन रहे तो बाहरी त्याग अधूरा है। इसलिए पर्युषण हमें अपने भीतर की इच्छाओं को पहचानने और उन पर संयम स्थापित करने की प्रेरणा देता है। इसके साथ उपशम की साधना भी आवश्यक है। क्रोध, द्वेष और कषायों से संतप्त मन में धर्म का बीज आसानी से अंकुरित नहीं होता। जैसे गर्म भूमि में बोया गया बीज पनप नहीं पाता, वैसे ही अशांत और क्रोध से भरे हृदय में उपदेश का प्रभाव स्थायी नहीं होता। पर्युषण के दिनों में शास्त्रों का वाचन, प्रवचन और धार्मिक आयोजन तभी सार्थक होंगे, जब उनका प्रभाव मन की शांति और व्यवहार की मधुरता में दिखाई दे। उपशम का अर्थ है भीतर की उथल-पुथल को शांत करना और क्षमा की भावना को विकसित करना। निर्वाण का भाव भी इसी आंतरिक शांति से जुड़ा है। जिस प्रकार हवा के तेज झोंकों में दीपक की लौ स्थिर नहीं रह सकती, उसी प्रकार मन में आसक्ति, लालसा और कामनाओं का तूफान हो तो ज्ञान की ज्योति स्थिर नहीं रह सकती। मन को चंचलता से मुक्त करना और उसे वैराग्य की दिशा में ले जाना आवश्यक है। भोगों के बीच रहते हुए भी उनके प्रति अनासक्त रहने की साधना मनुष्य को भीतर से स्वतंत्र बनाती है। पक्षी और बंदर का उदाहरण इस भाव को सरलता से समझाता है।

102 डॉलर पार करता कच्चा तेल आगे 120 डॉलर का खतरा? और अमेरिकी मध्यावधि चुनाव

क्या तेल अब भू-राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है?-समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच फिर तेज हुआ सैन्य टकराव अब केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है,बल्कि इसके प्रभाव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा,समुद्री व्यापार, महंगाई,शेयर बाजार और अमेरिकी राजनीति तक को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है।10 सितंबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेन्ट कच्चा तेल लगभग 102.59 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है।यह जुलाई के बाद पहली बार 100 डॉलर के पार जाने की स्थिति है।सवाल अब यह है कि क्या दुनियाँ 1970 के दशक जैसे किसी नए बड़े तेल संकट की ओर बढ़ रही है? उधर ट्रंप की हुंकार,सुनाई दे रही है के नवंबर चुनाव के बाद युद्ध खत्म हो जाएगा, इस पूरे संकट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीति भी महत्वपूर्ण हो गई है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह जानकारी देना चाहूंगा कि संभावत: 3 नवंबर 2026 अमेरिका में मध्यवर्ती चुनाव होने वाले हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि के मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद ईरान युद्ध समाप्त हो जाएगा।उनका आरोप है कि तेहरान जानबूझकर संघर्ष को चुनाव तक खींचना चाहता हैताकि अमेरिका में ईंधन की ऊंची कीमतें बनी रहें, महंगाई बढ़े और रिपब्लिकन पार्टी को राजनीतिक नुकसान हो।ट्रंप का दावा है कि ईरान एक ऐसी अमेरिकी सरकार चाहता है जो कमजोर हो और उसके परमाणु कार्यक्रम को रोकने में सक्षम न हो।ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि युद्ध खत्म होते ही तेल और गैस की कीमतें तेजी से नीचे आ सकती हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा है कि चुनाव के बाद तेल की कीमतें नीचे गिरेंगी और अमेरिकी गैसोलीन कीमत 2 डॉलर प्रति गैलन से नीचे जा सकती है। लेकिन यह राजनीतिक दावा है, बाजार की निश्चित भविष्यवाणी नहीं। साथियों बात अगर हम चुनाव और तेल,क्या दोनों का सीधा कनेक्शन है? इसको समझने की करें तो,अमेरिकी मध्यावधि चुनाव अब ट्रंप के लिए केवल कांग्रेस का चुनाव नहीं रह गया है। महंगाई, पेट्रोल-डीजल की कीमत और ईरान युद्ध मतदाताओं के रोजमर्रा के आर्थिक अनुभव को प्रभावित कर रहे हैं। इसलिए ट्रंप युद्ध को राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ नेतृत्व और राजनीतिक क्षमता के प्रश्न के रूप में भी प्रस्तुत कर रहे हैं,यानी संदेश यह कि ईरान के सामने मजबूती से खड़ा होने वाला नेता कौन है? लेकिन दूसरी तरफ यही रणनीति जोखिम भी पैदा करती है।यदि युद्ध लंबा खिंचता है तेल 102 डॉलर से ऊपर बना रहता है और अमेरिकी परिवारों को पेट्रोल, परिवहन और खाद्य पदार्थों की महंगाई झेलनी पड़ती है, तो युद्ध की राजनीतिक कीमत रिपब्लिकन पार्टी को चुकानी पड़ सकती है।ट्रंप की लोकप्रियता में कमजोरी और कुछ रिपब्लिकन उम्मीदवारों का उनसे दूरी बनाए रखना इसी राजनीतिक चिंता का सटीकता से संकेत माना जा रहा है। साथियों बात अगर हम होर्मुज में बढ़ता खतरा,तेल की दुनियाँ की सबसे संवेदनशील नस पर दबाव को समझने की करें तो, इस संकट का सबसे खतरनाक केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य है। दुनियाँ के लगभग पांचवें हिस्से के तेल और गैस व्यापार से जुड़ा यह समुद्री मार्ग यदि लंबे समय तक बाधित होता है तो इसका असर केवल अमेरिका या ईरान पर नहीं,बल्कि एशिया,यूरोप और भारत समेत पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।हालिया घटनाक्रम में अमेरिका ने पांच ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों को नष्ट करने की घोषणा की,जबकि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया कि उसने जवाब में दो अमेरिकी जहाजों और आठ तेल टैंकरों समेत 10 जहाजों को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिकी पक्ष ने अमेरिकी जहाजों पर हमले के ईरानी दावे से इनकार किया है, इसलिए इन दावों को सावधानी से देखा जाना चाहिए।स्थिति को और गंभीर बनाते हुए ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चाबहार से आगे ओमान की खाड़ी और अरब सागर के कुछ हिस्सों तक प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र बनाने की बात कही है। ईरान का कहना है कि इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले जहाजों पर कार्रवाई या प्रतिबंध लगाया जा सकता है। यदि ऐसा क्षेत्र व्यावहारिक रूप से लागू होता है तो समुद्री बीमा, जहाजों की आवाजाही और माल ढुलाई की लागत पर सटीकता से भारी दबाव पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम,क्या यह एक और बड़ा तेल संकट बन सकता है? इसको समझने की करें तो,सबसे बड़ा खतरा केवल तेल की कीमत बढ़ना नहीं है, बल्कि तेल की वास्तविक आपूर्ति में व्यवधान है। यदि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की संख्या लंबे समय तक कम रहती है, टैंकरों को वैकल्पिक और लंबे मार्ग अपनाने पड़ते हैं तथा बीमा कंपनियां युद्ध-जोखिम प्रीमियम बढ़ाती हैं, तो प्रति बैरल कीमत में केवल युद्ध का जोखिम नहीं बल्कि परिवहन और आपूर्ति की अतिरिक्त लागत भी जुड़ जाती है।यही वजह है कि बाजार 102 डॉलर के स्तर को केवल एक मनोवैज्ञानिक सीमा के रूप में नहीं देख रहा। कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि समुद्री मार्ग और ऊर्जा अवसंरचना पर हमले जारी रहे तो कीमत 120 डॉलर या उससे भी ऊपर जा सकती है।दूसरी ओर, युद्धविराम और होर्मुज में सामान्य जहाजरानी बहाल होने पर जोखिम प्रीमियम सटीकता से तेजी से घट सकता है। साथियों बात अगर हम 5,000 डॉलर का ट्रम्प डिविडेंड चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक दांव, इसको समझने की करें तो,इसी राजनीतिक माहौल में डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने एक और बड़ा चुनावी वादा किया। उन्होंने कहा कि यदि रिपब्लिकन पार्टी नवंबर में प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर नियंत्रण बनाए रखती है तो हर अमेरिकी वयस्क नागरिक को 5,000 डॉलर का ट्रम्प डिविडेंड दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस धन को अमेरिका के भीतर खर्च करना होगा।लेकिन इसके सामने सबसे बड़ा प्रश्न है,पैसा आएगा कहां से? अभी योजना का पूरा वित्तीय ढांचा स्पष्ट नहीं किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार सभी वयस्कों को 5,000 डॉलर देने की लागत 1 ट्रिलियन डॉलर से काफी अधिक हो सकती है;एक अनुमान इसे लगभग 1.35 ट्रिलियन डॉलर तक रखता है। इसे लागू करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी भी आवश्यक होगी। आलोचकों का कहना है कि इतना बड़ा खर्च पहले से भारी बजट घाटे और लगभग 40 ट्रिलियन डॉलर के राष्ट्रीय ऋण पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है तथा महंगाई को सटीकता से बढ़ा सकता है। साथियों बात अगर हम ट्रम्प एकाउंट्स क्या हैं,और क्या ये 5,000 डॉलर वाले वादे से क्या अलग हैं? इसको समझने की करें तो,यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। ट्रम्प एकाउंट्स और नया 5,000 डॉलर वाला ट्रम्प डिविडेंड एक ही योजना नहीं हैं। ट्रम्प एकाउंट्स बच्चों के लिए बनाए गए कर-लाभ वाले निवेश खाते हैं। पात्र बच्चों के लिए अमेरिकी ट्रेजरी की ओर से एक बार 1,000 डॉलर का योगदान किया जाता है और परिवार अतिरिक्त धन जमा कर सकते हैं; सामान्य योगदान की वार्षिक सीमा 5,000 डॉलर है। यह पैसा बच्चे के नाम निवेश खाते में बढ़ता है और 18 वर्ष की उम्र के बाद उसके उपयोग के नियम लागू होते हैं।इसके विपरीत नया 5,000 डॉलर ट्रम्प डिविडेंड चुनाव जीतने की स्थिति से जुड़ा वयस्क नागरिकों के लिए प्रस्तावित भुगतान है। इसलिए दोनों योजनाओं को मिलाना सही नहीं होगा। साथियों बात अगर हम दुनिया के लिए असली खतरा,तेल से आगे की महंगाई को समझने की करें तो, तेल 100 डॉलर के पार जाने का अर्थ केवल पेट्रोल महंगा होना नहीं है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से डीजल, विमान ईंधन,समुद्री परिवहन, औद्योगिक उत्पादन, उर्वरक, प्लास्टिक और अंतत: रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। पहले से ऊंची महंगाई वाले देशों के लिए यह नया झटका केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में कटौती से रोक सकता है।यही कारण है कि होर्मुज का संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए इतना महत्वपूर्ण है। एक ओर युद्ध समाप्त होने पर जोखिम प्रीमियम तेजी से घट सकता है और तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है; दूसरी ओर यदि संघर्ष लंबा चलता है, जहाजों पर हमले बढ़ते हैं और वैकल्पिक समुद्री मार्ग भी खतरे में आते हैं तो 100 डॉलर अब ऊपरी सीमा नहीं, बल्कि नई सामान्य कीमत का सटीकता से शुरुआती बिंदु बन सकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या दुनियाँ एक नए तेल संकट के मुहाने पर है? फिलहाल इसे पूर्ण वैश्विक तेल संकट कहना जल्दबाजी होगी,लेकिन तेल संकट की सभी महत्वपूर्ण चेतावनियां दिखाई देने लगी हैं 102 डॉलर से ऊपर ब्रेन्ट,होर्मुज में सैन्य तनाव,टैंकरों पर हमले,समुद्री बीमा का जोखिम,वैकल्पिक शिपिंग मार्गों पर दबाव और मध्य-पूर्व के अन्य समुद्री चौकेपॉइंट्स तक फैलता संघर्ष।सबसे निर्णायक सवाल अब यह नहीं है कि तेल 102 डॉलर पार करेगा या नहीं,वह पार कर चुका है। असली सवाल यह है कि क्या 102 डॉलर अस्थायी युद्ध-जोखिम की कीमत है या एक लंबे वैश्विक ऊर्जा संकट की शुरुआत? यदि नवंबर के अमेरिकी चुनाव के बाद युद्ध वास्तव में समाप्त होता है और होर्मुज सामान्य होता है, तो तेल में तेज गिरावट संभव है। लेकिन यदि युद्ध जारी रहता है, तो 120 डॉलर की संभावना से लेकर उससे भी ऊंचे स्तरों तक बाजार का जोखिम खुला रहेगा।इसलिए आने वाले सप्ताह केवल अमेरिका और ईरान के लिए नहीं, बल्कि भारत, चीन, यूरोप और पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनने वाले हैं। होर्मुज में एक जहाज पर हमला अब केवल एक जहाज की घटना नहीं,वह दुनियाँ भर में पेट्रोल,डीजल, महंगाई और आर्थिक विकास की कीमत तय करने वाली घटना बन सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

बिहार में बाढ़ की बड़ी चुनौती के बीच राहत का सहारा

-कांतिलाल मांडोत

नदियों के उफान से लाखों प्रभावित, प्रशासन ने भोजन से लेकर नाव और चिकित्सा तक बढ़ाई व्यवस्था

बिहार इस समय बाढ़ की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। राज्य की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी और गंडक के जलस्तर ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया है। 14 जिलों के 82 से अधिक प्रखंडों और सैकड़ों ग्राम पंचायतों में लाखों लोग बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कहीं गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। खेतों में पानी भरने से खेती प्रभावित हुई है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ के पानी के बीच प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवागमन की सुविधा पहुंचाना है। बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के करीब 40 लाख से अधिक लोग इसके प्रभाव में बताए जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जैसे जिलों में बाढ़ का असर व्यापक है। कई स्थानों पर पानी गांवों के भीतर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी आने के कारण नाव ही कई जगहों पर आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है। हालांकि बाढ़ की स्थिति एक जैसी नहीं है। कोसी और सोन के जलस्तर में कमी आने से कुछ इलाकों में राहत की उम्मीद बनी है। गंडक के जलस्राव में भी स्थिरता दिखाई दे रही है। लेकिन गंगा का जलस्तर अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में दर्ज किए गए पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर से थोड़ा ऊपर है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में प्रशासन को लगातार निगरानी रखनी पड़ रही है। बाढ़ का पानी घटने की स्थिति में भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण जलस्तर में दोबारा वृद्धि हो सकती है। बाढ़ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण सवाल प्रभावित लोगों के भोजन का होता है। जिन परिवारों के घर पानी से घिर जाते हैं, उनके लिए घर में रखा अनाज और खाना पकाने की व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में सैकड़ों सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से लाखों लोगों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल भोजन पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बाढ़ में फंसे परिवारों के लिए जीवन की सबसे जरूरी जरूरत पूरी करने का माध्यम बनी हुई है। राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था और महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल भी महत्वपूर्ण है। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ उनके अस्थायी रहने की व्यवस्था भी प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। राहत शिविरों में हजारों लोगों के रहने, भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। जिन परिवारों के मकान पानी से घिर गए हैं या जिनके घरों में रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए ऐसे शिविर अस्थायी आश्रय का काम कर रहे हैं। इन शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक बाढ़ का पानी रहने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बाढ़ के बाद सबसे अधिक चिंता बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को लेकर होती है। सामान्य परिस्थितियों में अस्पताल तक पहुंचना आसान होता है, लेकिन पानी से घिरे गांवों में यह काम कठिन हो जाता है। इसी वजह से प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं और नावों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। नाव से चलने वाली चिकित्सकीय व्यवस्था उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जहां सड़क संपर्क बाधित हो चुका है। दवाइयों की उपलब्धता के साथ चिकित्सकीय दलों की नियमित मौजूदगी बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत दे सकती है। प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तिरपाल और सूखा राशन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक लाख से अधिक तिरपाल और हजारों सूखा राशन पैकेट वितरित किए जाने की जानकारी है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके लिए तिरपाल तत्काल आश्रय उपलब्ध कराने में मददगार हैं। वहीं सूखा राशन उन क्षेत्रों में जरूरी है जहां सामान्य भोजन सामग्री पहुंचाना कठिन हो रहा है। बाढ़ केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन को भी प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवारों के लिए पशु उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इसलिए हजारों क्विंटल पशुचारा वितरित किया जाना राहत कार्य का जरूरी हिस्सा है। आवागमन की समस्या से निपटने के लिए बड़ी संख्या में नावों का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ के समय नाव केवल यातायात का साधन नहीं रहती, बल्कि भोजन, दवा और राहत सामग्री पहुंचाने से लेकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक निकालने का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। इन दलों की मौजूदगी किसी आकस्मिक स्थिति में तेजी से बचाव अभियान चलाने के लिए जरूरी है। खासकर रात के समय या अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दलों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार जैसी मानवीय और सामाजिक जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। नदी किनारे बने अनेक श्मशान घाट पानी में डूब जाने से परिवारों के सामने कठिन परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग देने की व्यवस्था करनी चाहिए। संकट की घड़ी में सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा भी राहत कार्य का अभिन्न हिस्सा है। बिहार में इस वर्ष बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है, लेकिन सितंबर में वर्षा सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। यही असमान वर्षा बाढ़ की स्थिति को जटिल बना रही है। आने वाले दिनों में भी कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, इसलिए नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन के लिए भी चुनौती यही है कि राहत व्यवस्था केवल वर्तमान स्थिति तक सीमित न रहे, बल्कि अगले कुछ दिनों की संभावित बारिश और जलस्तर को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी रखी जाए। बाढ़ के बीच सबसे बड़ी उम्मीद राहत और बचाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है। सामुदायिक रसोइयों से भोजन, राहत शिविरों में आश्रय, नावों से आवागमन, चिकित्सा शिविरों से उपचार, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए जरूरी सामग्री और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था यह बताती है कि संकट के समय राहत तंत्र को कई स्तरों पर काम करना पड़ता है। लेकिन राहत की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होगा कि सबसे दूर और सबसे अधिक प्रभावित गांव तक सहायता कितनी जल्दी पहुंचती है। बिहार के सामने अभी पानी घटने का इंतजार ही नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित रखने और बाढ़ के बाद उनके जीवन को फिर से सामान्य बनाने की चुनौती भी है। यही समय है जब प्रशासन, बचाव दल और स्थानीय समुदाय मिलकर संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम करें, ताकि बाढ़ से घिरे लाखों लोगों को राहत केवल कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर महसूस हो सके।

विनोबा भावे के भुदान एवं सर्वोदय में सबका विकास संभव

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है-क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'समृद्ध भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का जीवन और चिंतन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव मनुष्य का चरित्र है। 11 सितंबर को विनोबा भावे की जयंती है। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, अध्यात्मद्रष्टा और सर्वोदय आंदोलन के प्रणेता थे। लेकिन उन्हें केवल गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भगवद्गीता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष।

विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई-'सारी भूमि गोपाल की।' इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलत: परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है।

विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था तभी स्वस्थ हो सकती है, जब उनका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कहा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है।

मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैंसर से पीडित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। यह घटना बताती है कि विनोबा का नेतृत्व केवल बड़े मंचों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। वे व्यक्ति के दुख को अपना दुख मानने वाले करुणाशील संत थे। इसी क्रम में अजमेर के निकट हटूंडी में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन का प्रसंग भी उल्लेखनीय है। मेरे पिता सर्वोदय के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उस सम्मेलन में वे आचार्य तुलसी के शिष्य मुनि राकेश कुमार जी को भी लेकर गए। वहां विनोबा भावे के साथ उनकी लंबी और सार्थक चर्चाएँ हुईं। यह केवल दो विचारधाराओं का संवाद नहीं था, बल्कि उस समय के दो नैतिक प्रवाहों का मिलन था-सर्वोदय की सामाजिक चेतना और अणुव्रत की व्यक्तिगत नैतिक साधना। दोनों का लक्ष्य अंतत: एक ही था-मनुष्य बदले, समाज बदले और राष्ट्र नैतिक शक्ति के आधार पर आगे बढ़े।

विनोबा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महान व्यक्तित्वों का मूल्यांकन उनकी उपलब्धियों के साथ उनकी मानवीय सीमाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी होना चाहिए। आपातकाल के दौरान उनके 'अनुशासन पर्व' संबंधी कथन ने उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रश्न भी खड़े किए। किंतु किसी एक राजनीतिक प्रसंग से उनके पूरे जीवन के सामाजिक, आध्यात्मिक और रचनात्मक योगदान को नकारना उचित नहीं होगा। महापुरुषों को मूर्ति बनाकर पूजना जितना आसान है, उनके विचारों को आलोचनात्मक समझ के साथ जीवन में उतारना उतना ही कठिन। विनोबा ने अपने जीवन के अंतिम चरण में जैन धर्म की संलेखना-संथारा की भावना से प्रेरित होकर भोजन और दवा का त्याग किया और 15 नवंबर 1982 को देह का परित्याग किया। उनका जीवन कर्म, चिंतन, त्याग और लोकमंगल की निरंतर यात्रा था।

आज भारत विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, स्टार्टअप, विज्ञान और तकनीक हमें नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। लेकिन विकसित भारत का वास्तविक अर्थ तब पूरा होगा, जब विकास के साथ विवेक भी बढ़े, संपन्नता के साथ संवेदना बढ़े और अधिकारों के साथ कर्तव्यबोध भी मजबूत हो। यही वह स्थान है जहां विनोबा आज भी हमारे समकालीन बन जाते हैं। भूदान आज भूमि से आगे बढ़कर संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग का संदेश बन सकता है। ग्रामदान आज सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय विकास की प्रेरणा बन सकता है। सर्वोदय आज 'सबका विकास' को केवल नारे से आगे ले जाकर सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है और अणुव्रत की चेतना आज सार्वजनिक जीवन में चरित्र, संयम और नैतिक अनुशासन की आवश्यकता को रेखांकित कर सकती है। विनोबा जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके जीवन को इतिहास की पुस्तक में बंद न करें, बल्कि नए भारत के चरित्र-निर्माण की परियोजना से जोड़ें। भारत को विकसित बनाने के लिए हमें केवल तेज गति से चलने वाली अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि सही दिशा में चलने वाला मनुष्य चाहिए। विनोबा की पदयात्रा का यही सबसे बड़ा संदेश है-राष्ट्र की यात्रा बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होती है।

भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। इस तरह विनोबा जाति की संकीर्ण दीवारों को तोडऩा चाहते थे, वे कहा करते थे जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी। वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं। विनोबा चरित्र क्रांति के साथ-साथ विचार-क्रांति के पुरोधा रहे। उनके द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी इन्हीं महापुरुषों के योगदान के कारण पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली सामान्य रहने से शुक्रवार को शक्कर में सुस्ती रही। कालीमिर्च में बाजार मजबूती बना गये। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में लेवाली सामान्य रहने से भावों में सुस्ती रही। वहीं, कालीमिर्च व नारियल में बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। सींगदाना और कपास्या तेलों में भाव मजबूती के रहे। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5050-5200, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीर्डि?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3200, (200) 3500, (250) 4200,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1380-1385, सोया रिफाइंड 1440-1445, कपास्या 1610, धूलिया 1600, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 6000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6750-6850, एवरेज 6500-6550, विशाल 6550-6650, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को विदेशी बाजारों के दबाव में स्थानीय सराफा बाजार में चॉंदी बाजार जोरदार गिरावट पर रहे। सोने में नरमी रही। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 230500, चॉंदी (99) 230300, टंच 229600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149100,

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 29 पैसे की बढ़त के साथ्र ही 95.55 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया यह 95.79 के स्तर तक फिसल गया। कच्चे तेल में तेजी और अमेरिका में ऊंची बॉन्ड यील्ड से रुपये की मुश्किलें बढ़ी हैं। अमेरिकी डॉलर अभी भी वैश्विक बाजार में सबसे मजबूत मुद्रा बना हुआ है। वहीं गत दिवस अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 95.59 पर बंद हुआ था। । विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर की लगातार मांग का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष से पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। हालांकि, दिनभर के कारोबार में यह अपने निचले स्तर से अच्छी रिकवरी करने में सफल रहा। आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों से मिले समर्थन ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 120.83 अंक फिसलकर 74,781.76 पर बंद हुआ1 वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 79.70 अंक टूटकर र 23,398.10 पर आ गया। आज सुबह दिन के शुरुआत में, सेंसेक्स 593.42 अंकों की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 207 अंक फिसलकर 23,270.30 पर खुला और इंट्रा-डे में 23,231.40 के निचले स्तर तक चला गया था। वहीं व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी जैसे सेक्टरों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

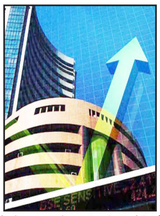

भारत के व्यापार नियमों पर अमेरिका-यूरोपीय संघ ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने देश के नियामक और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ये बाधाएं भारत के आर्थिक उदारीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा के दौरान इन चिंताओं को प्रमुखता से उठाया गया। उठाई गई प्रमुख चिंताओं में उच्च टैरिफ, सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) उपाय, व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), सेवाओं और डिजिटल व्यापार पर प्रतिबंध, स्थानीय सामग्री की आवश्यकताएं और सरकारी खरीद में बाधाएं शामिल हैं। अमेरिका ने भारत सरकार के व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की, लेकिन साथ ही शुल्कों में भारी कटौती करने, गैर-जरूरी एसपीएस एवं टीबीटी उपायों को हटाने, सेवाओं एवं डिजिटल व्यापार में बाधाएं खड़ी करने से बचने और विदेशी निर्यातकों व निवेशकों के साथ भेदभाव करने वाले नियमों को वापस लेने के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया। यूरोपीय संघ ने सीमा शुल्क की अनिश्चित प्रक्रियाओं, बोझिल एसपीएस आवश्यकताओं, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा में कमियों और सरकारी खरीद तक पहुंच को सीमित किए जाने पर चिंता जताई। यूरोपीय संघ ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बढ़ते उपयोग पर विशेष ध्यान दिया, यह कहते हुए कि ये घरेलू मानकों पर आधारित हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर से अलग व अनुपालन करने में मुश्किल हैं।

फ़ूड सेफ़्टी विभाग ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर पर मारे छापे

जयपुर। एजेंसी। घरों पर राशन और खाने-पीने का सामान पहुंचाने का दावा करने वाली ऐप-आधारित कंपनियों- ब्लिंकइट और ज़ेप्टो की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजस्थान के जयपुर में फ़ूड सेफ़्टी टीमों ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर की जांच की और वहां एक्सपायर हो चुके और गलत तरीके से रखे खाने-पीने के सामान पाए गए। इस कार्रवाई के तहत एक्सपायर सामान को नष्ट किया गया, सैंपल लिए गए और साफ-सफाई व स्टोरेज से जुड़ी कमियों को ठीक करने के निर्देश दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद अधिकारियों ने हजारों डेयरी पैकेट नष्ट कर दिए और लैब टेस्टिंग के लिए सैंपल लिए। ये छापेमारी फ़ूड सेफ़्टी विभाग की एक सेंट्रल टीम ने कंपनियों के डार्क स्टोर पर की, जो होम डिलीवरी के लिए हब का काम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान डेयरी प्रोडक्ट के करीब 2,350 पैकेट और बड़ी मात्रा में खराब फ़ूड आइटम मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। जगतपुरा में जेप्टो के डार्क स्टोर पर, इंस्पेक्टरों को दूध, दही और छाछ के लगभग 1,550 पैकेट मिले, जिन्हें तय तापमान पर नहीं रखा गया था। नतीजतन, सारस और अमूल डेयरी प्रोडक्ट के करीब 1,550 पैकेट नष्ट कर दिए गए। इंस्पेक्टरों को 7 किलो एक्सपायर्ड फ़ूड आइटम भी मिले, जिनमें म्यूसली, कैंडी और भुजिया शामिल थे। इसके अलावा करीब 100 किलो खराब फ़ूड प्रोडक्ट, जिन पर बिक्री के लिए नहीं लिखा था, हटाकर नष्ट कर दिए गए। निरीक्षण टीम ने डार्क स्टोर और कोल्ड रूम एरिया के आसपास पान मसाला और ज़र्दा थूकने के निशान भी देखे। अधिकारियों ने स्टोर मैनेजमेंट को तुरंत साफ-सफाई और स्टोरेज के तरीकों में सुधार करने का निर्देश दिया। स्टोर मैनेजर की मौजूदगी में पीनट बटर और शहद के सैंपल लिए गए और टेस्टिंग के लिए सेंट्रल लैब भेजे गए। टीम ने आदर्श नगर में ब्लिंकइट के एक डार्क स्टोर का निरीक्षण किया, जहां उन्हें डेयरी उत्पादों के करीब 800 पैकेट और साथ ही बड़ी मात्रा में खराब और एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थ मिले। जांच के दौरान अधिकारियों को खराब या एक्सपायर हो चुके स्टॉक मिले, जिनमें अमूल बटर के 24 पैकेट, बॉम्बे बंटा जूस की 60 बोतलें, कम फैट वाले दूध के 11 पाउच, ट्रॉपिकाना जूस, गाय का घी और लगभग 1,400 मिलीलीटर अमूल टोन्ड मिल्क शामिल थे। ऐसे सभी उत्पादों को वहीं नष्ट कर दिया गया। विभाग ने प्रयोगशाला में जांच के लिए ब्लिंकइट स्टोर से दूध, फ़ूड-ग्रेड घी और पेपर बोट कार्बोनेटेड पानी के सैंपल भी लिए। अधिकारियों ने पाया कि कोल्ड रूम और डीप फ्रीज़र में डेयरी उत्पादों को सुरक्षित रूप से स्टोर करने के लिए तय तापमान मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था।

मेष- आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का योग बन सकता है। इस दौरान नए लोगों से मुलाकात होगी, जिनसे भविष्य में आपको महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। होटल कारोबार से जुड़े लोगों को सामान्य दिनों की तुलना में बेहतर लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्तों में अपनापन और तालमेल बढ़ेगा।

वृष- आज दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा फल मिलने और सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत हैं। रास्ते में किसी बुजुर्ग की सहायता करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतुष्टि मिलेगी। बच्चे किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपकी सलाह मांग सकते हैं। ऑफिस में काम के प्रति एकाग्रता बनी रहेगी और आप समय पर अपने कार्य पूरे कर लेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। अचानक धन लाभ होने से आप अपनी जरूरत की कोई महत्वपूर्ण चीज खरीद सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को पार्टी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। आपके विरोधी भी किसी मामले में आपकी सलाह लेने को मजबूर हो सकते हैं।

कर्क- आज का दिन उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। आपका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होगा, जिससे मन में संतोष और खुशी दोनों आएंगे। काम करने के नए और बेहतर तरीकों पर विचार करेंगे। कार्यस्थल पर आपकी कार्यक्षमता से प्रभावित होकर वरिष्ठ आपकी प्रशंसा कर सकते हैं और आपको किसी प्रकार का पुरस्कार या प्रोत्साहन भी मिल सकता है। दूसरों की मदद करने की भावना प्रबल रहेगी। परिवार के साथ खरीदारी का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह- आज आपके भीतर नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और घर की जरूरतों के लिए खरीदारी करने का मौका मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रदर्शन से सहकर्मी और वरिष्ठ प्रभावित होंगे तथा आपकी खुलकर तारीफ हो सकती है। जरूरी काम आसानी से पूरे होते जाएंगे। पिता द्वारा व्यापार में दी गई जिम्मेदारियों को आप कुशलता से संभालेंगे। फर्नीचर कारोबार से जुड़े लोगों को उम्मीद से अधिक लाभ मिलने की संभावना है। परिवार के लोग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए कई मायनों में सुखद रहने वाला है। आपका विनम्र व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा और सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। आप अपने खर्चों को नियंत्रित करने की योजना बनाएंगे, जो भविष्य में आर्थिक रूप से फायदेमंद रहेगी। बेवजह किसी बात को लेकर ज्यादा सोचने से बचें, क्योंकि इससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन सामान्य से बेहतर परिणाम देने वाला रहेगा। मकान, प्लॉट या दुकान खरीदने की आपकी पुरानी इच्छा पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। संतान को अच्छी नौकरी मिलने की खबर घर में खुशी का माहौल बना देगी और आप जश्न मनाने की योजना बना सकते हैं। लंबे समय से परेशान कर रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या में राहत मिलने के संकेत हैं। ऑफिस से लौटने के बाद लंबे समय के बाद अपने पसंदीदा काम के लिए समय निकाल पाएंगे, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए उम्मीद से बढ़कर परिणाम देने वाला हो सकता है। जिस काम को आप अब तक मुश्किल या लगभग असंभव मान रहे थे, उसे पूरा करने में सफलता मिल सकती है। तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव करने होंगे। निजी क्षेत्र में नौकरी करने वालों को प्रमोशन की खुशखबरी मिल सकती है। परिवार के साथ किसी मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मकर- आज का दिन खुशी और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। व्यापार में अच्छा लाभ मिलने से आपकी प्रसन्नता बढ़ेगी। लंबे समय से नए वाहन का सपना देख रहे हैं तो आज वह पूरा हो सकता है। किसी करीबी मित्र से दिल की बातें साझा करेंगे और उसकी ओर से आपको समझ और सहयोग मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई नए अनुभव लेकर आएगा। आपको अपनी भूमिका या जिम्मेदारियों में बदलाव महसूस हो सकता है। जिम ट्रेनर और फिटनेस से जुड़े लोगों के लिए काम के लिहाज से अच्छा समय रहेगा। आपके व्यावसायिक कौशल में निखार आएगा और पद या आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। जीवन में खुशी के नए कारण मिलेंगे।

मीन- आज का दिन आपके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आएगा। आपका मन रचनात्मक कार्यों की ओर आकर्षित होगा और इससे आपके अनुभव व कौशल में भी वृद्धि होगी। ऐसे प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। कोई महत्वपूर्ण काम सफलतापूर्वक पूरा होने से मन हल्का और तनाव कम महसूस होगा। जीवनसाथी के साथ चल रही नाराजगी समाप्त होगी और परिवार में फिर से खुशियां लौटेंगी।

शब्दजाल - 8388

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद

शब्दजाल - 8387 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	वी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7322

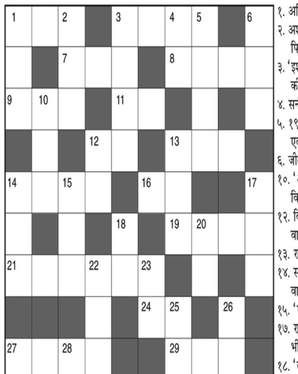

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7321

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रो	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.11 बजे से
चंद्र	कन्या में	तुला	08.21 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.36 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.52 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.57 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.44 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.47 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.27 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मिथुन	23.25 बजे से
		कर्क	01.39 बजे से
		सिंह	03.55 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 255 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 07.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 12.56 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 15.09 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.47 बजे तदनन्तर बालव 19.24 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 15' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872830 **जूलियन दिन** 2461295.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 29 **विशेष** सामवेद उपाकर्म, चन्द्रदर्शन, गुरु ग्रंथ साहिब प्राकश दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सत्य की राह

जब मार्टिन लूथर ने ईसाई धर्म में प्रचलित रूढ़ियों के विरोध में आवाज उठाई तो एक खास तबके ने उन्हें और उनके सहयोगियों को तरह-तरह से परेशान करना शुरू कर दिया। इससे उकताकर एक दिन मार्टिन लूथर के एक शिष्य ने उनसे कहा, 'अब तो हद हो गई है, अब आप एक शाप देकर इन सब लोगों को जलाकर खाक कर दीजिए।' मार्टिन लूथर ने कहा, 'ऐसा कैसे हो सकता है?' शिष्य बोला, 'आपकी प्रार्थना तो भगवान सुनते हैं। उन्हें प्रार्थना में कह दें कि इन सब पर बिजली गिरे।' मार्टिन लूथर ने कहा, 'यदि मैं भी ऐसा ही विचार करने लगूं तो मुझमें और उनमें क्या अंतर रहा जाएगा?' यह सुनकर शिष्य सोच में पड़ गया। उसने फिर कहा, ' लेकिन इन लोगों का अविवेक, अन्याय और नासमझी तो देखिए। आप जैसे सात्विक सज्जन और परोपकारी संत को ये न जाने क्या-क्या कहते हैं।' मार्टिन लूथर बोले 'उसे देखना हमारा काम नहीं है। हमें तो अपने ढंग से असत्य और विकृतियों को उखाड़ फेंकने का काम करना है। शेष सारा काम ईश्वर को स्वयं देखना है।' शिष्य फिर भी संतुष्ट न हुआ। उसने पुनः विनम्रता से कहा, 'आप अपनी शक्ति आजमा कर ही उन्हें क्यों नहीं बदल देते? आप तो सर्वसमर्थ हैं।' इस पर मार्टिन लूथर ने कहा, 'यदि राग और द्वेष, रोग और दोष अंतःकरण से न घटे तो गुरु उसमें किस प्रकार सहायक बन सकते हैं। मेरा काम है पाप का विसर्जन कर सत्य और शुभ का नवसर्जन करना। दूसरों को जो करना हो, करें। अपना काम तो अपने रास्ते पर दृढ़तापूर्वक चलना है।'

सूडोकु नवताल- 7631

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7630 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 8846

बाएँ से दाएँ

1.इच्छा,मन्नत-2
3.आश्रय,शरण-3
6.ठाठ-बाट-2
8.प्रकार-3
10.आवरण-3
12.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14.ख्वाब,स्वप्न-3
17.घर,आवास-3
19.लोच-3
21.भस्म,खाक-2
23.निगाह,दृष्टि-3
25.संबोधन-2
26.देवर्षि-3
28.तिजोरी-3
30.तरंग,हिलोर-3
32.गुंडा,बदमाश-3
35.अनुकृति-3
37.नाप करना-3
39.थोड़ा-2
40.उल्टी,कै-3
41.मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1.सप्तम,सातवां-2
2.पृथ्वी,वसुंधरा-3
4.घ्राणेंद्रिय-2
5.वासना,लालसा-3
7.खुमार,सरुर-2
9.रनिवास (उर्दू-3)
11.चतुर,तेज-3
13.थकावट-3
15.नृत्य करना-3
16.कुल,खानदान,वंश-3
18.पुराना जुकाम-3
20.कटि,शरीर का मध्यांग-3
22.ईमामदस्ता-3
24.नकद राशि,रोकड़-3
27.जलने की क्रिया-3
29.रवानगी,विदा होना-3
31.राशि,धन-3
33.आलेप करना, पोतना-3
34.रहस्य-2
36.बुरी आदत-2
38.अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8845 का हल

श	ब	■	ता	■	य	■	लॉ	क
रा	■	ला	ल	■	श	ह	■	हा
ब	से	रा	■	सा	■	क	स	र
■	ना	■	आ	स	रा	■	र	■
अ	ना	मि	का	■	श	रा	फ	त
■	य	■	र	ह	न	■	रो	■
म	क	र	■	र	■	प्रे	श	र
लि	■	ज	मा	■	आ	स	■	स
न	र	■	न	■	म	■	आ	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

आवा आश्रम में सद्भावना कलश यात्रा का हुआ भव्य समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं सद्भावना कलश यात्रा का गुरुवार 10 सितंबर को लांजी विकासखंड के सेक्टर-5 अंतर्गत ग्राम आवा स्थित संत रविदास आश्रम में भव्य स्वागत एवं समारोह के साथ विधिवत समापन हुआ। गुरुपूर्णिमा के दिन से प्रारंभ हुई यह यात्रा जिले के विभिन्न ग्रामों से होकर लांजी क्षेत्र में पहुंची, जहां ग्रामीणों एवं नगरवासियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ सद्भावना कलश का स्वागत कर पूजा-अर्चना की।

आवा आश्रम में आयोजित समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम के महंत संत झाडूदास महाराज ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजकुमार करहे उपस्थित रहे। वहीं यात्रा के बालाघाट जिले के प्रभारी मोहारे, डिल्लन सिंह ताराम, ग्राम आवा के सरपंच ललित कबिरे, जन अभियान परिषद विकासखंड लांजी के संतोष नगपुरे, नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप लांजी के सचिव रमेश आसटकर, परामर्शदाता ज्योति शक्करपुडे, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति आवा की अध्यक्ष विनिता खोबरागड़े एवं सचिव विमल रूसे सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन विजय हटिले, परामर्शदाता एवं सचिव आवा आश्रम द्वारा किया गया।

समानता और भाईचारे का दिया संदेश

समापन अवसर पर वक्ताओं ने संत रविदास महाराज के जीवन, उनके संघर्ष तथा सामाजिक सुधार के लिए किए गए कार्यों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज में व्याप्त जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव की भावना के विरुद्ध मानव मात्र की समानता, प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सामाजिक समरसता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास महाराज का संदेश केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान और अधिकार देने की प्रेरणा देता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही भेदभावमुक्त एवं समरस समाज की स्थापना की जा सकती है।

गांव-गांव पहुंचा सद्भावना का संदेश

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर प्रारंभ हुई सद्भावना कलश यात्रा ने जिले के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। यात्रा के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों ने कलश का स्वागत किया और पूजा-अर्चना की। लांजी नगर में भी यात्रा का श्रद्धापूर्वक स्वागत हुआ तथा नगर भ्रमण के बाद सिद्धेश्वर मंगल भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में संत रविदास महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया गया। यात्रा के अंतिम पड़ाव के रूप में आवा आश्रम में आयोजित समापन कार्यक्रम में इस अभियान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा समाज में समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

आवा आश्रम में उत्साह का माहौल

समापन कार्यक्रम को लेकर आवा आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की मौजूदगी रही। संत रविदास महाराज के प्रति आस्था प्रकट करते हुए लोगों ने सद्भावना कलश के दर्शन किए। धार्मिक वातावरण के बीच सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश प्रमुखता से सामने आया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन से जुड़े सभी लोगों ने संत रविदास महाराज के विचारों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में जाति, वर्ग एवं ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। आवा आश्रम में हुए इस आयोजन के साथ ही श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं सद्भावना कलश यात्रा का विधिवत समापन हुआ।

धान फसल पर माहू और तनाछेदक का प्रकोप - 70 प्रतिशत धान फसल नष्ट

पद्मेश न्यूज। लांजी। खरीफ सीजन में धान की फसल पर कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कई क्षेत्रों में धान की फसल माहू और तना छेदक जैसे कीटों से प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है। किसानों की परेशानी को देखते हुए जनपद पंचायत लांजी के सभापति दिनेश लाड़े ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी को ज्ञापन सौंपकर रोगग्रस्त फसल का तत्काल सर्वे कराने तथा प्रभावित किसानों को फसल क्षति का मुआवजा दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में सभापति ने बताया कि वर्तमान खरीफ सीजन में धान की फसल पर कीटों के प्रभाव से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। माहू एवं तना छेदक जैसे कीटों के प्रकोप के कारण फसल लगातार प्रभावित हो रही है। किसानों द्वारा फसल बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद नुकसान से राहत नहीं मिल पा रही है। उन्होंने प्रथम दृष्टया करीब 70 प्रतिशत खेती रोग एवं कीट प्रकोप से प्रभावित होने का अनुमान जताया है।

कृषि ही किसानों का मुख्य सहारा, नुकसान से बढ़ी चिंता

ज्ञापन में कहा गया है कि क्षेत्र के अधिकांश किसानों की आजीविका कृषि पर निर्भर है। ऐसे में यदि फसल खराब होती है तो किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होना तय है। धान की फसल में हुए नुकसान का समय रहते आकलन नहीं किया गया तो किसानों को आगामी दिनों में और बड़ी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सभापति दिनेश लाड़े ने एसडीएम से मांग की है कि राजस्व अमले के माध्यम से प्रभावित गांवों में फसल का मौके पर सर्वे कराया जाए, नुकसान का वास्तविक आकलन तैयार किया जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार फसल क्षति का मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

सर्वे और मुआवजे के साथ कर्जमाफी की भी उठाई मांग

ज्ञापन के माध्यम से किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कर्जमाफी की मांग भी उठाई गई है। उनका कहना है कि फसल खराब होने की स्थिति में किसानों पर कृषि ऋण चुकाने का अतिरिक्त दबाव रहेगा। इसलिए शासन-प्रशासन को फसल नुकसान का सर्वे कराकर राहत देने के साथ किसानों की कर्जमाफी पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। सभापति ने चेतावनी दी है कि यदि किसान हित में उठाई गई मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की गई और रोगग्रस्त फसल का सर्वे नहीं कराया गया तो वे अनशन करने के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन फसल नुकसान की शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता है और किसानों को राहत पहुंचाने के लिए सर्वे की कार्रवाई कब शुरू करता है।

बालक-शिक्षक सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। जन शिक्षा केंद्र मोहझरी में बुधवार को बालक-शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कक्षा 5वीं और 8वीं में जन शिक्षा केंद्र स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य एम.के. अवसरे ने की। मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार भीमटे, विशिष्ट अतिथि बीआरसी शिवेंद्र ऊके तथा अतिविशिष्ट अतिथि डाइट बालाघाट के व्याख्याता तुलेंद्र कुथे उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मेधावी विद्यार्थियों को 500-500 रुपए की प्रोत्साहन राशि

समारोह में डाइट बालाघाट के व्याख्याता तुलेंद्र कुथे ने जन शिक्षा केंद्र स्तर पर कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से 500-500 रुपए की नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इस दौरान विद्यार्थियों को आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में जन शिक्षा केंद्र के अंतर्गत आने वाली शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा शिक्षकीय कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह को सफल बनाने में जनशिक्षक मदनलाल टांडेकर, श्रवण नखाते, हितेन्द्र तिवारी, महेश उमरे सहित जन शिक्षा केंद्र के समस्त शिक्षकों का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन शासकीय माध्यमिक शाला सावरी कला के शिक्षक गिरीश कुमार पारधी ने किया।

नारबोद पर्व पर गांव की सीमा से बाहर किया बुराइयों का दहन

पद्मेश न्यूज। लांजी। पोला पाटन पर्व के दूसरे दिन शुक्रवार को लांजी क्षेत्र में नारबोद पर्व स्थानीय परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्रामीण अंचलों में सुबह से ही पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। गांव-गांव में मिट्टी से नारबोद यानी मारबत/पूतना के पुतले तैयार किए गए और पूरे गांव में भ्रमण कराने के बाद उन्हें गांव की सीमा से बाहर ले जाकर दहन किया गया। लोकमान्यता है कि नारबोद के साथ गांव की बुराइयों, समस्याओं, बीमारियों और नकारात्मकता को भी गांव की सीमा से बाहर कर दिया जाता है। लांजी क्षेत्र में नारबोद पर्व मनाने की परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। ग्रामीण मान्यता के अनुसार नारबोद के दहन से खेतों में लगने वाले रोग और कीटों का प्रभाव कम होता है तथा मौसम परिवर्तन के दौरान फैलने वाली बीमारियों से भी बचाव होता है। इसी विश्वास और परंपरा के चलते ग्रामीण आज भी पूरे उत्साह और सामूहिक सहभागिता के साथ इस पर्व का निर्वहन करते हैं।

गांव में भ्रमण के बाद किया नारबोद का दहन

पर्व के अवसर पर ग्रामीणों ने मिट्टी से तैयार नारबोद को घरों से बाहर निकाला। कई गांवों में इसे पूरे गांव में घुमाया गया और इसके बाद श्मशान घाट अथवा गांव की सीमा से बाहर निर्धारित स्थान पर ले जाकर दहन किया गया। कुछ स्थानों पर नारबोद को नदी-नालों में प्रवाहित करने की परंपरा भी निभाई गई। इस दौरान बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

खेतों की मेड़ों पर गाड़ी गई गराड़ी, तेंदू और महुआ की डालियां

नारबोद पर्व का संबंध ग्रामीण कृषि संस्कृति से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। किसान फसलों की सुरक्षा और अच्छी पैदावार की कामना को लेकर खेतों की मेड़ों पर गराड़ी, तेंदू और महुआ की शाखाएं गाड़ते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह पुरातन परंपरा खेतों को रोग-कीटों से बचाने और फसल की खुशहाली के लिए शुभ मानी जाती है। क्षेत्र के अनेक गांवों में घरों के बाहर डगाल लगाकर नारबोद का बोझारा मांगने की परंपरा भी निभाई गई।

दान-पुण्य के साथ मस्ती और हुड़दंग का भी पर्व

बच्चों और युवाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। कई स्थानों पर गेड़ी चलाने की परंपरा निभाई गई तो कहीं अखाड़ों का आयोजन हुआ। ग्रामीणों ने एक-दूसरे के घर भोजन के लिए आमंत्रित कर सामाजिक मेल-जोल और भाईचारे की भावना को भी मजबूत किया।

नारबोद पर्व केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन की सामूहिक संस्कृति, लोकपरंपरा और सामाजिक एकजुटता का भी प्रतीक है। पर्व के दौरान जहां दान-पुण्य और पारंपरिक रीति-रिवाज निभाए गए, वहीं बच्चों और युवाओं ने खेल-कूद, गेड़ी और अन्य गतिविधियों के माध्यम से जमकर उत्साह मनाया। लांजी मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर पर्व की धूम रही।

बाजार पर भी पड़ा पर्व का असर, दुकानें बंद और बसों के पहिए थमे

पोला-नारबोद पर्व का असर लांजी के सामान्य जनजीवन पर भी दिखाई दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में पर्व को लेकर लोगों की व्यस्तता के कारण लांजी से विभिन्न मार्गों पर चलने वाली कई बसें सवारियों के अभाव में संचालित नहीं हो सकीं। आवश्यक कार्य से यात्रा करने वाले लोगों को इससे आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, पर्व के कारण लांजी नगर का बाजार भी पूरी तरह प्रभावित रहा। नगर की लगभग सभी दुकानें बंद रहीं। सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही कम रही और बसों का संचालन प्रभावित होने से नगर में दिनभर अपेक्षाकृत सन्नाटा नजर आया।

मन की बात अपनों से साझा करें, तनाव को न बनने दें परेशानी का कारण

पद्मेश न्यूज। लांजी। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शासकीय महाविद्यालय लांजी में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम एवं उमंग स्वास्थ्य केंद्र लांजी के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तनाव, अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याओं को समझने तथा उनसे सकारात्मक तरीके से निपटने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उमंग काउंसलर एवं सिविल अस्पताल लांजी के डॉ. शिव हरिनखेड़े ने विद्यार्थियों से कहा कि मानसिक परेशानी को अपने मन में दबाकर रखने के बजाय परिवार, मित्र या भरोसेमंद व्यक्ति से बात करनी चाहिए। उन्होंने मैं अकेला नहीं हूं, आओ बात करें, बोझ हल्का करें संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी भावनाएं साझा करने और जरूरत पड़ने पर समय रहते सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

सकारात्मक सोच से मजबूत होता है मन

कार्यक्रम प्रभारी एवं एनटीएफ नोडल डॉ. कांता वर्मा ने उदाहरणों के माध्यम से सकारात्मक सोच और मानसिक सुदृढ़ता के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों का सामना धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किया जा सकता है। वहीं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपात स्थिति में डायल 112, मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए टेली-मानस 14416 तथा उमंग टोल फ्री हेल्पलाइन 14425 पर संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि सहायता मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि समस्या से निपटने की सकारात्मक पहल है। इस अवसर पर प्रो. शेखर दल्लेमाल, प्रो. महेंद्र तलवरे, डॉ. सपना शेंडे सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से अपील की गई कि यदि वे स्वयं या उनका कोई साथी मानसिक परेशानी से गुजर रहा हो तो बिना झिझक सहायता लें। सहायता लेने वाले व्यक्ति की जानकारी एवं पहचान गोपनीय रखे जाने की बात भी बताई गई।

कटोरी के आंगनबाड़ी केंद्र में अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी । प्रतिवर्ष अनुसार 9 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक राष्ट्रीय पोषण माह अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्राम कटोरी के आंगनबाड़ी केंद्र में अन्नप्राशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी लकेश ऊके के निर्देशन में व सेक्टर सुपरवाइजर गीता मेश्राम की उपस्थिति में संपन्न किया गया। इस अवसर पर युगांश ,किरण ,मनीष कोहरे का अन्नप्राशन किया गया। जिसमें निर्मला कोहरे, हेमलता कोहरे,खुमेश्वरी कोहरे ,अरुणा कोहरे,वंदना कोहरे, योगेश्वरी,वर्षा सहारे, सीमा विश्वास, अनुसूया नागोसे,जयमाला वासनिक, डेविड मेश्राम ,अनीता वासनिक,उर्मिला पटले,संतोषी हेडाऊ, संपता रहांगडाले, योगन कुंभरे,रायवंता आशापुरे ,डॉ अवधेश परतेती, एएनम प्रतीक्षा शरणागत ,मुकेश जागने, धनंजय मेश्राम ,वर्षा ऊके,एएनएम शीला रहांगडाले ,आशा कार्यकर्ता सीमा शरणागत उपस्थित रहे । किशोरी बालिका के रूप में राखी, निहारिका ,सिया ,प्रियांशी उपस्थित रहे। सभी ने युगांश का खीर. पूरी सब्जी दाल चावल खिलाकर अन्नप्राशन का कार्यक्रम संपन्न कराया गया । तथा पोषण माह की जानकारी देकर सभी को घर में उगाई जाने वाले सब्जियों व फलों से अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने स्वस्थ रहने की

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अब सिस्टम बताएगा कौन कितनी देर रहा कार्यालय में

सरकारी दफ्तरों में बदलेगा कामकाज का तरीका, मंत्रालय से होगी शुरुआत, फिर पूरे प्रदेश में लागू होगी व्यवस्था

भोपाल। सरकारी दफ्तर में सुबह पहुंचकर रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए और फिर निजी काम से बाहर निकल गए-यह तरीका अब ज्यादा दिनों तक नहीं चलने वाला। मध्य प्रदेश सरकार सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति की पुरानी मैनुअल व्यवस्था को खत्म कर बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लागू करने जा रही है। नई व्यवस्था का मकसद सिर्फ कर्मचारियों की हाजिरी दर्ज करना नहीं, बल्कि यह पता रखना भी होगा कि कर्मचारी दफ्तर कब आया और कब बाहर गया। सरकार पहले चरण में राजधानी के मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन से इसकी शुरुआत करेगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के दूसरे सरकारी कार्यालयों में भी इसे अनिवार्य किए जाने की तैयारी है। यानी अब दफ्तर पहुंचने और वहां से निकलने का समय डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज होगा।

अभी कई सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति रजिस्टर के जरिए दर्ज होती है। इस व्यवस्था में कर्मचारी के हस्ताक्षर तो दर्ज हो जाते हैं, लेकिन वह इसके बाद कितनी देर कार्यालय में रहा, इसका पुख्ता डिजिटल रिकॉर्ड नहीं होता। इसी कमी का फायदा उठाकर कर्मचारियों के सुबह साइन करने के बाद बाहर चले जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कुछ मामलों में वरिष्ठ अधिकारी के कार्यालय से निकलते ही कर्मचारी अपनी सीट छोड़ देते हैं। बायोमेट्रिक व्यवस्था में प्रवेश और निकास दोनों का समय दर्ज होगा। इससे उपस्थिति को लेकर जवाबदेही तय करना आसान होगा।

तीन बार चेतावनी, फिर सिस्टम बदलने की तैयारी

दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने यह फैसला अचानक नहीं लिया है। इस साल जनवरी, मई और अगस्त में कर्मचारियों को अनुशासन और समय की पाबंदी को लेकर निर्देश दिए जा चुके हैं। 15 मई को सचिवालय स्तर पर प्रस्तावित बायोमेट्रिक व्यवस्था की समीक्षा भी की गई थी। इसके बाद 25 अगस्त को सरकार ने प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य किए जाने की बात फिर स्पष्ट की। अब अधिकारी इसे लागू करने की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं।

197 दिन छुट्टी, फिर भी समय की पाबंदी पर सवाल

सरकार के सामने इस व्यवस्था को लागू करने का एक बड़ा तर्क कर्मचारियों की उपलब्ध कार्य-अवधि और कार्यालय समय से जुड़ा है। 2021 से पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह लागू होने के बाद शनिवार-रविवार के 104 अवकाश होते हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की छुट्टियां भी हैं। स्रोत में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 365 दिनों में कुल 197 दिन छुट्टियों के होते हैं और कर्मचारियों को करीब 168 दिन काम करना होता है। निर्धारित कार्यालय समय सुबह 10 से शाम 6 बजे के बावजूद समय की पाबंदी को लेकर शिकायतें सरकार के लिए चुनौती बनी हुई हैं।

अब सवाल सिर्फ आए या नहीं का नहीं होगा

नई व्यवस्था लागू होने के बाद कर्मचारी की उपस्थिति को लेकर सवाल का जवाब सिर्फ हस्ताक्षर से नहीं मिलेगा। डिजिटल सिस्टम यह रिकॉर्ड करेगा कि कर्मचारी ने कार्यालय में प्रवेश कब किया और निकास कब किया। इसका सीधा असर उन कर्मचारियों पर पड़ सकता है जो हाजिरी दर्ज कराने को ही ड्यूटी पूरी मान लेते हैं। हालांकि बायोमेट्रिक सिस्टम अपने आप में कामकाज की गुणवत्ता का प्रमाण नहीं होगा। यह मुख्य रूप से उपस्थिति और समय की निगरानी का माध्यम है। असली परीक्षा इसके बाद होगी कि विभाग इस डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर जवाबदेही कितनी प्रभावी तरीके से तय करते हैं।

मंत्रालय से पूरे प्रदेश तक निगरानी का विस्तार

सरकार की योजना पहले राजधानी के प्रमुख प्रशासनिक भवनों में व्यवस्था लागू करने की है। मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन को शुरुआती चरण में शामिल किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के अन्य सरकारी कार्यालयों तक इसका विस्तार किया जाएगा। यानी आने वाले समय में सरकारी कर्मचारी की दफ्तर में मौजूदगी का हिसाब रजिस्टर के पन्नों के बजाय डिजिटल सिस्टम में दर्ज होगा। सरकार के लिए यह कदम प्रशासनिक अनुशासन मजबूत करने की कोशिश है, जबकि कर्मचारियों के लिए इसका मतलब साफ है—हाजिरी लगाकर गायब होने की गुंजाइश अब पहले जैसी नहीं रहेगी।

सरकारी कामकाज से जुड़े आधिकारिक मामलों में हाईकोर्ट के आदेश के बाद पीएचक्यू का निर्णय

सरकार की परमिशन के बगैर अफसरों पर केस नहीं

भोपाल। प्रदेश में अब अफसरों, खासकर राजपत्रित अधिकारियों के खिलाफ सरकारी कामकाज से जुड़े आधिकारिक मामलों में सरकार की अनुमति के बगैर आपराधिक केस दर्ज नहीं होंगे। अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यदि किसी सरकारी अधिकारी पर उसके आधिकारिक काम के दौरान किए गए कार्य को लेकर शिकायत होती है, तो ऐसे मामले में अदालत की ओर से संज्ञान लेने से पहले राज्य शासन से अभियोजन स्वीकृति लेना जरूरी होगा। दूसरी ओर, सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति देने की स्थिति देखें तो पता चलता है कि अकेले लोकायुक्त के 295 मामलों में सरकार ने अभियोजन की मंजूरी नहीं दी है। पुलिस मुख्यालय के अपराध अनुसंधान विभाग ने प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के 19 जुलाई 2026 के आदेश का हवाला दिया गया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ बिना आवश्यक अभियोजन स्वीकृति के दर्ज शिकायत पर अदालत द्वारा संज्ञान लेने के आदेश को निरस्त कर दिया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश की पुलिस इकाइयों को इस आदेश और संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

किन मामलों में जरूरी होगी मंजूरी

यदि कोई राजपत्रित सरकारी अधिकारी अपने सरकारी पद की जिम्मेदारी निभाते समय कोई ऐसा काम करता है, जिसे लेकर उसके खिलाफ आपराधिक शिकायत की जाती है और वह मामला उसके आधिकारिक कामकाज से जुड़ा है, तो अदालत में आगे की कार्रवाई से पहले शासन की अनुमति जरूरी हो सकती है। इस संबंध में पहले दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 में प्रावधान था, जो अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 में किया गया है। विभागीय अफसरों के अनुसार, इसका मतलब यह नहीं है कि सरकारी अधिकारी के खिलाफ शिकायत नहीं की जा सकती।

जोश हाई, बजट टाइट! गणेशोत्सव पर छाई महंगाई

भोपाल। इस बार के गणेशोत्सव को लेकर काफी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। ये बदलाव केवल मूर्तियों की बनावट और सेलिब्रेशन के तरीके में है लेकिन भक्तों का जोश हाई है। इस बार प्रशासन ने प्लास्टर ऑफ पेरिस यानी पीओपी की प्रतिमाओं के निर्माण पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया है। साथ ही खतरनाक केमिकल रंगों पर भी रोक लगाई है। इसका असर भी दिख रहा है। मूर्तिकारों ने इस बार पीओपी की जगह मिटी की ईको फ्रेंडली प्रतिमाएं तैयार की हैं। इसलिए पहले की अपेक्षा प्रतिमाओं की साइज काफी छोटी कर दी गई है। प्रतिमाएं पिछले साल की तुलना में 25 से 30 परसेंट महंगी हुई हैं।

14 सितंबर से शुरू होने जा रहे गणेश उत्सव को लेकर शहरों से लेकर कस्बों व गांवों तक में भक्तों के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है। गणेश समितियां पंडालों की तैयारी में जुटी हैं। श्रद्धालु अपनी पसंद की प्रतिमाओं की बुकिंग कर रहे हैं। गणेशोत्सव में महंगाई की मार के बावजूद भक्तों में वैसा ही क्रेज है। मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं के दाम पिछले साल की तुलना में काफी बढ़ गए हैं। 17 हजार रुपये में मिलने वाली 6 फीट की प्रतिमा अब 25 हजार में मिल रही है।

छोटी और मध्यम आकार की प्रतिमाओं की मांग

मूर्तिकारों के अनुसार पिछले वर्ष जो प्रतिमाएं करीब 7 से 10 हजार रुपये में मिल जाती थीं। उनके दाम इस बार 13 से 15 हजार रुपये तक पहुंच गए हैं। कीमत बढने का सीधा असर प्रतिमाओं की मांग पर भी पड़ा है। बड़ी प्रतिमाओं की बुकिंग में कमी देखने को मिल रही है। बड़ी प्रतिमाओं की मांग घटी है। छोटी और मध्यम आकार की प्रतिमाओं की मांग अधिक है। महंगाई का असर है कि गणेश पंडाल भी छोटे लगने लगे हैं। गणेश उत्सव समितियां खर्च और जगह दोनों का हिसाब लगाकर प्रतिमाओं का चयन कर रही हैं।

प्रतिमाएं महंगी होने के कई कारण

मूर्तिकार बताते हैं कि इस बार प्रतिमाएं महंगी होने के पीछे केवल एक कारण नहीं है। प्रतिमा तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत लगातार बढ़ी है। मिट्टी करीब 4 से 5 हजार रुपये प्रति ट्रॉली तक पहुंच गई है। वहीं रस्सी की कीमत भी करीब 300 रुपये तक पहुंच चुकी है। प्रतिमा बनाने में मिट्टी के साथ रस्सी, ढांचा तैयार करने की सामग्री, रंग और अन्य सामान की जरूरत होती है। इन सभी की लागत बढने से मूर्ति की कीमत भी बढ़ गई हैं।

300 से लेकर 5 हजार रुपये तक की प्रतिमाएं

मूर्तिकारों का कहना है कि कीमत बढने के बावजूद उनकी मेहनत और समय में कोई कमी नहीं आई है। एक प्रतिमा तैयार करने में कई दिन की मेहनत लगती है। इस वर्ष 6 फीट की प्रतिमाएं अधिक संख्या में तैयार की गई हैं। बुकिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं है। भोपाल के साथ आसपास की क्षेत्रों से मिलने वाले ऑर्डर में भी कमी आई है। मूर्तिकारों के पास 5 से 6 फीट की प्रतिमाओं को लेकर ज्यादा पूछताछ हो रही है। उनके पास 3 सौ से लेकर 5 हजार रुपये तक की प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। गणेश पंडाल सादा हो सकता है। बजट कम हो सकता है, लेकिन गणपति बप्पा मोरया की गूंज और भक्तों की श्रद्धा हमेशा बड़ी ही रहेगी।

वन विभाग में 216 डिप्टी रेंजरों को पदोन्नति, बने रेंजर

भोपाल। वन विभाग में लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे 216 डिप्टी रेंजरों (उप वन क्षेत्रपाल) को आखिरकार रेंजर पद पर पदोन्नति का लाभ मिल गया है। मध्यप्रदेश शासन के वन मंत्रालय ने पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए हैं। इससे अधिकारियों-कर्मचारियों को पद के साथ-साथ वेतनमान में भी आर्थिक लाभ मिलेगा।

मध्यप्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि डिप्टी रेंजरों को रेंजर पद पर पदोन्नति देने के लिए पदोन्नति समिति की बैठक हो चुकी थी, लेकिन इसके बाद फाइल करीब दो माह से शासन स्तर पर लंबित थी। लंबे इंतजार के दौरान कई डिप्टी रेंजर पदोन्नति का लाभ लिए बिना ही सेवानिवृत्त हो गए थे। इसके बावजूद पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए जा रहे थे। वन कर्मचारी मंच ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव वन सहित वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर लंबित पदोन्नति आदेश जल्द जारी करने की मांग की थी। मंच के प्रयासों के बाद मुख्यमंत्री सचिवालय स्तर से मामले में सकारात्मक पहल हुई और डिप्टी रेंजरों को रेंजर पद पर पदोन्नति देने के प्रस्ताव को अनुमोदन मिला। इसके बाद वन मंत्रालय, मध्यप्रदेश शासन ने 216 डिप्टी रेंजरों की रेंजर पद पर पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए। पदोन्नति मिलने से कर्मचारियों में खुशी है। इससे उन्हें उच्च पद का दायित्व मिलने के साथ ही संबंधित वेतनमान में आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा।

नशीले पदार्थों के खिलाफ एमपी पुलिस लगातार एक्शन मोड में

- बड़वानी में थाना वरला पुलिस ने अवैध गांजा फसल का किया पर्दाफाश

- जंगलों में चार खेतों से 6,185 पौधे, 54 लाख कीमत का 10 क्विंटल 71 किलोग्राम गांजा जप्त

ड्रोन एवं 75 पुलिसकर्मियों की मदद से की गई कार्यवाही

भोपाल। मध्यप्रदेश की थाना वरला पुलिस ने ग्राम बोरपड़ावा के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से लगाई गई गांजे की फसल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अलग-अलग खेतों से कुल 6,185 गांजे के पौधे, जिनका कुल वजन 10 क्विंटल 71 किलोग्राम है, जब्त किए हैं। जब्त फसल की अनुमानित कीमत लगभग 54 लाख रूपए है। यह कार्यवाही एसपी बड़वानी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर एवं एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के नेतृत्व में थाना वरला पुलिस द्वारा की गई। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार मिली सूचना के आधार पर थाना वरला पुलिस ने टीम गठित कर ग्राम बोरपड़ावा के जंगल क्षेत्र में सघन सर्चिंग की। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में पहुंचकर ड्रोन के माध्यम से सर्चिंग की गई। अभियान में जिला पुलिस लाइन बड़वानी एवं पुलिस अनुभाग सेंधवा से करीब 75 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। सर्चिंग के दौरान चार अलग-अलग खेतों में गांजे की फसल पाए जाने पर पुलिस टीमों ने मौके पर कार्रवाई करते हुए पौधे जब्त किए। वन भूमि से संबंधित क्षेत्र होने के कारण वन विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। वन विभाग द्वारा खेतों की टोपोग्राफी के आधार पर संबंधित स्थानों को चिन्हित किया गया है। आरोपियों की पहचान एवं उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

18 हजार बूथों पर दीपोत्सव; 97 हजार आंगनबाडियों में होगा कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। खंडेलवाल ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान सेवा गतिविधियों पर केंद्रित रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन और उनके कार्यों से देश व मध्यप्रदेश में हुए बदलावों की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई जाएगी।

खंडेलवाल ने बताया कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे से अभियान की शुरुआत होगी।

50 लाख पट्टेधारकों की निःशुल्क रजिस्ट्री

17 सितंबर से अभियान शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश में करीब 50 लाख आवासीय पट्टाधारकों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। सरकार ने सेवा संकल्प अभियान के तहत इन पट्टों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का निर्णय लिया है। अभियान 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा। रजिस्ट्री होने के बाद पट्टाधारकों को अपनी संपत्ति के आधार पर बैंक से ऋण लेने की सुविधा भी मिल सकेगी। अभियान के तहत पहले चरण में पट्टों की रजिस्ट्री कराई जाएगी। इसके लिए पंजीयन कार्यालयों के साथ तहसील स्तर पर भी प्रक्रिया को आसान बनाने की तैयारी की गई है। सरकार का उद्देश्य वर्षों से पट्टे पर रह रहे लोगों को उनकी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराना है। ताकि वे उसका उपयोग आर्थिक जरूरतों के लिए भी कर सकें। सरकार के अनुसार, रजिस्ट्री के बाद संपत्ति का रिकॉर्ड अधिक स्पष्ट होगा, पट्टाधारकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में मदद मिलेगी। इससे मकान की मरम्मत, निर्माण अथवा अन्य जरूरतों के लिए ऋण प्राप्त करने का रास्ता खुल सकता है। राज्य सरकार ने अधिकारियों को अभियान के दौरान अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचने के निर्देश दिए हैं। 17 सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को एक महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मप्र के 6 गांवों में आकार ले रही एस्ट्रो विलेज परियोजना

- तारों की छांव में निखरेगा पर्यटन...ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

भोपाल । मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा जनजातीय पर्यटन परियोजना के अंतर्गत 'एस्ट्रो विलेज डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' का क्रियान्वयन मई 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है। इस अभिनव पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य में एस्ट्रो-टूरिज्म (खगोलीय पर्यटन) को बढ़ावा देना तथा प्राकृतिक रूप से अंधकारमय क्षेत्रों को पर्यटन के नए आकर्षण के रूप में पहचान दिलाना है। परियोजना के प्रथम चरण में मध्यप्रदेश के 6 जिलों-धार, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम, दमोह एवं उमरिया से एक-एक ग्राम का चयन कर उन्हें खगोलीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने कहा कि मध्यप्रदेश का एस्ट्रो विलेज पर्यटन, विज्ञान और प्रकृति का अनूठा संगम है, जहाँ पर्यटक प्रकाश प्रदूषण से दूर स्वच्छ रात्रि आकाश में तारों, ग्रहों और आकाशगंगा का अद्भुत ओवलेकन एवं अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल एस्ट्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के लिए नए पर्यटन एवं रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही है। एस्ट्रो विलेज के तहत प्रदेश के 6 गांव जिनमें धार जिले का ज्ञानपुरा गांव, छिंदवाड़ा जिले का धुसावानी गांव, बैतूल जिले का बांचा गांव, नर्मदापुरम जिले का ढ़ाबा गांव, दमोह जिले का रिछकुड़ी गांव, उमरिया जिले का रंछा गांव को लेकर कार्य शुरू किया जा चुका है।

आधुनिक उपकरणों और अधोसंरचना का होगा विकास

चयनित ग्रामों में पर्यटकों को तारों, ग्रहों एवं अन्य खगोलीय पिंडों के सुरक्षित, स्पष्ट एवं उत्कृष्ट अवलोकन का अनुभव कराने के लिए आधुनिक आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिक उपकरण के साथ गांवों में आधुनिक टेलिस्कोप, दूरबीन और एस्ट्रो-फोटोग्राफी कैमरे उपलब्ध कराए जाएंगे। पर्यटकों के लिए स्टार गेजिंग प्लेटफॉर्म, ऑब्जर्वेशन एरिया तथा खगोलीय घटनाओं को समझाने के लिए इंटरप्रिटेशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा। पर्यटकों को लिए ये अनुभव यादगार रहेगा।

युवा कुशल 'एस्ट्रो गाइड' के रूप में तैयार होंगे

इस परियोजना का एक प्रमुख स्तंभ ग्रामीण समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। रात्रिकालीन आकाश, तारामंडलों और खगोलीय घटनाओं का ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से चयनित ग्रामों के स्थानीय युवाओं को 90 दिवसीय सघन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये युवा कुशल 'एस्ट्रो गाइड' के रूप में तैयार होंगे, जिससे उनके लिए स्थानीय स्तर पर ही रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इससे पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय निवासियों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित होगी।

एमपी पुलिस में बड़ा बदलाव- 122 डीएसपी पद खत्म, साइबर विंग को मिलेगी मजबूती

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अपने दशकों पुराने प्रशासनिक ढांचे में पहली बार बड़ा बदलाव करने वाली है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने 122 डीएसपी पदों को समाप्त करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है, जो अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। इसमें डीएसपी एंटी-डकैती जैसे पद शामिल हैं, जिनकी प्रदेश के डकैत-मुक्त घोषित होने के करीब 15 साल बाद कोई उपयोगिता नहीं रही है। इसी तरह, डीएसपी लाइन और डीएसपी लीव रिजर्व जैसे पद भी मौजूदा जरूरतों के लिहाज से अनुपयोगी माने गए हैं।

इन पदों के युक्तियुक्तकरण के बाद नए पद सृजित किए जाएंगे, जिसमें बड़ी संख्या साइबर विंग के लिए होगी। एडीजी प्रबंध के अनुसार, प्रस्तावित बदलावों के तहत कुल 63 पद समाप्त कर साइबर विंग में 8 डीएसपी सहित 115 नए पद बढ़ाए जाएंगे, जो डीएसपी से लेकर आरक्षक स्तर तक है। साथ ही, जिलों में महिला अपराध और अजाक के डीएसपी पद भी मर्ज किए जाएंगे। मुख्यालय स्तर पर 40 डीएसपी हेडक्वार्टर के नए पद और जिलों में कार्यालय प्रबंधन व ट्रैफिक निगरानी के लिए 8 नए सब-डिवीजन बनाए जाएंगे, जहां सीएसपी या एसडीओपी स्तर के अधिकारी पदस्थउ होगा। पीएचक्यू व हाईकोर्ट समन्वय के लिए भी नए डीएसपी पद प्रस्तावित हैं। इस पुनर्गठन का सीधा असर 57 जिलों में प्रस्तावित साइबर थानों पर पड़ेगा, जिससे ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में जांच तेज होगी और रकम को फ्रीज कराने व रिकवरी की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

फ्लाई ऐश नहीं उठाने वाले सरकारी विभागों पर 1500 ? प्रति टन का जुर्माना ?

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शुरू की कार्रवाई

भोपाल। थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई ऐश का निर्धारित मात्रा में उठाव नहीं करने वाले सरकारी विभागों पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कार्रवाई शुरू कर दी है। नियमों के तहत थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई ऐश का उपयोग निर्माण कार्य, सड़क निर्माण, ईंट-पत्थर निर्माण और अन्य उपयोगों में किया जाना केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद कई सरकारी विभागों द्वारा प्लांट से फ्लाई ऐश नहीं उठाई है ।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ऐसे विभागों को चिन्हित कर करीब 1500 प्रति टन के हिसाब से फ्लाई ऐश का उपयोग नहीं करने वाले विभागों पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति और जुर्माने की कार्रवाई शुरू की है। बोर्ड ने संबंधित विभागों से फ्लाई ऐश उठाव और उसके उपयोग का रिकॉर्ड भी मांगा है। अधिकारियों के अनुसार फ्लाई ऐश लंबे समय तक खुले में पड़ी रहने से हवा में महीन कणों का प्रदूषण बढ़ता है. आसपास के पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

बोर्ड ने सरकारी निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए हैं. परियोजनाओं में फ्लाई ऐश के उपयोग के लिए निर्धारित प्रावधानों का पालन करें। जांच में लापरवाही मिलने पर संबंधित विभागों से जुर्माना वसूला जाएगा। कार्रवाई का उद्देश्य फ्लाई ऐश का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने के साथ प्रदूषण को नियंत्रित करना है।

मास्टर प्लान के लिए उपवास पर बैठे पीसी शर्मा

- बोले- पांच लाख लोगों का रोजगार मत छीनो भोपाल

भोपाल । राजधानी का मास्टर प्लान लागू कराने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने शुक्रवार को रोशनपुरा चौराहे पर 31 घंटे का उपवास शुरू कर दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि सीलिंग की कार्रवाई से ऐसे लोगों का रोजगार प्रभावित हो रहा है, जिनकी आजीविका व्यवसाय और व्यापार से चलती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि करीब पांच लाख लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित न हो और मास्टर प्लान लागू कर व्यवसायिक गतिविधियों को व्यवस्थित किया जाए। उन्होंने 15 तारीख को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि सरकार की ओर से व्यापारियों के पक्ष में कोई ठोस प्रस्ताव या तैयारी दिखाई नहीं दे रही है। शर्मा ने कहा कि उनकी मांग स्पष्ट है-मास्टर प्लान लागू करो और भोपाल को बचाओ।

पीसी शर्मा ने कहा कि भोपाल का आखिरी मास्टर प्लान 1995 में दिग्विजय सिंह सरकार के समय लागू हुआ था। नियम के अनुसार हर दस साल में मास्टर प्लान आना चाहिए, लेकिन 2005 के बाद इसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार के दौरान 2031 का मास्टर प्लान तैयार कर 6-7 मार्च 2020 को प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया होनी थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा सरकार ने इसे लागू नहीं किया। उनके साथ पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, अरुणेश्वर शरण सिंह देव, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के पास अपने कार्यालय के मास्टर प्लान और उसके ऊपर हेलीपैड बनाने की योजना के लिए समय है, लेकिन भोपाल के मास्टर प्लान को लागू करने की इच्छाशक्ति नहीं है।

मास्टर प्लान आएगा तो दलालों की जरूरत नहीं रहेगी

शर्मा ने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान लागू नहीं करने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठता है। उनका कहना था कि मास्टर प्लान लागू होने पर आम नागरिकों को आवासीय निर्माण, व्यवसाय और दूसरी गतिविधियों के लिए तय नियमों के तहत अनुमति मिल जाएगी। इससे नेताओं और दलालों के जरिए परमिशन दिलाने की व्यवस्था खत्म हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी कारण मास्टर प्लान को लंबित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल के बाहरी इलाकों में अव्यवस्थित विकास हो रहा है। कहीं भी निर्माण और दूसरी गतिविधियां हो रही हैं। मास्टर प्लान लागू होता तो ग्रीन बेल्ट, आवासीय और व्यवसायिक क्षेत्रों की स्पष्ट व्यवस्था होती और राजधानी का विकास व्यवस्थित तरीके से होता।

भाजपा-आरएसएस के दफ्तरों पर भी कार्रवाई की मांग

पीसी शर्मा ने कहा कि भोपाल में आवासीय क्षेत्रों में व्यवसायिक गतिविधियों को लेकर सीलिंग की कार्रवाई से व्यापारी परेशान हैं। उन्होंने सरकार से मिक्स लैंडयूज की अनुमति देकर आवासीय और व्यवसायिक दोनों वर्गों को राहत देने की मांग की। साथ ही कहा कि नए व्यवसायिक क्षेत्र और मार्केट विकसित किए जाने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकारों ने न्यू मार्केट और एमपी नगर जैसे बाजार विकसित किए थे। शर्मा ने भाजपा और आरएसएस के कार्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा का कार्यालय ई-2 में और आरएसएस का कार्यालय अरेरा कॉलोनी ई-2 में है।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनायी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश की टीम को 40 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब भारतीय टीम के पास अपने खिताब को बनाये रखने का सुनहरा अवसर है।

इस टूर्नामेंट में ये भारतीय टीम की लगातार चौथी जीत है, इससे टीम खिताब के एक कदम करीब आ गयी है। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शेफाली वर्मा के अर्धशतक से 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 149 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन ही बना सकी और हार के साथ ही बाहर हो गयी। बांग्लादेश टीम की ओर से शोर्ना अख्तर ने सबसे अधिक 22 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से दीप्ति शर्मा ने तीन और

नन्दनी ने दो विकेट लिए।

इसे बाद जीत के लिए 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम ने पहले विकेट के लिए 26 रन बनाये। वहीं भारत को श्री चरणी ने पहला विकेट दिलाया और जुएरिया फिरदौस को आउट किया। फिरदौस ने 18 गेंद में 14 रन बनाए। दिलारा अख्तर 26 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुईं। शोभना मोस्टोरी ने 24 गेंद में 18 रन का योगदान दिया। निगर सुल्ताना ने 17 गेंद में 19 रन बनाए। शर्मिन अख्तर ने एक रन बनाया। फाहिमा 14 और रबैया खाता नहीं खोल सकीं। शोर्ना अख्तर ने 18 गेंद में नाबाद 22 रन बनाए।

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना दो रन ही बना सकीं। प्रतिका ने 20 रन बनाए। शेफाली वर्मा 40 गेंद में 64 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (16 गेंद में 21 रन) भी शुरुआत में धीमी रहीं, लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण रन जोड़ने में सफलता हासिल की। कप्तान हरमनप्रीत ने पारी के अंत में दो छक्के लगाए। बांग्लादेश के लिए सुल्ताना खातून ने दो जबकि राबिया खान, नाहिदा अख्तर और मारूफा अख्तर ने एक एक विकेट लिए।

भारतीय टीम को दूसरे ओवर में स्मृति मंधाना के रूप में पहला झटका लगा है। उन्होंने केवल 2 रन बनाए। वहीं प्रतिका रावल 24 गेंद में 20 रन बनाकर रबैया की गेंद पर आउट हुईं। शेफाली ने 40 गेंद में 64 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 16 गेंद में 21 रन की पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 6 गेंद में 13 रन का योगदान दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 28 गेंद में 24 रन की पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से सुल्ताना ने 2 विकेट लिए।

डी कॉक, बटलर और धोनी हैं टी20 के शीर्ष तीन विकेटकीपर

मुम्बई। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, से लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी कॉक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज़्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वही इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं।

डी कॉक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है।

वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकॉर्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। 57 कैच के साथ, तेजी से स्टंपिंग करने में उनका कोई जवाब नहीं था। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.938 रहा और उन्होंने एक पारी में अधिकतम पांच कैच भी लपके थे। इसके अलावा एसोसिएट देशों के विकेटकीपरों ने भी अपने असाधारण प्रदर्शन से दुनिया को हैरान किया है। केन्या के इरफ़ान करीम ने केवल 62 पारियों में 90 शिकार किये हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 1.451 है, जो शीर्ष खिलाड़ियों में सबसे बेहतरीन है। रवांडा के डिडिएर नदिकुबविमाना भी 98 पारियों में 89 शिकार किये है।

रायबाकिना ने गॉफ को हराकर फाइनल में जगह बनायी

न्यूयॉर्क । कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने जीत के साथ ही अमेरिकी ओपनर टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया है। रायबाकिना ने महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनायी। बनायी। गॉफ ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की और राइबाकिना पर शुरूआत से ही दबाव बनाते हुए पहला सेट 6-3 से जीत लिया। इसके बारद रायबाकिना ने दूसरे ओर तीसरे सेट को जीतकर शानदार वापसी की और मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में राइबाकिना को करीबी मुकाबले में 6-4 से जीत मिली। वहीं इसके बाद रायबाकिना तीसरे सेट में जीत के करीब पहुंच गईं पर गॉफ ने पूरा जोर लगा दिया पर अंत में कजाक खिलाड़ी ने किसी प्रकार जीत दर्ज की। मैच के बाद रायबाकिना ने अपनी जीत पर खुशी जतायी। रायबाकिना पहली बार अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंची हैं और अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगी।

रोहित का लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना

नई दिल्ली। भारत के युवा भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव का लक्ष्य अब 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। रोहित के अनुसार वह नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में देश के लिए पदक जीतकर उनकी कमी पूरी करना चाहते है। नीरज फिट नहीं होने के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गये हैं। ऐसे में रोहित का लक्ष्य पोडियम पर पहुंचकर देश के लिए पदक जीतना है। गौरतलब है कि इस साल, रोहित का प्रदर्शन ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छा नहीं रहा था, जहां वह केवल 81.56 मीटर का थ्रो किया था पर इसके बाद 22 अगस्त को भुवनेश्वर में आयोजित विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर सिल्वर मीट में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 87.68 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। रोहित को पूरा भरोसा है कि वह एशियाई खेलों में अपने इस प्रदर्शन को और बेहतर कर सकते हैं।

रोहित ने कहा, मैं कोई दबाव नहीं ले रहा हूं, हालांकि मुझे पता है कि लोगों को मुझसे काफी उम्मीदें हैं। नीरज का यहां नहीं होना निराशाजनक है पर हमें इसे स्वीकार करना होगा। नीरज का पदक शत प्रतिशत पक्का माना जा रहा था पर मैं उनकी जगह भरने की कोशिश करूंगा। मुझे पता है कि मैं उनकी जगह नहीं ले सकता पर मैं पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करूंगा। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने की कोशिश करूंगा जिससे पदक जीतने वालों में शामिल हो सकूं। रोहित ने नीरज की उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने कहा, नीरज का स्थान अलग है। उन्होंने देश के लिए इतिहास बनाया है और दुनिया में हर तरह के पदक जीते हैं। मैं भी उनकी उपलब्धियों जैसा प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा, ताकि देश को मुझ पर गर्व हो। अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए रोहित का मानना है कि उन्हें डायमंड लीग जैसी शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की जरूरत है। अगर मैं ऐसा कर पाया तो इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। मेरा लक्ष्य अगले साल सभी बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना है, ताकि जिससे के स्तर तक पहुंच सकूं और भारत को गौरवान्वित कर सकूं। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद अपनी तैयारी के बारे में रोहित ने बताया कि उन्होंने अपनी तकनीक में कोई खास बदलाव नहीं किया, बल्कि अपनी लय और मानसिकता पर काम किया।

रोहित किसी खास दूरी को लक्ष्य नहीं बना रहे हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य एशियाई खेलों में पोडियम पर पहुंचकर पदक जीतना है। उन्हें यहां श्रीलंका के भाला फेंक एथलीट रूमेश पथिरागे और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम से चुनौती मिलेगी।

भारत से मुकाबले के लिए ब्राजील ने शामिल किये विनीसियस, राफिन्हा जैसे खिलाड़ी

रियो डी जनेरियो । अब भारतीय प्रशंसकों को अगले माह ब्राजील की फुटबॉल टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले में रियाल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा और पेरिस सेंट-जर्मेन के मार्क्विनहोस जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी देखने का अवसर मिलेगा। इसका कारण है कि ब्राजील ने भारतीय टीम के खिलाफ 3 अक्टूबर को होने वाले एक मैच के लिए इन तीनों ही स्टार फुटबॉलरों को अपनी 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब भारतीय टीम ब्राजील से खेलेगी। इसी कारण इस मुकाबले को लेकर लोगों में उत्साह है। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) के मुख्यालय में विश्व कप के बाद अपनी पहली टीम की घोषणा की। एंसेलोटी ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण पर जोर दिया है, जिसमें 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में खेलने की पात्रता रखने वाले कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। विनीसियस जूनियर, राफिन्हा और मार्क्विनहोस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ, आर्सेनल के गेब्रियल मैगलहेस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे नामों को भी टीम में बनाये रखा गया है। एंसेलोटी ने कहा, हमें एक संतुलित टीम तैयार करनी होगी जिसमें पिछले सत्र में खेलने वाले खिलाड़ियों के अलावा युवा खिलाड़ी भी शामिल हों। हमारा मकसद प्रतिस्पर्धा बनाए रखते हुए भविष्य के लिए कुछ मजबूत आधार तैयार करना है। टीम में सबसे अहम बदलाव रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग में देखने को मिले हैं। ब्राजील ने पिछले विश्व कप के लिए चुने गए गोलकीपरों की तिकड़ी एलिसन, एडर्सन और वेवर्टन को टीम से बाहर कर दिया है, और ह्यूगो सूजा को पहली पसंद के गोलकीपर के रूप में शामिल किया है। पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो अन्य दो गोलकीपर हैं। रक्षापंक्ति में मार्क्विनहोस और मैगलहेस जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ आर्थर डायस, जायर, मैथ्यूज़िन्हो और माउरो जूनियर जैसे युवा प्रतिभाओं को अवसर दिया गया है।

सबालेंका अमेरिकी ओपन के महिला एकल फाइनल में पहुंची, रयबाकिना से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क । बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना सबालेंका ने जीत के साथ ही अमेरिकी ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया है। सबालेंका ने महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में अमेरिका की सिका पेगुला को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराया। अब सबालेंका अपने पहले अमेरिकी ओपन खिताब के करीब पहुंच गयी हैं। इस निर्णायक मुकाबले में सबालेंका की बेहतरीन सर्विस और शक्तिशाली ग्राउंडस्ट्रोक के सामने पेगुला टिक नहीं पायीं। जिससे सबालेंका को आसानी से जीत मिल गयी। मैच की शुरुआत में हालांकि दोनों खिलाड़ियों के बीच संघर्ष हुआ। पहले सेट में शुरुआती गेमों में दोनों ने अपनी सर्विस को बचाए रखा, जिससे स्कोर धीरे-धीरे 5-5 तक पहुंच गया। हालांकि, सेट के महत्वपूर्ण क्षण में, जब स्कोर 6-5 से सबालेंका के पक्ष में था और पेगुला अपनी सर्विस कर रही थीं, तब सबालेंका के जोरदार ग्राउंडस्ट्रोक के सामने पेगुला टिक नहीं पायीं। पेगुला जल्द ही 0-40 से पीछे हो गईं और अंत में अपना सर्विस गेम गंवा बैठीं। इस अहम ब्रेक के साथ, पहला सेट 7-5 से सबालेंका ने जीता। वहीं दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय और मनोबल को बनाए रखा। उन्होंने पेगुला की सर्विस तोड़ने का

लाभ उठाया और फोरहैंड्स से भी अंक हासिल किये। इस रणनीति से उन्होंने शुरुआती गेमों में ही पेगुला की सर्विस को तोड़कर 3-1 की बढ़त प्राप्त कर ली। इसके बाद सेट आठवें गेम तक सर्विस पर ही चला, जब पेगुला ने मैच अंक देने के लिए एक लंबा रिटर्न मारा। सबालेंका ने बिना कोई गलती किए, एक और जबरदस्त फोरहैंड मारकर अपनी जीत और फाइनल में जगह पक्की कर दी। उनकी इस प्रभावशाली जीत में सात एस और 29 विनर्स शामिल थे, जो टूर्नामेंट में उनके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दिखाता है। जीत के बाद सबालेंका बेहद उत्साहित दिखी। अब वह अपने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के करीब है। खिताबी मुकाबले में सबालेंका का सामना अब कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना से होगा। रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराया।

बायर्न ने पहले ही मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन । जर्मनी के दिग्गज फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने यूईएफए चैंपियंस लीग के अपने पहले ही मुकाबले में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। इस मैच में म्यूनिख की जीत के हीरो जमाल मुसियाला रहे। मुसियाला ने शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया, जिससे टीम को घरेलू मैदान पर आसान जीत मिली। इस मैच की शुरुआत से ही बायर्न ने गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा हालांकि विरोधी टीम की रक्षापंक्ति को भेदना असान नहीं था। शुरुआत में लुईस डियाज को पहला अवसर मिला, जब जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर किया पर बोडो/ग्लिम्ट के गोलकीपर ने ये प्रयास विफल कर दिया। हाइकिन ने पहले हाफ में बायर्न के कई प्रयासों को नाकाम करते हुए 33वें मिनट में किमिच के 22 मीटर का शॉट से भी बचाव किया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बायर्न को गोल दागने में सफलता मिली। मुसियाला ने उसकी ओर से गोल दागने में सफलता हासिल की।

तीसरे टेस्ट में भी बारिश के कारण खेल रुका, पाकिस्तान 52/2

बर्मिंघम । इंग्लैंड के खिलाफ यहां जारी तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बारिश की बाधा के बीच ही पाकिस्तान ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 52 रन बना लिए थे और वह अब भी इंग्लैंड से 268 रन पीछे है। इंग्लैड ने पहली पारी में 453 जबकि पाक ने 133 रन बनाये थे1

इस सीरीज में अब तक 200 रन भी न बना पाने वाली पाकिस्तान टीम की शुरुआत एक बार फिर बेहद खराब रही। इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन की गेंद पर पाक बल्लेबाज टिक नहीं पाये। रोबिंसन ने पहली ही गेंद पर सैम अयूब को स्लिप में कैच आउट करा दिया। इस विकेट के साथ, रॉबिन्सन टेस्ट इतिहास में किसी सीरीज में दो बार पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए, और बिल वोक के बाद ऐसा करने वाले इंग्लैंड के वह दूसरे खिलाड़ी हैं। रॉबिन्सन ने चौथी गेंद पर अब्दुल्ला शफीक को भी स्लिप में आउट किया। जिससे पाकिस्तान का स्कोर 0/2 हो गया। टेस्ट क्रिकेट में छठी बार ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान ने अपनी पारी की शुरुआत बिना कोई रन बनाए दो विकेट खोकर की है, और इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में यह दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 1982 में इसी मैदान पर पाकिस्तान ने 0/2 से शुरुआत की थी। शुरुआती झटकों के बाद, अज़ान अवैस और शान मसूद ने मिलकर पाक पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों ने सतर्कता दिखाते हुए अगले 12 ओवर में टीम का स्कोर 52/2 तक पहुंचाया। अवैस 29 और मसूद 21 रन बनाकर नाबाद थे। हालांकि, मसूद को 13 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला जब बेन डकेट ने गस एटकिंसन की गेंद पर उनका आसान कैच टपका दिया। इसके तुरंत बाद, बारिश शुरू हो गई और खेल आगे नहीं बढ़ सका।

टी20 में नंबर एक गेंदबाज रहे अर्शदीप टेस्ट में जगह का कर रहे इंतजार

चंडीगढ़ । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अब तक के अपने करियर में सीमित ओवरों के प्रारुप में अपने अच्छे प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम में जगह पक्की कर ली है पर वह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में जगह नहीं बना पाये हैं। स्वयं अर्शदीप भी मानते हैं कि लाल गेंद के इस पारंपरिक प्रारूप में आगे की राह उनके लिए आसान नहीं रहेगी।

उन्होंने माना है कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपेक्षाकृत कम मैच खेलना भी इसका एक कारण रहा है जिससे वह टेस्ट के लिए तैयार नहीं हो पाये हैं। दिसंबर 2019 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने के बाद से ही वह सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हैं हालांकि इस तेज गेंदबाज ने केवल 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इनमें से उनके 23वें और 24वें मैच इस सत्र की दलीप ट्रॉफी में खेले गए, जो लगभग एक साल के अंतराल के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनकी वापसी थी। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में मिले इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश की, जहां उनकी टीम, नॉर्थ ज़ोन, सेमीफाइनल चरण तक पहुंची।

दलीप ट्रॉफी के बाद वह अपनी शेर-ए-पंजाब टीम लुधियाना लायंस में शामिल हुए। अर्शदीप ने अपने टेस्ट बुलावे के इंतजार को लेकर कहा, मैं टेस्ट के लिए बुलावे के लिए तैयार रहने के लिए अपने नियंत्रण में सब कुछ करता हूं। उन्होंने आगे कहा, प्रथम श्रेणी के खेलों में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं हो सकता है, लेकिन मैं केवल उन

चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकता हूं जो मैं मौका मिलने पर तैयार रहने के लिए कर सकता हूं। 27 वर्षीय इस युवा गेंदबाज ने आत्मविश्वास के साथ कहा, टेस्ट टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करना एक सम्मान है जिसका मैं बहुत इंतजार कर रहा हूं, और मैं भारत के लिए फर्क करने की अपनी क्षमता में पूरी तरह आश्वस्त हूं।

बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने बताया कि दलीप ट्रॉफी में खेलते हुए अपने शरीर की क्षमताओं को समझना उनके द्वारा किए गए प्राथमिक कार्यों में से एक था। अर्शदीप के अनुसार, एक तेज गेंदबाज के रूप में, प्रथम श्रेणी के खेल खेलना आमतौर पर शरीर के लिए बेहद कठिन होता है जो कभी-कभी बहुत अधिक ऊर्जा और सहनशक्ति की मांग करते हैं। लेकिन एक तेज गेंदबाज के तौर पर, मुझे इस कार्यभार को प्रबंधित करने और हर बार जब मैं गेंदबाजी करने के लिए दौड़ता हूं तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भी बहुत गर्व महसूस होता है। दो बार के टी20 विश्व कप विजेता ने अपनी दलीप ट्रॉफी भागीदारी से मिली सीख के बारे में बताया, मुख्य सीख अपने शरीर को समझना और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब अपने शारीरिक सीमाओं को प्रबंधित करने की बात आती है तो इसे सुनना।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज विभाग) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail - modgmmad@mp.gov.in

क्रमांक / 667 / खनिज / 2026 बालाघाट दिनांक 03 / 08 / 2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक जया दुबे पता-वार्ड नं. 27 साईं मंदिर गली प्रेम नगर बालाघाट द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 28.07.2026 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	किरनापुर	बेनेगांव	65	3.000	शासकीय (सरकार पहाड-चट्टान)	गिट्टी, बोल्डर	--
			कुल रकबा	3.000 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी-18429/26

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

मूलनिवासी बहुजन समाज जोड़ो यात्रा में सामाजिक एकजुटता का संदेश

संगठन को मजबूत बनाने और गांव-गांव तक पहुंच बढ़ाने पर दिया जोर

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को 'मूलनिवासी बहुजन समाज जोड़ो यात्रा' का आयोजन किया गया। यात्रा के माध्यम से समाज में एकजुटता बढ़ाने और संगठन को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मूलनिवासी, आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने सामाजिक अधिकारों, संविधान की भूमिका और समाज को संगठित करने की जरूरत पर विचार रखे।कार्यक्रम में 'चलो गांव की ओर, चलो बूथ की ओर' का आह्वान करते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ ही सामाजिक स्तर पर एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। आयोजकों ने सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत बनाने के लिए आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम के शामिल होने की जानकारी दी गई थी, लेकिन वे इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य कारणो के चलते उपस्थित नहीं हुए।

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सामाजिक एकता पर दिया गया जोर

जय स्तंभ चौक स्थित माता सावित्रीबाई फुले भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में वोट चोरी, ईवीएम पर सवाल, ईवीएम पर प्रतिबंध लगाने, ओबीसी की जातिगत जनगणना सहित विभिन्न मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। वक्ताओं ने कहा कि आगामी समय में होने वाले चुनावों को देखते हुए समाज को गांव से लेकर बूथ स्तर तक संगठित करने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से 'चलो गांव की ओर, चलो बूथ की ओर' का आह्वान किया गया।

वक्ताओं ने ओबीसी की जातिगत जनगणना को जरूरी बताते हुए समाज की वास्तविक जनसंख्या के आधार पर अधिकार और हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की बात कही। वहीं चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर भी विचार रखे गए और ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर संगठन की आपत्तियां सामने रखी गईं।

संविधान और सामाजिक अधिकारों पर चर्चा

कार्यक्रम में संविधान, सामाजिक अधिकार, आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग समाज के मुद्दों के साथ बेरोजगारी, किसानों और युवाओं से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर संगठन के साथ जुड़ना होगा।कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं आदिवासी संगठनों के पदाधिकारी, महिला, युवा, किसान और कार्यकर्ता शामिल हुए।आयोजकों ने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन का विस्तार करने और गांव-गांव तक पहुंच बनाने की बात कही।

वामन मेश्राम नहीं पहुंचे

कार्यक्रम में भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम के शामिल होने की जानकारी दी गई थी, लेकिन वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए।बताया गया कि स्वास्थ्य सम्बंधित समस्या के चलते उनका बालाघाट कार्यक्रम में आना नही हो सका।उधर कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक मुद्दों को लेकर आगे भी अभियान जारी रखने पर जोर दिया।

एसटी एससी ओबीसी माइनॉरिटी को एक करना प्रमुख लक्ष्य-पटेल

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल ने बताया कि देश में एससी एसटी ओबीसी माइनॉरिटी को मिलाकर बहुजन कहा जाता है।इस वर्ग के साथ लगातार अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही है किसी को घोड़ी चरने पर पीटा जाता है तो मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है। आदिवासी समाज के लोगों को जल जंगल जमीन से वंचित किया जा रहा है। ओबीसी की जातिगत जनगणना नहीं हो रही है। जिससे उन्हें जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी नहीं मिल पा रही है।उन्हें उनके हक अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। देश में अलग-अलग जगहो पर अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।हम चाहते है कि देश में एसटी एससी ओबीसी माइनॉरिटी सभी ने एक होकर न्याय की लड़ाई लड़नी चाहिए। हम इन सभी लोगों को एक साथ एक मंच पर लाना चाहते हैं, ताकि एसटी एससी ओबीसी के लोग आपस में ना लड़े, अपने उत्थान की योजना बनाएं। हम इस देश में अपने लोगों को सत्ता देने की कोशिश में है, ताकि उन्हें उनके अधिकार मिल सके। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहां की जो हमारे उत्थान की बात करेगा हम संगठन के माध्यम से उन्हें ताकत देंगे इसीलिए संगठन को बूथ लेवल पर मजबूत किया जा रहा है।

नशे के खिलाफ महिलाओं ने संभाला मोर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम बघौली में बढ़ते नशे के खिलाफ महिला संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। गांव में नशे के कारोबार और नशाखोरी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से महिला संगठन की सदस्यों ने छापामार कार्रवाई की। इसके साथ ही महिलाओं ने पूरे गांव में रैली निकालकर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया और नशा करने वालों को भविष्य में कठोर कार्रवाई के लिए चेतावनी दी।महिला संगठन की इस पहल से गांव में नशे के खिलाफ जागरूकता का माहौल बना है। रैली के दौरान महिलाओं ने लोगों से अपील की कि वे अपने घर-परिवार और गांव के युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए आगे आएं। महिलाओं ने कहा कि नशे का सबसे अधिक असर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है, जिससे परिवार और समाज दोनों प्रभावित हो रहे हैं।छापामार कार्रवाई के दौरान महिला संगठन की सदस्यों ने गांव में नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी जुटाई और संदिग्ध स्थानों पर पहुंचकर कार्रवाई की। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि गांव में किसी भी कीमत पर नशे के अवैध कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।रैली के दौरान महिलाओं ने नशा करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इसके बाद भी गांव में नशाखोरी अथवा नशे से जुड़े अवैध कारोबार की शिकायत सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए पुलिस और प्रशासन को सूचना दी जाएगी।महिला संगठन का कहना है कि केवल पुलिस कार्रवाई से ही नशे की समस्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। खासकर महिलाओं और अभिभावकों को अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए उन्हें नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना होगा।ग्राम बघौली में महिला संगठन द्वारा निकाली गई रैली को नशे के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। महिलाओं ने संकल्प लिया कि गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा और नशे के खिलाफ ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जाएगा। महिलाओं द्वारा निकाली गई नशा मुक्ति रैली के दौरान भरव थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रों और उनके पुलिस कर्मचारी की उपस्थिति रही।

पंजाब के स्कूलों की कमियां दिखाने पर केजरीवाल ने सीजेपी को सराहा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को सामने लाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धन्यवाद किया है। उन्होंने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी की सराहना कर आश्वासन दिया कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी।

सीजेपी के सौरव दास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के बाद दास ने बताया कि लुधियाना में स्कूल ऑफ एमिनेंस का रखरखाव अच्छा था, लेकिन कुछ समस्याएं भी देखी गईं। इन समस्याओं से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अवगत कराया गया, जिन्होंने तुरंत मिलने और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया।

दास ने स्कूल ऑफ एमिनेंस में स्विमिंग पूल, रैंप, एआई लैब और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं की तारीफ की, और कहा कि कई मामलों में ये निजी स्कूलों से भी बेहतर हैं। पंजाब में लगभग 19,000 सरकारी स्कूलों में से, सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाने की घोषणा की है, जिसमें से कुछ ही का उद्घाटन हो पाया है।

गूंजती रही आवाज.....घेऊन जा.. री... नारबोद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्राचीन समय से चली आ रही परंपरा को जीवित रखते हुए शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में नारबोद पर्व पूर्ण विधि-विधान व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इसी कडी में नगर में भी दशकों पुरानी मारबत की परंपरा इस बार भी देखने को मिली।लेकिन इस बार मारबत के जरिए जिले की ज्वलंत समस्याओं को आवाज दी गई।दरअसल बूढ़ी क्षेत्र से निकाली गई मारबत में बैगा आदिवासी अंचल में हुई बच्चों की मौत और लंबे समय से विवाद का कारण बनी बूढ़ी शराब भट्टी को प्रमुख मुद्दा बनाया गया।उधर अल सुबह से ही नगर सहित तहसीलो व ग्रामीण क्षेत्रों में घेऊन जा.री..नारबोद के स्वर गूंजते रहे। जहां ग्रामीणों ने मारबत के पुतले पर, खाँसी खोखला लिखकर गांव की सीमा के बाहर जाकर पुतला का दहन किया वहीं कई किसानों ने अपनी फसलों को कीट बीमारी आदि से बचाने के लिए गराड़ी नामक पौधे की टहनियां फसलों में गाड़कर अच्छी फसल होने की कामना की। वहीं कई ग्रामीण क्षेत्रों में घर की सुख समृद्धि व शांति के लिए लोगों ने पूतना नामक पुतले को गाँव के बाहर ले जाकर उसका दहन कर नदी और तालाबों में मिट्टी के दियो का विसर्जन किया। बात अगर नगर की करें तो नगर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बूढ़ी शिव मंदिर के पास से पूतना का पुतला निकाला गया जिसे विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए नगर की सीमा के बाहर ले जाकर घेऊन जा.. री.. नारबोद कहते हुए उसका दहन किया गया।

बुराइयों और समस्याओं को नगर के बाहर करने की है परम्परा

शुक्रवार को जिले में किसानों के पारंपरिक पर्व पोला के दूसरे दिन मारबत का पर्व उत्साह और पारंपरिक रंग के साथ मनाया गया।नगर में बूढ़ी क्षेत्र के युवाओं ने गंभीर समस्याओं को लेकर व्यंग्यात्मक रूप में मारबत तैयार की। इसके बाद क्षेत्र के लोगों ने बाजे-गाजे के साथ जुलूस निकाला और मारबत को शहर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए भटेरा क्षेत्र की ओर ले जाया गया। शहर की सीमा समाप्त होने वाले स्थान पर मारबत का दहन किया गया। मान्यता है कि मारबत के दहन के साथ समाज और क्षेत्र की बुराइयों एवं समस्याओं को शहर की सीमा से बाहर किया जाता है।

बच्चों की मौत और शराब भट्टी पर जताया आक्रोश

इस बार मारबत के जरिए बैगा आदिवासी अंचल में हुई बच्चों की मौत का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। वहीं, बूढ़ी क्षेत्र में लंबे समय से शराब भट्टी हटाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर भी युवाओं ने अपनी नाराजगी जाहिर की। मारबत के माध्यम से इन मुद्दों पर प्रशासन और जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया।

दशकों से चली आ रही परंपरा

बालाघाट में बूढ़ी और ढीमरटोला क्षेत्र से दशकों से मारबत निकाले जाने की परंपरा चली आ रही है। इसमें वार्ड के बुजुर्गों के साथ युवा और बच्चे भी शामिल होते हैं। ढोल-नगाड़ों और बाजे-गाजे के साथ मारबत को शहर में घुमाया जाता है और बाद में शहर की सीमा से बाहर ले जाकर उसका दहन किया जाता है। इस दौरान लोग शोर करते हुए बुराइयों को दूर करने का संदेश देते हैं।

मौसमी बीमारी के साथ-साथ शराब भट्टी को भी अपने साथ ले जाने के गूंजते रहे स्वर

नारबोद पर्व पर अक्सर लोगों को खासी खोकला व मौसम बीमारियो को ले जा..री.. नारबोद के स्वर के साथ पुतना के पुतले को गाँव के बाहर करते देखा जाता था। पर इस वर्ष मौसमी बीमारी के साथ-साथ बूढ़ी शराब बट्टी व कथित 30 आदिवासी बच्चों की मौत के जिम्मेदारो के भी अपने साथ ले जाने के नारे गूंजते नजर आए।

असुर शक्ति पर विजय के रूप में मनाया जाता है पर्व

आपको बताएं कि पोला पर्व के ठीक दूसरे दिन नारबोद का यह पर्व मनाया जाता है प्राचीन मान्यता के अनुसार बारिश के इस मौसम में मौसमी बीमारियों तथा महामारी का डेरा जम जाता है मौसमी बीमारियों और महामारी से गांव को बचाने के लिए लोग एक पुतला बनाकर उसे गांव से बाहर ले जाकर जला देते हैं वही बीमारियों को साथ ले जाने का उद्घोष करते हैं लेकिन इस वर्ष आदिवासी बच्चो की मौत पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई जिसके साथ ही शराब भट्टी को भी साथ ले जाने की सदाएं गुजराती नजर आई। मान्यता के अनुसार इस पर्व को असुर शक्ति पर विजय के रूप में मनाया जाता है और पूतना के पुतले को ही नारबोद कहा जाता है।

नदी और तालाबों में किया मिट्टी के दीए का विसर्जन

कृष्ण जन्माष्टमी के पांचवे दिन मनाए जाने वाले नारबोद त्यौहार के अवसर पर लोगों ने मिट्टी के दिया बनाकर उसे परंपरा के अनुसार नदी नालों में विसर्जन किया और इस दौरान संक्रमण और अन्य बीमारी को अपने साथ ले जाने की प्रार्थना की। आपको बता दें कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कृष्ण जन्माष्टमी के पांचवे दिन गोकुल में बाबा नंद के घर बालक कृष्ण को उसके मामा कंस द्वारा भेजी गई पूतना राक्षसी मारने आती है।जिसका वध बालक कृष्ण के हाथों हो जाता है वर्षों से चली आ रही इस परंपरा आज भी चली आ रही है जहां इसी परंपरा के अनुसार पूतना का दहन कर मरबाद का पर्व मनाया जाता है।

महाराष्ट्र की परंपरा का बालाघाट में भी असर

मारबत पर्व का संबंध महाराष्ट्र की पारंपरिक संस्कृति से भी जुड़ा हुआ है। महाराष्ट्र में किसानों के प्रमुख पर्व पोला के दूसरे दिन मारबत निकालने की परंपरा है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नागपुर में मारबत का ऐतिहासिक आयोजन होता है, जहां अलग-अलग क्षेत्रों से मारबत निकाली जाती हैं। इसी परंपरा का छोटा स्वरूप बालाघाट में भी वर्षों से देखने को मिल रहा है।

समय के साथ बदला स्वरूप, पर कायम है परंपरा

क्षेत्रीय लोगों के अनुसार मारबत की परंपरा वर्षों पुरानी है। समय के साथ इसके स्वरूप और विषयों में बदलाव जरूर आया है, लेकिन बुराइयों और सामाजिक समस्याओं के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से मारबत निकालने की परंपरा आज भी कायम है। यही कारण है कि हर साल स्थानीय लोग अपने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और ज्वलंत मुद्दों को मारबत के माध्यम से सामने रखते हैं।

यात्री वाहन बंद होने से परेशान रहे लोग

दिनभर बस स्टैंड पर वाहनों का हुआ इंतजार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नारबोद पर्व के चलते 11 सितंबर को वारासिवनी नगर का यात्री परिवहन प्रभावित रहा। वारासिवनी बस स्टैंड सहित नगर का बाजार अधिकांश समय सूना नजर आया। पर्व के कारण स्थानीय मार्गों पर चलने वाले यात्री वाहनों का संचालन बंद रहने से आसपास के क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान केवल लंबी दूरी के कुछ वाहन ही वारासिवनी पहुंचे जबकि स्थानीय मार्गों पर चलने वाली बसें और अन्य यात्री वाहन उपलब्ध नहीं होने से बाहर से आए मुसाफिर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए परेशान होते रहे। सुबह से लेकर देर शाम तक कई यात्री बस स्टैंड पर वाहनों के इंतजार में खड़े रहे। लेकिन आसपास के क्षेत्रों के लिए उन्हें नियमित यात्री वाहन नहीं मिल सके। यात्री परिवहन के साथ साथ नगर के कई खाने पीने के प्रतिष्ठान भी बंद रहे। इसके चलते यात्रियों को भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए भी परेशानी उठानी पड़ी। मजबूरन कई यात्रियों ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों को फ ोन कर बुलाया और उनके माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंचने का प्रयास किया। वहीं कुछ यात्री साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण निराश होकर वापस लौटने को मजबूर हुए। हालांकि इस दौरान कुछ ऑटो वाहन नगर में सक्रिय रहे जिनके माध्यम से कई लोगों ने अपने गंतव्य तक पहुंचने की व्यवस्था की। लेकिन यात्रियों की संख्या की तुलना में ऑटो की उपलब्धता सीमित होने से सभी यात्रियों को इसका लाभ नहीं मिल सका। यात्रियों ने प्रशासन और परिवहन व्यवस्था से मांग की है कि ऐसे अवसरों पर स्थानीय मार्गों के लिए वैकल्पिक यात्री वाहन व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।

नगर सहित क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया मारबत पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित क्षेत्र में मारबत का पर्व काफी हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान लोगो ने मारबत के पुतले को प्रात:काल नगर के बाहर ले जाकर उसका विसर्जन किया गया। क्षेत्र में भी प्रात:काल सुबह से ही ग्रामीणों ने मारबत के पुतले को लेकर पूरे ग्राम का भ्रमण किया गया और घेऊन जारी नारबोद के नारे लगाये गये। तत्पश्चात ग्राम से बहने वाली नदी नहर में पहुँचे जहां विधि विधान के साथ उनके द्वारा पुतले का विसर्जन किया गया और ग्राम सहित क्षेत्र की बलाओं से बचाने की दुआ की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला व नगर शाखा का पुनर्गठन कल

प्रदेश पदाधिकारी निर्वाचन प्रक्रिया में होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) की नगर एवं जिला शाखा बालाघाट के कार्यकाल की समाप्ति के बाद शाखा का पुनर्गठन एवं निर्वाचन किया जाएगा। निर्वाचन समारोह 13 सितंबर रविवार दोपहर 12 बजे से स्थानीय, बूढ़ी रेलवे फाटक के पास निजी लान में आयोजित होगा।बताया गया कि संस्था के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं ट्रस्टी डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर के नेतृत्व में संचालित संगठन की मध्यप्रदेश शाखा में अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. चरणदास ढेंगरे के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बालाघाट जिला एवं नगर शाखा के नए पदाधिकारियों के निर्वाचन की प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।निर्वाचन प्रक्रिया में डॉ. चरणदास ढेंगरे अध्यक्षता एवं निर्वाचन अधिकारी की भूमिका में रहेंगे। महामंत्री एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. उत्तम प्रधान प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. शांताराम वाघ, प्रदेश कोषाध्यक्ष बीसी सहारे, उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक हेमलता डोंगरे, प्रदेश सचिव आरके कठाने तथा प्रदेश कार्यालय सचिव राजकपुर कामड़े सहित अन्य पदाधिकारी निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करेंगे।संस्था की ओर से जिले के तहसील, नगर, ग्राम एवं वार्ड स्तर के धम्म बंधुओं तथा डॉ. आंबेडकर और मानवतावादी विचारधारा में विश्वास रखने वाले लोगों से सदस्य बनकर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है। संस्था पदाधिकारियों का कहना है कि मजबूत संगठन के माध्यम से धम्म मिशन की गतिविधियों को और गति दी जा सकेगी।उक्त जानकारी बीएसआई बालाघाट के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम द्वारा प्रेसविज्ञप्ति जारी कर दी गई।

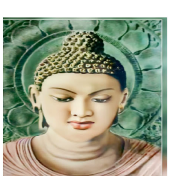

सीईसी कुमार- मतदाता सूची की शिकायतों का चुनाव से पहले 110 प्रतिशत समाधान

अहमदाबाद। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने अहमदाबाद में घोषणा की कि अगले आम चुनाव से पहले मतदाता सूची से नाम हटने संबंधी सभी शिकायतों का "110 प्रतिशत" समाधान किया जाएगा। गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आए कुमार ने अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में कार्यक्रम में आश्वासन दिया। सीईसी ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद मिली हजारों शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर का मुख्य उद्देश्य अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहराए नामों और विदेशी नागरिकों को हटाकर मतदाता सूची को ठीक करना है। कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए वैध दस्तावेज आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तब वह एसडीएम के पास शिकायत दर्ज करा सकता है। वहां शिकायत खारिज होने पर जिलाधिकारी के पास अपील की जा सकती है, और दूसरी अपील राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष की जा सकती है।

Happy Birthday to you...

आद्विक अग्रवाल
उर्फ लड्डू
जन्मदिन की
हार्दिक बधाईयां
रामकिशोर गीता अग्रवाल दादा दादी
पिपुष अंजली अग्रवाल बडे पापा मम्मी
प्रियंक भानूप्रिया अग्रवाल पापा मम्मी
समस्त अग्रवाल परिवार रामपायली

बालाघाट
शनिवार 12 सितम्बर 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत

तेज रफ्तार ऑटो ने मारी थी मोटरसाइकिल को टक्कर
गोंदिया के निजी अस्पताल में भी नहीं हुआ सुधार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 65 वर्षीय व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक शोभराज पिता सुखदास वाधवानी 65 वर्ष मुंजारे गली, वार्ड नंबर 19 सिंधी मोहल्ला, बालाघाट निवासी बताये गये है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शोभराज वाधवानी व्यवसाय करते थे। 31 अगस्त को करीब 11ः30 बजे वे मोटरसाइकिल से बालाघाट से भरवेली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आरएनटी स्कूल के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही ऑटो ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में शोभराज मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए।घटना के बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों ने शोभराज को गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उपचार के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद चिकित्सकों ने परिजनों को उन्हें घर ले जाने की सलाह दी।10 सितंबर की शाम करीब 5ः30 बजे परिजन शोभराज को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया।11 सितंबर को पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटना से जुड़े पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चौधरी दंपति से मिलने अस्पताल पहुंचीं विधायक मुंजारे, पुलिस और प्रशासन पर बरसीं

किरनापुर मारपीट मामले में एसपी से लेकर थाना प्रभारी तक पर उठाए सवाल, 32 बच्चों की मौत पर भी तय हो जवाबदेही

पद्मेश न्यूज।बालाघाट।किरनापुर थाना क्षेत्र में चौधरी दंपति के साथ कथित पुलिस मारपीट का मामला अब राजनीतिक रूप से भी गरमाता जा रहा है। 11 सितंबर की शाम करीब 6 बजे बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे जिला चिकित्सालय पहुंचीं और अस्पताल में उपचाररत सावित्री एवं कैलाश चौधरी से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने किरनापुर में पुलिस कार्रवाई को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस विभाग को सीधे निशाने पर लिया। वहीं बैहर और बिरसा क्षेत्र में लगातार बिगड़ रही बच्चों की सेहत को लेकर अस्पताल में भर्ती बच्चों से भी मुलाकात की और जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए।

किरनापुर मामले में विधायक मुंजारे ने आरोप लगाया कि सावित्री और कैलाश चौधरी के साथ थाने में जिस तरह कथित तौर पर मारपीट की गई, वह पुलिस के अमानवीय रवैये को दर्शाता है। विशेष रूप से महिला के साथ थाने के भीतर मारपीट किए जाने को उन्होंने गंभीर मामला बताते हुए कहा कि कानून की रक्षा करने वाली पुलिस यदि स्वयं ही इस तरह का व्यवहार करेगी तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद किससे करेगा। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में किरनापुर थाना प्रभारी के साथ पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की भूमिका पर भी सवाल उठाए। विधायक ने कहा कि मामले में केवल कुछ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर कार्रवाई पूरी मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। उनका कहना था कि जांच में जो भी पुलिसकर्मी दोषी पाए जाएं, उनकी जिम्मेदारी तय कर सेवा समाप्ति जैसी कठोर कार्रवाई के साथ उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस हिरासत में किसी नागरिक, विशेषकर महिला के साथ कथित मारपीट को सामान्य घटना मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। इसी दौरान विधायक ने बैहर और बिरसा क्षेत्र में बच्चों के लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जाहिर की। जिला चिकित्सालय में वर्तमान में करीब 37 बच्चों के भर्ती होने की बात सामने आने पर उन्होंने अस्पताल में उपचाररत बच्चों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। विधायक ने कहा कि केवल बच्चों को अस्पताल लाकर उपचार देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उपचार के बाद जब यही बच्चे वापस ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में लौटेंगे तो वहां उन्हें पर्याप्त पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और अनुकूल वातावरण मिलना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों के लिए ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहां उन्हें पर्याप्त पोषण आहार, समय पर टीकाकरण, नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। यदि अस्पताल में उपचार के बाद बच्चों को फिर उसी कमजोर व्यवस्था के बीच लौटना पड़े, तो उनके दोबारा बीमार पड़ने का खतरा बना रहेगा। इसलिए सरकार और प्रशासन को बीमारी के बाद उपचार से ज्यादा बीमारी की जड़ पर काम करना होगा। विधायक अनुभा मुंजारे ने बैहर और बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौतों को लेकर भाजपा सरकार और जिला प्रशासन को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि अब तक करीब 32 बच्चों की मौत की बात सामने आ चुकी है, लेकिन इस गंभीर घटनाक्रम में अभी तक किसी की वास्तविक जवाबदेही तय नहीं की गई है। अधिकारियों के स्थानांतरण को कार्रवाई का विकल्प बताते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि केवल अधिकारी बदलने से उन बच्चों की मौत का जवाब कैसे मिलेगा और व्यवस्था में सुधार कैसे सुनिश्चित होगा। मुंजारे ने कहा कि जिन अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की लापरवाही के कारण परिस्थितियां बिगड़ीं, उनकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उनका आरोप है कि पूरे मामले की वास्तविक परिस्थितियों और आंकड़ों को सामने लाने के बजाय उन्हें छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की मौत के बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं होना सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

15 सितंबर को बालाघाट आएंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। जिले में आदिवासी बच्चों की हुई मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां कथित सुविधाओं और उपचार के अभाव में हुई आदिवासी बच्चों की मौत वाले मामले को लेकर आदिवासी समाज संगठन के बालाघाट बंद और आंदोलन के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष सहित विभिन्न पार्टियों से जुड़ी दिग्गज हस्तियां बालाघाट पहुंचकर हालातो का जायजा ले रही है किसी कड़ी में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री जीतू पटवारी 15 सितंबर को बालाघाट जिले के दौरे पर पहुंचेंगे। कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार पटवारी 15 सितंबर की सुबह गोंदिया पहुंचने के बाद करीब 11 बजे बालाघाट आएंगे। इसके बाद अम्बेडकर चौक पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।दौरा कार्यक्रम में बताया गया है कि सुबह 11ः30 बजे बालाघाट के अम्बेडकर चौक पर कथित 32 आदिवासी बच्चों की मौत एवं क्षेत्र की अन्य गंभीर जनसमस्याओं को लेकर विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय का घेराव भी प्रस्तावित है। इस दौरान कांग्रेस द्वारा आदिवासी अंचल में बच्चों की मौत, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं सहित क्षेत्र की अन्य समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

रात में भोपाल से रवाना होंगे

जारी कार्यक्रम के अनुसार जीतू पटवारी 15 सितंबर की रात करीब 1ः10 बजे भोपाल से गोंदिया के लिए रवाना होंगे। सुबह 10ः18 बजे गोंदिया पहुंचने के बाद वे सड़क मार्ग से बालाघाट के लिए रवाना होंगे और करीब 11 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। अम्बेडकर चौक पर कार्यक्रम के बाद दोपहर करीब 3 बजे बालाघाट से प्रस्थान करेंगे। रात करीब 10ः30 बजे भोपाल पहुंचने का कार्यक्रम निर्धारित है। जिनके बालाघाट आगमन और यहां आयोजित कार्यक्रम की तैयारी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शुरू कर दी गई है।

युवा कांग्रेस में निष्क्रिय पदाधिकारियों पर गिरी गाज, 10 नेताओं से मांगा स्पष्टीकरण

संगठनात्मक बैठकों और कार्यक्रमों से दूरी का आरोप, 15 दिन में जवाब नहीं दिया तो होगी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस कमेटी ने बालाघाट जिले में संगठनात्मक गतिविधियों से कथित तौर पर दूरी बनाए रखने वाले पदाधिकारियों पर सख्ती शुरू कर दी है। पार्टी के कार्यक्रमों, बैठकों और सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखाने वाले 10 पदाधिकारियों को प्रदेश संगठन की ओर से स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया है। यह कार्रवाई 11 सितंबर को प्रदेश सचिव एवं युवा कांग्रेस के जिला सह प्रभारी राज नेमा द्वारा की गई है।

जारी पत्र में संबंधित पदाधिकारियों से कहा गया है कि संज्ञान में आया है कि उनके द्वारा संगठनात्मक बैठकों, कार्यक्रमों और सौंपे गए दायित्वों का अपेक्षित रूप से निर्वहन नहीं किया जा रहा है। इसके साथ ही संगठन के निर्देशों के पालन को भी संतोषजनक नहीं पाया गया है। पार्टी ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों से लिखित जवाब मांगा है। स्पष्टीकरण के लिए 15 दिन की समय-सीमा निर्धारित की गई है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में जवाब प्राप्त नहीं होने अथवा प्रस्तुत स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में संबंधित पदाधिकारी के खिलाफ नियमानुसार संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इससे साफ है कि युवा कांग्रेस अब संगठन में निष्क्रियता को लेकर पदाधिकारियों को सीधे जवाबदेह बनाने के मूड में है। जिन पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है, उनमें जिला उपाध्यक्ष अमर बिसेन और विवेक धुपारे, जिला उपाध्यक्ष आशुतोष डहरवाल, जिला महासचिव राजा कोरी, कटंगी विधानसभा अध्यक्ष आकाश कड़वे, बैहर विधानसभा अध्यक्ष आकाश बारीक, परसवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रजीत टेंभरे, चंगुटोला ब्लॉक अध्यक्ष मयंक धमड़ें, खमरिया ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम पिछोड़े और भरवेली ब्लॉक अध्यक्ष राजा वराड़े शामिल हैं। पार्टी के इस कदम को संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर बढ़ती सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। युवा कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि पद पर बने रहने के साथ संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी जरूरी है। बैठकों, कार्यक्रमों और पार्टी द्वारा सौंपे गए दायित्वों से लगातार दूरी बनाने वाले पदाधिकारियों से अब जवाब मांगा जा रहा है। ऐसे में अगले 15 दिनों में संबंधित पदाधिकारियों द्वारा दिए जाने वाले स्पष्टीकरण और उसके आधार पर संगठन द्वारा लिए जाने वाले निर्णय पर नजर रहेगी।

मोटरसाइकिल से घर लौट रहे युवक से मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ी कुम्हारी में मोटरसाइकिल से घर लौट रहे एक युवक के साथ मारपीट कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। घायल युवक धर्मेंद्र पिता सहसराम बघेल 24 वर्ष वार्ड नंबर 1 बूढ़ी बालाघाट निवासी का जिला अस्पताल में उपचार कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र बघेल मिस्त्री का काम करता है। 10 सितंबर की रात करीब 9ः30 बजे वह ग्राम कोड़िया से काम करके मोटरसाइकिल से अपने घर बालाघाट लौट रहा था। इसी दौरान ग्राम बड़ी कुम्हारी में राजकुमार मुंजारे और उसके परिवार के सदस्यों ने कथित रूप से उसे रोककर मारपीट कर दी। मारपीट में धर्मेंद्र के सिर, हाथ और कोहनी में चोट आई।घायल अवस्था में धर्मेंद्र मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा।जहां उसका उपचार किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल धर्मेंद्र का बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

शराब पीने वालों को समझाने की बात पर वृद्ध दंपति से मारपीट

खोंगाटोला में घर पहुंचकर गाली गलौज और हाथ मुक्कों से हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम खोंगाटोला में वृद्ध दंपति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में घायल झमला बाई नगपुरे 60 वर्ष और उनके पति पेंडारी लाल नगपुरे 62 वर्ष का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों पति-पत्नी खेती-किसानी करते हैं। 10 सितंबर की रात करीब 9 बजे दोनों अपने घर पर थे। इसी दौरान एक व्यक्ति उनके घर के सामने आया और बताया कि पुलिया के ऊपर कुछ लोग शराब पी रहे हैं तथा उन्हें रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उसने वृद्ध दंपति से उन्हें समझाने की बात कही और इसके बाद मोहगांव की ओर चला गया।बताया गया कि कुछ देर बाद कुछ लोग वृद्ध दंपति के घर पहुंचे और उक्त व्यक्ति द्वारा कही गई बात के संबंध में पूछताछ करने लगे। इसी दौरान दोनों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज की गई। वृद्ध दंपति द्वारा समझाने का प्रयास करने पर उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी गई। जिससे दोनों घायल हो गए।घटना के बाद घायल दंपति को 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां दोनों का उपचार किया गया। मारपीट करने वालों में पंकज नगपुरे, शिव शक्ति नगपुरे, चंद्र किशोर लिल्हारे और विजय लिल्हारे के नाम बताए गए हैं। मामले में पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट